वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच **

सोमवार, 23 फरवरी, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 53, पेज 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

शेयर बाजार में रहेगा उतार-चढ़ाव

उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्कों में की गई बढ़ोतरी के कारण शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। } 14

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों से विश्व के नेता प्रभावित हुए: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह शिखर सम्मेलन एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है। } 16

पाक की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 19 की मौत

भड़के अफगानी, माकूल जवाब देने की दी चेतावनी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि इन हमलों का सही समय पर माकूल जवाब दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि हमारी सीमाएं और लोगों की सुरक्षा हमारा पवित्र राष्ट्रीय कर्तव्य है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमाई तनाव एक बार फिर गहरा गया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमला किया, जिसमें 19 लोग मारे गए हैं। इसके जवाब में काबुल ने कड़ी चेतावनी दी है। अफगान सरकार ने कहा कि इस हमले का सही समय पर माकूल जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद, बाजौर और बन्नू में हुए आतंकी हमले अफगानिस्तान में बैठे आतंकियों के कहने पर किए गए थे। मंत्रालय ने कहा कि इन हमलों की जिम्मेदारी अफगानिस्तान स्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) ने ली है। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने अफगान तालिबान सरकार से कई बार अपील की थी। उसने कहा था कि अफगान जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के लिए न होने दिया जाए। लेकिन, तालिबान सरकार ने आतंकियों के ...शेष पृष्ठ 14 पर

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर पॉक्सो के तहत एफआईआर दर्ज

लटकी गिरफ्तारी की तलवार, मुकुंदानंद समेत दो-तीन अज्ञात लोगों पर भी केस

एजेंसी

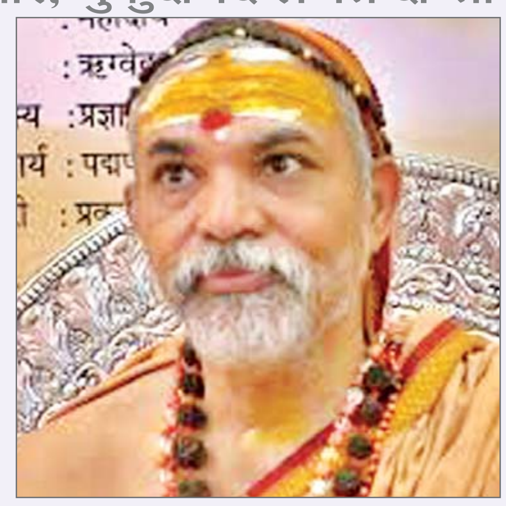

प्रयागराज। प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ पिछले एक साल में एक नाबालिग समेत दो व्यक्तियों के यौन शोषण के आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी शनिवार देर रात दर्ज की गयी। इससे पहले प्रयागराज की पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने स्वामी विमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद के अलावा दो-तीन अज्ञात लोगों पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, वादी आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने दावा किया कि हाल में प्रयागराज में संपन्न माघ मेले में उनके ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान एक नाबालिग लड़के समेत दो लोग आए और उन्होंने माघ मेले समेत धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान तथा एक गुरुकुल में उनके यौन शोषण के आरोप लगाए। इसमें आरोप लगाया गया है कि ये कृत्य गुरु सेवा की आड़ में और धार्मिक प्रभाव का दुरुपयोग करके किए गए थे। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि उन्होंने पहले झूंसी पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित अभ्यावेदन सौंपे थे, लेकिन कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, जिसके कारण उन्हें अदालत का रुख करना पड़ा। अदालत के निर्देश के बाद झूंसी पुलिस थाने ने शनिवार देर रात प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। गिरफ्तारी के संबंध में पुलिस की ओर से तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रयागराज के माघ मेला 2026 में मेला प्रशासन से टकराव को लेकर सुर्खियों में बने रहे। उन्होंने मेला प्रशासन पर मौनी अमावस्या का स्नान नहीं करने देने का आरोप लगाया था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अदालत द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश के बाद शनिवार को वाराणसी में कहा था कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है और वह न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से कहा था कि यह सही और उचित है। क्योंकि मामला दर्ज होने पर ही आगे की जांच पूरी हो सकती है। तभी हमारे खिलाफ दर्ज झूठे मामले की सच्चाई सामने आएगी और इस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी। हम अदालत से निवेदन करते हैं कि इस प्रक्रिया में देरी न करें और तेजी से कार्रवाई करें, क्योंकि बहुत से लोग इसे देख रहे हैं।

संक्षेप

शीर्ष नक्सली देवजी ने किया 'आत्मसमर्पण'

सुकमा। नक्सली संगठन के महासचिव टिप्पिरी तिरुपति, जिसे देवजी के नाम से भी जाना जाता है, ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, देवजी ने अपने साथी सीसीएम संग्राम के साथ हथियार डालकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। यह घटना माओवादी संगठन के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। नक्सली संगठन के महासचिव टिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण की खबर है। बताया जा रहा है कि देवजी ने अपने साथी सीसीएम संग्राम के साथ पुलिस के सामने हथियार डाले दिए हैं। सूत्रों से यह जानकारी मिली है।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार मां-बेटे की मौत

हाथरस। हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र में अलीगढ़-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार मां-बेटे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आगरा के प्रकाश नगर रामबाग निवासी सोनू (30) लकवा से पीड़ित अपनी मां मुन्नी बेगम (55) को दवा दिलाने के लिए सासनी के गांव विधैपुर जा रहा था, तभी हतीसा पुल के निकट किसी वाहन ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक टक्कर लगने से मां-बेटा सड़क पर गिर पड़े। खून से लथपथ घायल मां-बेटे को एम्बुलेंस से जिला बागला अस्पाल ले जाया गया।

यूपी अब देश का सबसे बड़ा उत्पादन हब : मोदी

पीएम मोदी ने मेरठ को दी 12,930 करोड़ की सौगात, कहा- कांग्रेस ने एआई समिट को गंदी राजनीति का अखाड़ा बनाया

विशेष संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में 12,930 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि भाजपा की कार्य-संस्कृति यह सुनिश्चित करती है कि परियोजनाओं की नींव रखे जाने के बाद वे समय पर पूरी हो जाएं।

मोदी ने मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद यहां आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम भाजपा की डबलइंजन सरकार की कार्य-संस्कृति को भी दर्शाता है। हमारी कार्य-संस्कृति है कि जिस कार्य का शिलान्यास किया जाए, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत बाबा औघड़नाथ को स्मरण करते हुए की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब देश में सबसे बड़ा उत्पादन हब बन रहा है। वहीं एआई समिट में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुएउन्होंने कहा कि कांग्रेसने एआई समिट को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। उन्होंने कहा कि इस पावन धरती पर, मेरठ की क्रांति धरा पर, आज विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत के लिए नयी क्रांति को ऊर्जा मिल रही है। आज पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, यह उसकी शानदार झांकी है। शहर के लिए मेट्रो और क्लीन सिटी के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन, मुझे संतोष है कि यह काम उत्तर प्रदेश में हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती-झटकती नहीं हैं, नमो भारत या मेट्रो सेवा का शिलान्यास का अवसर आप सबने मुझे दिया था और ...शेष पृष्ठ 14 पर

नये और आधुनिक भारत के शिल्पी हैं पीएम मोदी : सीएम

जिलासंवाददाता

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए व आधुनिक भारत का शिल्पी व निर्माता बताते हुए कहा कि उनके विकसित भारत विजन की वैश्विक नेता भी सराहना कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि अत्याधुनिक अवसरंचना के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का लाभ गरीब-वंचित, अन्नदाता किसान, महिल व युवा समेत समाज के हर तबके को मिलना सुनिश्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इन सेवाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश के विकास कार्यों की जितनी समीक्षा प्रधानमंत्री करते हैं, उतनी तो कोई मंत्री अपने विभागीय कार्यों की भी नहीं करता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा होली से ठीक पहले नमो भारत ट्रेन के साथ मेरठ मेट्रो का भी उपहार दिया जा रहा है। यह उपहार विकसित भारत की उस नींव को सुदृढ़ करने का नया माध्यम है, जिसमें अत्याधुनिक अवसंरचना के माध्यम से भारत की ताकत दिखती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी एक चुनौती होती थी। इसे तय करने में चार से पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली दूर है, यह मानते हुए लोग थक-हार कर बैठ जाते थे और सोचते थे कि जाम में फंसना पड़ेगा। आज 12 लेन के एक्सप्रेसवे ...शेष पृष्ठ 14 पर

योगी सिंगापुर रवाना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार से मंगलवार (24 फरवरी) तक सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच आर्थिक सहयोग, संस्थागत साझेदारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्र विशेष सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करना है। यह दौरा भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी रोडमैप के अनुरूप है, जिसमें आर्थिक सहयोग, डिजिटलाइजेशन, कौशल विकास, सतत विकास, कनेक्टिविटी और उन्नत विनिर्माण को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में चिन्हित किया गया है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के साथ-साथ तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में भी अग्रणी है। वर्ष 2024-25 में राज्य की सकल राज्य घरेलू उत्पाद 30.25 लाख करोड़ रुपये रही है, जो 2025-26 में लगभग 36 लाख करोड़ ...शेष पृष्ठ 14 पर

संस्कृत आज भी शोध, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में प्रासंगिक : धामी

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्य सेवक सदन में आयोजित संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषाई विरासत को सशक्त बनाने का संदेश गूंजा। राज्यभर से आए मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए सीएम धामी ने संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और समकालीन उपयोग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का मूल आधार संस्कृत है। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन की धारा चाहे वह वेद और उपनिषद हों, रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य हों या आयुर्वेद, गणित, खगोल और दर्शन के शास्त्र इन सभी का मूल स्रोत संस्कृत भाषा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को केवल अतीत की स्मृति मानना इसकी शक्ति को सीमित करना होगा।

यह भाषा आज भी शोध, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में प्रासंगिक है। उन्होंने बताया कि इसकी तार्किक संरचना और व्यवस्थित व्याकरण के कारण विश्व के अनेक विश्वविद्यालय संस्कृत पर गहन अध्ययन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को नई दिशा मिलने की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने मातृभाषाओं और संस्कृत को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा है। डिजिटल ...शेष पृष्ठ 14 पर

ट्रंप के नये टैरिफ विवाद के बीच अहम बैठक टली

अंतरिम व्यापार करार पर भारत- अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों की बैठक की तारीख नये सिरे से तय होगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते के प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन में अपने मुख्य वार्ताकारों की प्रस्तावित बैठक को नए सिरे से तय करने का फैसला किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

भारतीय दल 23 फरवरी से तीन दिन की बैठक शुरू करने वाला था। वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव दर्पण जैन इस समझौते के लिए भारत के लिए मुख्य वार्ताकार हैं। एक सूत्र ने कहा, भारत-अमेरिका व्यापार करार के लिए भारतीय वार्ताकारों की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में दोनों पक्षों का मानना है कि अब यह बैठक तब होनी चाहिए जबकि दोनों पक्ष ताजा घटनाक्रमों और उसके प्रभाव का आकलन कर लें। इसके लिए दोनों पक्षों को समय चाहिए। अब इस बैठक की तारीख दोनों पक्षों की सुविधा के हिसाब से नए सिरे से तय की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले के बड़े शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रंप ने शुक्रवार को भारत समेत सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था। हालांकि, शनिवार को उन्होंने शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की घोषणा की। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनके आर्थिक एजेंडा को एक बड़ा झटका देते हुए अमेरिकी शीर्ष अदालत ने उनके द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए शुल्कों को गैरकानूनी करार दिया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक अधिकार कानून (आईईईपीए) का इस्तेमाल करके अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है। अमेरिका ने अगस्त, 2025 में भारत पर 25 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया था। बाद में, रूस से कच्चा तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया। इससे भारत पर कुल शुल्क दर 50 प्रतिशत हो गई थी। भारत और अमेरिका इस महीने की शुरुआत में एक अंतरिम व्यापार करार को अंतिम रूप देने के लिए रूपरेखा पर सहमत हुए। इसके तहत अमेरिका शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। साथ ही रूस से तेल खरीद के लिए लगाए गए 25 प्रतिशत के अतिरिक्त शुल्क को भी हटाएगा। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद ट्रंप ने फिर से इन शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का ऐलान किया है। अगर यह शुल्क अधिसूचित होता है, तो यह अमेरिका में मौजूदा एमएफएन या आयात शुल्क के अलावा होगा।

रमजान मुबारक

शिया		सुन्नी	
अफ्तार	सेहरी	अफ्तार	सेहरी
6:14	5:02	6:04	5:12

आज का मौसम

अधिकतम : 27.06 डिसे.

न्यूनतम : 14.00 डिसे.

भीतर पढ़ें

- छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आय सीमा बढ़कर हुई ढाई लाख (पृष्ठ-02)
- कृषि विवि और विभागीय कार्यों के लिए मिली वितीय स्वीकृति (पृष्ठ-02)
- रूस से कच्चे तेल का आयात घटा सऊदी से आपूर्ति बढ़ी (पृष्ठ-14)
- इजराइल को पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद (पृष्ठ-14)
- भूकंप जोखिम वाले स्थानों से दूर बनाया डेटा सेंटर (पृष्ठ-14)

विशेष खबर

बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा: आईएसआई और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से जुड़े तार

दिल्ली पुलिस ने पकड़े आठ संदिग्ध आतंकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की पुलिस की स्पेशल सेल ने आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन संदिग्धों पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के समर्थन से एक बड़े आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोप है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। छह संदिग्धों को तमिलनाडु और दो को पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया। इनपर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों के इशारे पर भारत में एक बड़ी आतंकी साजिश रचने का आरोप है। आरोपियों को दिल्ली लाया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इन संदिग्धों के पास से कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है, जिसकी जांच की जा रही है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यह बड़ी कार्रवाई की है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये संदिग्ध भारत में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इन संदिग्धों के तार पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े होने की आशंका है, जो लंबे ...शेष पृष्ठ 14 पर

जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकवादियों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन में पता चला है कि मृतकों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक कुख्यात कमांडर सैफुल्ला भी हो सकता है। खबरों के मुताबिक, सैफुल्ला ने लगभग पांच साल पहले जम्मू कश्मीर में घुसपैठ किया था और तब से इस क्षेत्र में सक्रिय था। उस पर सुरक्षा बलों पर कई घातक हमलों की साजिश रचने का आरोप है। इनमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें एक कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए थे। सैफुल्ला पहले भी कई मुठभेड़ों के दौरान बच निकला था। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने व्हाइट नाइट कोर के जवानों द्वारा तीन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए की गई तेज और सटीक कार्वाई की सराहना की। भारतीय सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेना के कमांडर ने दुर्गम क्षेत्र में दृढ़ साहस दिखाने के लिए जमीनी स्तर पर तैनात कमांडरों और सैनिकों की सराहना की है। उत्तरी कमान आतंकवाद मुक्त जम्मू कश्मीर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लखनऊ-अयोध्या समेत यूपी के 12 शहरों से गुजरेगी बुलेट ट्रेन

विशेष संवाददाता

लखनऊ। बुलेट ट्रेन लखनऊ-अयोध्या समेत यूपी के 12 शहरों से गुजरेगी। उसकी गति सीमा 250-350 किमी प्रति घंटे होगी। सबसे पहले दिल्ली-वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर तैयार होगा।

रेलवे बोर्ड ने नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को पत्र लिख पुराने डीपीआर को अपडेट करने का निर्देश दिया है। अभी साल 2021 में तैयार डीपीआर बोर्ड के पास है जिसके मुताबिक दिल्ली से वाराणसी के बीच उत्तर प्रदेश के 12 शहरों से होकर बुलेट ट्रेन गुजरेगी। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि नई डीपीआर आने से स्टेशनों में बदलाव की गुंजाइश कम है। इसका मतलब है कि यह ट्रेन दिल्ली (सराय काले खां) से नोएडा, जेवर (इंटरनेशनल एयरपोर्ट), मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, प्रयागराज और भदोही होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। बोर्ड अधिकारियों का यहां तक कहना है कि अगर सब कुछ सही रहा तो अगले दो से तीन महीने में बुलेट ट्रेन के लिए कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई देना भी शुरू होगा। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि नई डीपीआर आने से स्टेशनों में बदलाव की गुंजाइश कम है। इसका मतलब है कि यह ट्रेन दिल्ली से नोएडा, जेवर, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, प्रयागराज और भदोही होते हुए वाराणसी पहुंचेगी।

यूपी में विकास की रफ्तार, 50 मिनट में दिल्ली से मेरठ

योगी सरकार के विजन से मेरठ मेट्रो और नमो भारत ने बदली शहरी परिवहन की तस्वीर

जिला संवाददाता

मेरठ/लखनऊ। पश्चिम उत्तर प्रदेश की धरती पर विकास की एक नई इबारत लिखी गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में हाई-स्पीड नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर 82 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मेरठ संपूर्ण कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित किया। यह केवल एक परिवहन परियोजना का शुभारंभ नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार के उस संकल्प का साकार रूप है, जिसमें केंद्र और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मिलकर प्रदेश को तेज, सुरक्षित और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से जोड़ रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, मेट्रो और औद्योगिक कॉरिडोर के क्षेत्र में जो रफ्तार पकड़ी है, मेरठ मेट्रो और नमो भारत उसका नवीनतम उदाहरण है।

दिल्ली से मेरठ तक लगभग 82 किमी की दूरी अब सिर्फ 50 मिनट में तय होगी। कभी जाम और भीड़भाड़ से जूझने वाला यह मार्ग अब हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का प्रतीक बन गया है। जहां पहले दिल्ली से मेरठ आने-जाने में 3 से साढ़े तीन घंटे तक लग जाते थे, वहीं अब आधुनिक रैपिड रेल प्रणाली ने समय को आधा नहीं, बल्कि लगभग एक तिहाई कर दिया है। 180 किमी प्रति घंटा तक की रफ्तार

● ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति प्रदूषण में आएगी कमी

से चलने वाली नमो भारत ट्रेन भारत के शहरी परिवहन इतिहास में नई ऊंचाई स्थापित कर रही है। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत इसका एकीकृत मॉडल है। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) की ओर से विकसित इस कॉरिडोर पर हाई-स्पीड नमो भारत और शहर के भीतर संचालित मेरठ मेट्रो, दोनों सेवाएं एक ही इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे पर चल रही हैं। यह मॉडल लागत में बचत, संसाधनों के बेहतर उपयोग और तेज निर्माण का उदाहरण है। मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक शहर के प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ती मेरठ मेट्रो अब स्थानीय आवागमन को जाम मुक्त और सुगम बनाएगी। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर साबित किया है कि जब गति मिलती है तो प्रगति अपने आप रास्ता बना लेती है। 2017 में योगी सरकार आने के बाद उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकास का आधार बनाया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, नए एयरपोर्ट और मेट्रो परियोजनाओं की श्रृंखला ने प्रदेश को राष्ट्रीय मानचित्र पर अग्रणी बना दिया। मेरठ, जो कभी अपराध और अव्यवस्था की खबरों से जुड़ता था, आज हाई-स्पीड रेल, खेल विश्वविद्यालय, औद्योगिक निवेश और स्मार्ट शहरी परिवहन के कारण चर्चा में है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में बदली यह तस्वीर योगी सरकार की सुदृढ़ कानून व्यवस्था और विकासोन्मुखी नीतियों का परिणाम मानी जा रही है। कम समय में सुरक्षित यात्रा, बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाएं, इन सबका समन्वय प्रदेश को निवेश और विकास के लिए और अधिक आकर्षक बनाता है।

नमो भारत रेल में 80% है महिला स्टाफ

नमो भारत रेल में लगभग 80% स्टाफ महिलाओं का होना अपने आप में ऐतिहासिक है। यह पहल नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा संदेश देती है। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों का यह जमीनी उदाहरण है, जहां महिलाएं देश की सबसे तेज रैपिड ट्रेन की कमान संभालेंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हाई-स्पीड ट्रेन के परिचालन में लोको पायलट (चालक) से लेकर स्टेशन मैनेजमेंट तक में महिलाओं की भागीदारी 80% से अधिक है, जो इसे भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाला पहला रैपिड रेल प्रोजेक्ट बनाता है। रैपिड रेल और मेट्रो से सड़कों पर लगभग एक लाख निजी वाहनों की संख्या घटने का अनुमान है, जिससे करीब ढाई लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आ सकती है। तेज व सुगम परिवहन का विकल्प मौजूद होगा तो निजी वाहनों की निर्भरता घटेगी, ट्रैफिक जाम कम होंगे और इससे प्रदूषण में भी गिरावट आएगी। ग्रीन एनर्जी और क्लीन एयर के लक्ष्य को मजबूत करने की दिशा में यह परियोजना एक अहम मील का पत्थर है।

दिल्ली-एनसीआर का विकल्प, युवाओं को मिलेंगे पंख

दिल्ली-एनसीआर में महंगी जमीन व किराये को देखते मेरठ अब एक व्यावहारिक विकल्प के रूप में उभरेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण लोग मेरठ में रहकर दिल्ली में नौकरी या कारोबार कर सकेंगे। स्थानीय निर्यातकों के लिए भी दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंचना अपेक्षाकृत आसान होगा। दिल्ली और मेरठ के बीच हजारों छात्र प्रतिदिन शिक्षा के लिए यात्रा करते हैं। मेडिकल, तकनीकी और अन्य संस्थानों के छात्रों को अब तेज और सुरक्षित सफर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने भी उद्घाटन के दौरान छात्रों से संवाद कर यह संदेश दिया कि आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ही विकसित भारत 2047 की नींव है। मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत जैसे जिलों को भी इस परियोजना का अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से पर्यटन, कृषि व्यापार और उद्योग को नई ऊर्जा मिलेगी।

63 को गोकुल व 49 को आज मिलेगा नंद बाबा पुरस्कार

विशेष संवाददाता (vol)

● इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री करेंगे सम्मानित

● निराश्रित गोसंरक्षण में बेहतर कार्य करने वाली गोशालाएं भी होंगी सम्मानित

लखनऊ। उप्र दुग्धशाला विकास विभाग की ओर से सोमवार को गोधन समागम का आयोजन किया जाएगा। इसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के गोकुल पुरस्कार के लिए 63 एवं नंद बाबा पुरस्कार के लिए चयनित 49 लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही निराश्रित गोवंश के संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाली गोशालाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में दुग्ध विकास, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह पुरस्कार प्रदान करेंगे।

दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के.जी. ने बताया कि गोधन समागम में गोकुल एवं नंद बाबा पुरस्कार के चयनित लाभार्थी तथा प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को गोपालन से संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी नस्ल के गोपालन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोपालन से सम्बन्धित विषयों पर विचार-विमर्श एवं जानकारी दी जायेगी। प्रथम सत्र में गोधन प्रदर्शनी, नंद बाबा व गोकुल पुरस्कार वितरण, दुग्ध उत्पादन की तकनीकों पर प्रस्तुतिकरण, उत्कृष्ट निराश्रित गोआश्रय स्थलों, गोशालाओं को सम्मानपत्र तथा डी०बी०टी० के जरिए पुरस्कार धनराशि का वितरण किया जाएगा। द्वितीय सत्र में गोआधारित अर्थव्यवस्था पर गोपालकों की संगोष्ठी, पशु आहार, हरे चारे, पशु पोषण पर चर्चा, गोवंश आश्रय स्थलों को उत्पादक व स्वावलंबी बनाने के लिए प्रस्तुतिकरण, स्वदेशी गोपालन पर चर्चा, गोपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था से सुदृढ़ीकरण पर प्रस्तुतिकरण, नस्ल सुधार, पशु पोषण तथा पशु स्वास्थ्य व उचित देखभाल आदि पर प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, पशुधन, दुग्ध एवं मत्स्य विकास मुकेश मेश्राम, प्रबंध निदेशक पीसीडीएफ वैभव श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ, उद्यमी, किसान एवं पशुपालक भी प्रतिभाग करेंगे। सामगम में सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ओर से स्वदेशी नस्ल के गौ-पालन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विषयों पर गहन विचार-विमर्श एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जाएंगी।

वैश्विक बौद्ध आस्था का केंद्र बना यूपी, 82 लाख पर्यटक पहुंचे बुद्ध भूमि

बौद्ध सर्किट ने रचा नया कीर्तिमान, 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए बौद्ध आस्था और विरासत के केंद्र के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ष 2025 में प्रदेश ने बौद्ध सर्किट के जरिए दुनिया भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हुए लगभग 82 लाख आगंतुकों का स्वागत किया, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विशेष रूप से कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आया, जहां विदेशी श्रद्धालुओं की सर्वाधिक आमद दर्ज की गई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश आज वैश्विक बौद्ध आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबी अपनी बोधि यात्रा की शुरूआत उत्तर प्रदेश से करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे राज्य में इनबाउंड टूरिज्म में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, संकिसा, कौशांबी और कुशीनगर जैसे भगवान बुद्ध के जीवन और संदेश से जुड़े पवित्र स्थलों के भ्रमण को श्रद्धालु जीवन की पवित्र यात्रा मानते हैं।' पर्यटन मंत्री ने बताया कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के छह पवित्र बौद्ध स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इन स्थलों पर लगभग 82 लाख पर्यटकों का आगमन हुआ, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 61 लाख से अधिक पर्यटक राज्य के बौद्ध स्थलों पर पहुंचे, जिनमें 3.50 लाख से अधिक विदेशी आगंतुक थे। वहीं वर्ष 2023 में करीब 47 लाख पर्यटकों ने प्रदेश के बौद्ध सर्किट का भ्रमण किया, जिनमें 2.50 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2022 में 22.40 लाख से अधिक पर्यटक बौद्ध स्थलों पर आए, जिनमें 48 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक थे।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट वैश्विक आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। वर्ष 2025 में 2.90 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन इस ऐतिहासिक स्थल पर दर्ज किया गया। साल 2024 में 2.51 लाख, 2023 में 2.14 लाख तथा 2022 में 41 हजार से अधिक विदेशी पर्यटकों ने कुशीनगर की पवित्र धरती पर पहुंचकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए सरकार का बड़ा प्लान

विशेष संवाददाता (vol)

● यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौते में यूपी का बड़ा लाभ चाहते हैं सीएम

● विभिन्न कंपनियों और उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे डिप्टी सीएम

लखनऊ। सीएम योगी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में व्यापक विदेशी निवेश लाने की मुहिम जारी है। इसी क्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को जर्मनी पहुंचे हैं। यह यात्रा भारत व यूरोपीय संघ (एव) के बीच हाल में हुए मुफ्त व्यापार समझौते के बाद की जा रही है, जिसे दोनों पक्षों के लिए ऐतिहासिक आर्थिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस समझौते को जनवरी 2026 में अंतिम रूप दिया गया था, जिससे भारत-ईयू के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसर खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस समझौते में उत्तर प्रदेश के लिए निवेश तथा ओडीओपी उत्पादों के निर्यात की असीम संभावनाएं देख रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को जर्मनी में विभिन्न कंपनियों, व्यापार समूहों और उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे तथा उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। इस दौरे के दौरान संभावित मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर भी हो सकते हैं, जो यूपी के निर्यात और औद्योगिक विस्तार को मजबूती देंगे। इस दौरे से संभावित निवेश के अलावा उत्तर प्रदेश के उत्पादों को यूरोपीय बाजारों में पहुंचने के मार्ग आसान होने की उम्मीद जताई जा रही है। ट्रेड डील के बाद यूपी के ब्रांडेड उत्पादों, टेक्सटाइल तथा फिनिश्ड गुड्स को यूरोपीय बाजारों में बेहतर प्रतिस्पर्धी स्थिति मिल सकती है।

राज्य सरकार ने पहले भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो और निवेश सम्मेलनों के माध्यम से ग्लोबल बायर्स और व्यापारियों को यूपी के उत्पादों से रूबरू कराया है, जिसमें विभिन्न देशों से खरीदारों और निवेश प्रस्तावों का उत्साहजनक जुड़ाव रहा है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी में प्रदेश को भारत की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, विशाल उपभोक्ता बाजार और बेहतर कनेक्टिविटी वाले निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करेंगे। वह बताएंगे कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है, एक्सप्रेस-वे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने औद्योगिक माहौल को अनुकूल बनाया है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, ऑटो व ईवी, टेक्सटाइल, लेदर, फूड प्रोसेसिंग, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ओडओपी में निवेश की व्यापक संभावनाओं को रेखांकित करते हुए वह संदेश देंगे कि उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और यूरोपीय कंपनियों के लिए दीर्घकालिक साझेदारी का भरोसेमंद केंद्र बन सकता है।

खाद्य प्रसंस्करण नीति से बढ़ा निवेश और निर्यात

लखनऊ। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यूपी की खाद्य प्रसंस्करण नीति से निवेश, रोजगार और निर्यात को नई रफ्तार मिल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीतिझ्र2023 का उद्देश्य राज्य में निवेश, रोजगार और निर्यात को प्रोत्साहित करते हुए किसानों की आय में वृद्धि करना है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग इस क्षेत्र मे सुदृढ़ नीति एवं पारदर्शी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 3.50 लाख खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित एवं क्रियाशील हैं, जबकि संगठित क्षेत्र में 80,000 से अधिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमें से 3000 से अधिक इकाइयों का वार्षिक टर्नओवर 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। यह क्षेत्र लगभग 2.55 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करा रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक जनपद में 1000 नई इकाइयाँ स्थापित कर 75,000 अतिरिक्त इकाइयों की स्थापना करना है, जिससे कुल संख्या को लगभग 1.40 लाख तक पहुंचाया जा सके। राज्य में 15 एग्रो-फूड प्रोसेसिंग पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश में निजी निवेश के माध्यम से बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं। हल्दी, आम, आँवला, मिर्च, नमकीन एवं दुग्ध प्रसंस्करण पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का प्रमुख निर्यातक राज्य बनकर उभर रहा है। नीति के अंतर्गत नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपये) अनुदान दिया जा रहा है। इकाइयों के विस्तार, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन हेतु 35 प्रतिशत (अधिकतम 1 करोड़ रुपये) का प्रावधान है।

मूल्य वर्धन एवं कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्लांट एवं मशीनरी पर 35 प्रतिशत तथा फ्रीजिंग सुविधा पर 50 प्रतिशत (अधिकतम 10 करोड़ रुपये) तक अनुदान उपलब्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना पर महिला उद्यमियों को 90 प्रतिशत तथा पुरुष उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। निर्यात हेतु परिवहन लागत पर 25 प्रतिशत सब्सिडी, रेफर वैन/मोबाइल यूनिट के लिए 5 वर्ष तक ब्याज सब्सिडी (अधिकतम 50 लाख रुपये), कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर पर 35 प्रतिशत (अधिकतम 10 करोड़ रुपये) तथा फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर पर 35 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपये) की सहायता दी जा रही है। भूमि एवं शुल्क संबंधी प्रोत्साहनों में 12.5 एकड़ से अधिक कृषि भूमि क्रय की अनुमति, भूमि उपयोग परिवर्तन (उछव) शुल्क में 50 प्रतिशत छूट, बाह्य विकास शुल्क में 75 प्रतिशत छूट तथा स्टांप शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। साथ ही एकल एकीकृत बाजार व्यवस्था के अंतर्गत मंडी शुल्क एवं उपकर में छूट प्रदान की जा रही है।

कई दलों के नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समक्ष आज समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए भाजपा, राष्ट्रीय लोक दल और राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर आए नेताओं और दूसरे प्रमुख लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में रवि बैंसला प्रधान कांशीराम, बागपत भाजपा छोडकर आये हैं। नवीन शर्मा प्रतियोगी परीक्षा चलाने वाले कोचिंग टीचर बुलन्दशहर, एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह गाजियाबाद राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए है।

मोटीवेशनल स्पीकर श्री अमर चौधरी और एडवोकेट महेश नागर गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आज समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले राहुल सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष/पूर्व प्रत्याशी रालोद बिजनौर/पूर्व ब्लाक प्रमुख हल्दौर बिजनौर, भोपाल सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख बिजनौर, महेन्द्रपाल पूर्व डिप्टी एसपी बिजनौर, करणपाल सिंह भुइयार, सदस्य जिला पंचायत बिजनौर, अर्जुन सिंह पूर्व अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद बिजनौर, दिलावर सिंह प्रधान पूर्व चेयरमैन डीसीएफ बिजनौर, बलजीत शास्त्री पूर्व जिला मुख्य महासचिव रालोद बिजनौर, सुरेन्द्र सिंह प्रधान एससी डायरेक्टर गन्ना समिति बिजनौर ने सदस्यता ग्रहण की। इनके अतिरिक्त सर्वश्री सूरज सिंह प्रधान, रविन्द सिंह पूर्व चेयरमैन, नितिन कुमार पूर्व जिलाध्यक्ष छात्रसभा रालोद, रोहित कुमार ग्राम प्रधान, संजीव कुमार ग्राम प्रधान, धर्मेन्द्र कुमार ग्राम प्रधान, राम लाल बाल्मीकि जिलाध्यक्ष बाल्मीकि समाज, देवेश चौधरी महासचिव व्यापारी एकता परिषद, बलराम सिंह जिला उपाध्यक्ष रालोद, कामेन्द्र सिंह पूर्व जिला महासचिव रालोद, ठाकुर सतीश गहलौत वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रशान्त चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार पीपलसाना, मुनिदेव शर्मा, जाफर हुसैन, आकाश कुमार जिला महासचिव रालोद, सिन्टु कुमार पूर्व जिला सचिव रालोद, प्रशान्त विकास जिला महासचिव युवा बिजनौर शामिल हुए।

समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में रवि बैंसला प्रधान कांशीराम, बागपत भाजपा छोडकर आये हैं। इनके साथ शिवदा पाण्डेय, जुनैद फरीदी चेयरमैन, सुख पाल सिंह गुर्जर, अजय भाटी, लीलू प्रमुख, विक्रम प्रधान, बेगराज, विजय पाल मास्टर, मुकेश प्रधान सतीश त्यागी आदि ने भी सदस्यता ग्रहण की है। नवीन शर्मा प्रतियोगी परीक्षा चलाने वाले कोचिंग टीचर बुलन्दशहर के साथ सर्वश्री अमर चौधरी, बिल्लू भाटी, जगपाल भाटी, सचिन खारी, सौरभ शर्मा, ऋतिक त्यागी, नामेत भाटी, वाशु शर्मा, बादल भाटी, गौरव शर्मा आदि ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह गाजियाबाद राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए है। जितेन्द्र प्रताप सिंह रालोद छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। मोटीवेशनल स्पीकर अमर चौधरी और एडवोकेट महेश नगर गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तथा चौधरी श्याम सिंह बाग ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। इनके अतिरिक्त सतेन्द्र चौधरी, सुनील चौधरी, शेखर सैनी, सलीम अहमद, नितिन चौधरी, चौधरी दीपक कुमार, प्रशान्त मौय, चौधरी शुभम कुमार, चौधरी वरुण सिंह , मौ0 नवाजिस, प्रियम चौधरी, अनिरुद्ध आदि शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के शामिल होने वालों में सर्वश्री त्रिभुवन दत्त विधायक आलापुर अम्बेडकरनगर, रामऔतार सिंह सैनी विधायक नूरपुर, जज मनोज कुमार पूर्व प्रत्याशी लोकसभा नगीना बिजनौर शामिल हैं। अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई है कि इन नये साथियों के आने से समाजवादी पार्टी मजबूत होगी और 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा की सरकार का सफाया होगा।

उन्होंने सभी के प्रति आभार और बहुत-बहुत धन्यवाद जताया। इस अवसर पर सांसद रुचि वीरा, नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रवक्ता राजकुमार भाटी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल भी मौजूद रहे।

प्रदेश में 50 प्रतिशत से अधिक नोटिस सुनवाई का कार्य पूर्ण

1.66 करोड़ से अधिक नो मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों के नोटिसों की सुनवाई पूर्ण

विशेष संवाददाता (vol)

● 70 प्रतिशत से अधिक नोटिस सुनवाई कर 11 जनपद अव्वल

● प्रदेशभर के बूथों पर विशेष अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत रविवार, 22 फरवरी 2026 को प्रदेश के समस्त 1.77 लाख मतदेय स्थलों पर चौथा विशेष अभियान दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान दिवस का उद्देश्य दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित करना तथा मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन करना रहा। इसके पूर्व 11 जनवरी, 18 जनवरी और 31 जनवरी 2026 को भी तीन अभियान दिवसों का सफल आयोजन किया जा चुका है।

प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी निर्धारित समय अवधि में उपस्थित रहे और मतदाताओं से आवेदन प्राप्त किए। अभियान के दौरान मतदान केंद्रों पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था रही, जहाँ मतदाताओं को प्रपत्र 6 एवं 8 भरने में आवश्यक सहायता प्रदान की गई और नागरिकों द्वारा अपने नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने एवं संशोधन से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का भी अभियान में सहयोग प्राप्त हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 3.26 करोड़ मतदाताओं को नो मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों से संबंधित नोटिस जारी किए जाने के क्रम में अब तक 1.66 करोड़ से अधिक नोटिसों की सुनवाई की जा चुकी है।

नोटिस सुनवाई की कार्यवाही में प्रदेश की औसत प्रगति 50 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। उन्होंने नोटिस सुनवाई में 70 प्रतिशत से अधिक प्रगति प्राप्त कर चुके 11 जनपदों यथा औरैया, एटा, अम्बेडकरनगर, शामली, फिरोजाबाद, बदायूं, आजमगढ़, बस्ती, चित्रकूट, सहारनपुर और मथुरा की सराहना की। साथ ही उन्होंने बताया कि नोटिस सुनवाई में 40 प्रतिशत अथवा उससे कम प्रगति वाले 15 जनपदों यथा मऊ, बलरामपुर, ललितपुर, अमेठी, श्रावस्ती, सम्भल, गोण्डा, पीलीभीत, गाजियाबाद, कानपुर देहात, महराजगंज, देवरिया, बहराइच, रायबरेली एवं कौशाम्बी को योजनाबद्ध रूप से सुनवाई के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपील की है कि दावा एवं आपत्ति अवधि की अंतिम तिथि 6 मार्च तक सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन के लिए आवेदन मोबाइल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी किया जा सकता है।

डीप टेक में अग्रणी बनेगा यूपी : सीएम योगी

● पीएम मोदी के विजनरी नेतृत्व में भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व प्रगति की है

● यूपी अब क्वांटम कंप्यूटिंग में भी मजबूत दावेदार

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश डीप टेक, एआई व क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। डिजिटल इंडिया, आयुष्मान भारत और डीबीटी की सफलताओं का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में भारत समग्र और तकनीक आधारित विकास की दिशा में अग्रसर है। तकनीक के प्रभावी उपयोग से शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को लखनऊ में आईबीएम एआई गवटेक इनोवेशन सेंटरका उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा आईबीएम के बीच हुए एमओयू के लिए आईबीएम इंडिया के सीईओ डॉ. अरविंद कृष्ण और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं यहां आकर इस अभियान को अपना सकारात्मक योगदान दिया है। डॉ. अरविंद कृष्ण ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश और भारत भूमि के साथ अपने भावनात्मक संबंधों को भी इस मंच के माध्यम से हम सबके सामने प्रस्तुत किया। सीएम ने कहा कि गत वर्ष मुझे आईआईटी कानपुर में डीप टेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर से मेरी बात भी हुई। हम लोग मेडटेक पर मिलकर काम कर रहे हैं। यूपी के हालिया बजट में रोबोटिक्स में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। इससे पहले ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए सरकार ने बजट में व्यवस्था की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करते हुए उत्तर प्रदेश के अंदर प्रत्येक तबके को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जहां पर शुद्ध पेयजल नहीं है, खुले में शौच है, वहां बीमारी ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। अब इंसेफेलाइटिस से कोई मौत नहीं होती। सीएम योगी ने दूसरा उदाहरण एजुकेशन में ड्रॉप आउट को लेकर दिया। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने लखनऊ को एआई सिटी के रूप में डेवलप करने का काम किया है। आईबीएम हमारे साथ इसमें सहयोग करेगी, तो हमें इसको तेजी से क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी। हमें क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए हमें काम करना है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है। क्योंकि देश का पहला कंप्यूटर आईबीएम ने ही कानपुर आईआईटी में स्थापित करने में योगदान दिया था, और आज उसी दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश सरकार इसमें इनीशिएटिव लेकर सहयोग करने को तैयार है आईबीएम तैयार है।

संक्षेप

युवक घायल

प्रतापगढ़। दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में युवक घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। लालगंज कोतवाली के रामपुर बावली गांव निवासी राजू गुप्ता पुत्र जवाहर लाल गुप्ता बीती शनिवार की रात करीब नौ बजे बाइक से निमंत्रण जा रहा था। रानीगंज कैथौला बाजार में सामने से आ रहे बाइक से युवक की टक्कर हो गयी। दुर्घटना में राजू गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजवाया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बाजार में शराब की दुकान के संचालन पर जताया विरोध

प्रतापगढ़। बाजार इलाके में शराब की दुकान संचालित होने से बाजारवासियों व राहगीरों को खासी परेशानी हो रही है। मामले को लेकर व्यापारियों ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग उठाई है। व्यापारियों द्वारा सांगीपुर पुलिस से की गयी शिकायत में कहा गया है कि स्थानीय बाजार बूबूपुर में संचालित शराब की दुकान पर आये दिन अराजकतत्वों द्वारा उत्पात किया जाता है। इससे बाजार के दुकानदारों के साथ ही राहगीरों को परेशानियों से जूझना पड़ता है। कभी कभी मामला मारपीट तक आ जाता है। व्यापारियों का कहना है कि शराब की दुकान के संचालन का ठेका सांगीपुर के लिए हुआ है। जबकि इसका संचालन बूबूपुर में किया जा रहा है। व्यापार मण्डल अध्यक्ष दीक्षा सिंह, उपाध्यक्ष यज्ञ कुमार पाण्डेय, राजेन्द्र यादव, संदीप दुबे, हरिशंकर, प्रदीप सिंह, तीरथराज पाण्डेय आदि व्यापारियों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

चकमार्ग पर अतिक्रमण की डीएम से शिकायत

प्रतापगढ़। चकमार्ग पर अतिक्रमण को लेकर जनहित में जिलाधिकारी से शिकायत की गयी है। सांगीपुर ब्लाक अन्तर्गत देउम पूरब चौधरी का पुरवा गांव निवासी चंद्रप्रकाश वर्मा समेत ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि शुकुलपुर में चकमार्ग पर अवैध कब्जा किया गया है, शिकायत के बाद भी चकमार्ग से अतिक्रमण हटवाया नहीं जा रहा है। इससे ग्रामीणों में परेशानी बनी है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से चकमार्ग खाली करवाए जाने की मांग उठाई है।

ग्राम विकास कार्य में अनियमितता की शिकायत

प्रतापगढ़। ग्राम विकास कार्य में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। सांगीपुर विकासखण्ड के नसीरपुर गांव के रणजीत सिंह, राहुल सिंह, राजकुमार यादव, हरिप्रताप सिंह आदि ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि गांव में सामुदायिक शौचालय समेत अन्य कई जगहों पर लगे इण्डिया मार्का हैण्डपम्प को बिना रिबोर कराए ही पैसा निकाल लिया गया है। ग्रामीणों ने शिकायत की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग उठाई है।

कोतवाल बांसी ने आसामाजिक तत्त्वों की तलाश में संदिग्ध स्थानों पर की छापेमारी

बांसी सिद्धार्थनगर। कोतवाल बांसी मृत्युंजय पाठक ने आसामाजिक तत्त्वों की तलाश में संदिग्ध स्थानों पर औचक निरीक्षण कर छापेमारी भी की जा रही है, इन दिनों अपराधियो के धड़पकड़ अभियान में बांसी पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए क्रियाशील है, पुलिस सूत्रों के अनुसार जहां एक ओर रात्रि पुलिस गश्त बढ़ा दिया गया है, वहीं कोतवाल बांसी मृत्युंजय पाठक के अगुवाई में पुलिस द्वारा किसी विशेष मिशन के अन्तर्गत एक बड़े घटना का

पदार्फाश करने हेतु अथक प्रयास करते हुए पुलिस सक्रियता दिखाई जा रही है, ऐसे में पुलिस कड़ाई के चलते इन दिनों सामाजिकतत्वों में पुलिस के खौफ का माहौल देखा जा रहा है।

321 जोड़ों की एक पंडाल में हुई शादी

- 60 हजार रुपए बैंक खातों में भेजे गए, हिंदू-मुस्लिम और बौद्ध जोड़ों का हुआ विवाह

सिद्धार्थनगर। गत रविवार (जिले के बांसी राजा रतनसेन डिग्री कॉलेज प्रांगण में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 321 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कुल 384 पंजीकृत जोड़ों में से 321 जोड़े इस कार्यक्रम अवसर पर उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ पूर्व मंत्री /बांसी विधायक जय प्रताप सिंह, शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और भगवान गणेश की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। जिलाधिकारी ने अतिथियों का स्वागत बुके देकर किया। विवाह समारोह में 229 हिन्दू, 65 बौद्ध और 27 मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का विवाह उनके संबंधित धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। हिंदू जोड़ों का विवाह पंडितों द्वारा, मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलानाओं द्वारा और बौद्ध समुदाय के जोड़ों का विवाह बौद्ध परंपरा के अनुसार हुआ। इसमें बांसी, मिठवल, खेसरहा विकास खंडों और बांसी नगरीय क्षेत्र के जोड़े शामिल थे।

सांसद जगदम्बिका पाल ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने यह भी बताया कि नवविवाहित जोड़ों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए ऋण एवं प्लेसमेंट की व्यवस्था भी की जाएगी। विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि यह योजना कई वर्षों से गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग कर रही है और बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को इसका लाभ मिल रहा है। विधायक विनय वर्मा ने भी इस योजना को गरीब परिवारों के लिए सराहनीय बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह ने इस दिन को जनपद के लिए उत्सव का दिन बताया। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को सहायता प्रदान कर रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने भी योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे गरीब परिवारों को सम्मान के साथ विवाह कराने में मदद मिल रही है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि प्रत्येक जोड़े को डीबीटी के माध्यम से ₹60,000 की धनराशि उनके बैंक खाते में भेजी गई है। इसके अलावा ₹25,000 की सामग्री तथा 15,000 बारात स्वागत पर व्यय किए गए हैं। कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को साड़ी, कपड़े, चांदी की पायल, बिछिया, बर्तन, कंबल, गद्दा, ट्रॉली बैग, सीलिंग फैन, प्रेस, डिनर सेट, सूखे मेवे सहित अन्य उपयोगी सामग्री वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में वर-वधू और उनके घर के परिजनों की उपस्थित देखी गई।

मेगा विधिक सहायता शिविर आयोजित

सिद्धार्थनगर- 22 फरवरी रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोहिया कला भवन में एक मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने की। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के तहत किया गया था। शिविर में पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण अरविंद राय, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अखिलेश पाण्डेय, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद रफी, विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) मनोज कुमार तिवारी और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुभव कटियार सहित कई न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरुण कुमार-चतुर्थ, मुख्य चिकित्साधिकारी रजत कुमार चौरसिया, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिकारी भी उपस्थित थे। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों, दिव्यांगजनों, महिलाओं, गरीब व्यक्तियों, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और अनुसूचित जनजाति के लोगों को विधिक सहायता प्रदान करना था। साथ ही, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और त्वरित परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। मौके पर ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान दिव्यांगजनों को कान की मशीनें, ट्राइसाइकिल और दिव्यांग पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने ओ-लेवल कंप्यूटर कोर्स के छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव से संबंध हुए सुदृढ़

श्रावस्ती। जनपद के जगत जीत इंटर कॉलेज परिसर में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की ओर से भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक रामफेरन पांडेय एवं जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समारोह का वातावरण पूरी तरह उल्लास, सौहार्द, समन्वय, गरिमा और आस्था से ओत-प्रोत रहा। मुख्य अतिथि विधायक रामफेरन पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि माता सीता का जन्म नेपाल में तथा विवाह अवध में हुआ, जो दोनों देशों के प्राचीन ह्यरोटी-बेटी संबंधों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत-नेपाल संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने कहा कि गोरक्षपीठ और देवीपाटन मंदिर जैसे धार्मिक स्थल दोनों देशों की सांस्कृतिक अखंडता और परंपरा को सुदृढ़ करते हैं। ऐसे आयोजन आपसी सद्भाव, एकता और सांस्कृतिक वैभव को नई दिशा प्रदान करते हैं। महोत्सव में लोककलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीता मिश्रा, पिंटू प्रीतम, डॉ. विनीता सिंह, संचित राम, अंकिता देवी, कविता सिंह और गौरव गुप्ता की टीम ने लोकगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। राकेश कुमार की टीम ने मयूर नृत्य तथा शिवकुमार की टीम ने कठपुतली नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। भोजपुरी एवं होली गीतों पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के निदेशक डॉ. राकेश कुमार, एसएसबी के सेनानायक अमरेंद्र कुमार वरुण, एसडीएम पियूष जायसवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। बौद्ध भिक्षुओं ने दोनों देशों के संबंधों में निरंतर प्रगति और मंगलकामना व्यक्त की। इससे पूर्व जगत जीत इंटर कॉलेज से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें एसएसबी जवान, एनसीसी तथा स्काउट-गाइड के छात्र शामिल रहे। नगर भ्रमण के दौरान भारत-नेपाल मैत्री का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। अंत में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र तथा अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन क्षेत्र में भव्यता और ऐतिहासिकता का अद्भुत उदाहरण बन गया।

गोल्हौरा थाना पुलिस पर उत्पीड़न के लगे गम्भीर आरोप

गोल्हौरा सिद्धार्थ नगर। गोल्हौरा थाना पुलिस पर उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद शिक्षक व उसके परिजनों के साथ उत्पीड़न के आरोप लगे हैं, जिसके सम्बन्ध शिक्षक अखिलेश मिश्र ने एसएसपी को पत्र देकर न्याय व सुरक्षा की गुहार लगाते हुए जांच करा कर कार्यवाही की मांग किया है। विदित हो जनपद के गोल्हौरा थाना क्षेत्र के बेलदारा जोत निवासी अखिलेश कुमार मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर गोल्हौरा पुलिस पर उच्चन्यायलय के आग्रिम आदेश तक रोक के वावजूद उत्पीडन का आरोप लगाया है, उन्होंने जांच कराते हुए कार्यवाही की मांग भी किया है, बेलदारा जोत निवासी अखिलेश मिश्र ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरा और मेरी पत्नी का विवाद बस्ती परिवार न्यायालय में चल रहा है जिसके सम्बन्ध में कोर्ट द्वारा रिकवरी नोटिस जारी किया था जिस पर उच्च न्यायालय प्रयागराज द्वारा आग्रिम आदेश तक रोक लगा दिया गया, जिसकी कापी गोल्हौरा थानाध्यक्ष को उपलब्ध भी करा दिया था, वावजूद उसके मेरे विद्यालय पर गोल्हौरा पुलिस द्वारा पहुंच कर पूछताछ करना फिर रात में 1:00 बजे मेरे घर पहुच कर परिजनो को प्रताड़ित किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि मैं एक सरकारी अध्यापक भी हूं, बावजूद इसके पुलिस का मेरे विद्यालय पर व मेरे घर पर रात में पहुंचने से मेरे घर के परिजन भयभीत हैं, अध्यापक अखिलेश मिश्र ने पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर से जांच कराते हुए कार्यवाही की मांग की किया है।इस सम्बन्ध में गोल्हौरा थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि आज मुझे आदेश की कापी मिली है, न्यायालय के आदेश की जानकारी पुलिस को नहीं थी अब हुई है उक्त कापी को लगाते हुए नोटिस के साथ वापस कर दी गई है, न्यायालय के स्थगन आदेश की कापी मिलने के बाद पुलिस उनके यहां नहीं गई है।

गुणवत्तापरक पारदर्शी सेवा ही व्यापार का आधार : मोना

प्रतापगढ़। टाउन एरिया के अर्न्तगत राजेन्द्र नगर में रविवार को पारदर्शी उपभोक्ता सेवा एवं व्यापारिक गुणवत्ता पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। नवीन होटल आरपी ग्रैण्ड एण्ड रेस्टोरेण्ट के गार्डेन में हुई परिचर्चा का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भगवान गणेश के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। वहीं विधायक आराधना मिश्रा मोना एवं शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने कार्यक्रम में समाजसेवी स्व0 राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि नगर के विकास में सभी आवश्यक संसाधनों के जरिए इसे आदर्श टाउन एरिया की चमक दी जाएगी। उन्होने कहा कि व्यापारिक क्षेत्र में उपभोक्ता सेवा गुणवत्तापरक तथा पारदर्शिता पर सदैव खरी उतरनी चाहिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में टाउन एरिया की चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी तथा प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी एवं पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी ने विधायक आराधना मिश्रा मोना को स्मृति चिन्ह तथा शाल भेंटकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ0 नीरज तिवारी रहे। समारोह की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज ने किया। वहीं समापन के अवसर पर पहुंचे शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी का भी आयोजन समिति के द्वारा माल्यार्पण व अंगवस्त्रम तथा मोमेण्टो भेंटकर सम्मान किया गया। समापन अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने कहा कि आम उपभोक्ता को उच्चस्तरीय ग्राहक सेवा के साथ विश्वसनीयता व्यापार को प्रगतिशील बनाया करता है। स्वागत अधिवक्ता संजय द्विवेदी एवं संचालन अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। आभार प्रदर्शन राकेश द्विवेदी व राजू द्विवेदी ने किया। इस मौके व्यापार मण्डल अध्यक्ष उदयशंकर द्विवेदी, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश, केडी मिश्र, सुधीर मिश्र, महेन्द्र शुक्ला, शैलेन्द्र मिश्र, गीता सिंह, सभासद श्रवण प्रजापति, भगवताचार्य विनय शुक्ल, अवनीश शुक्ल, पारस द्विवेदी, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह ददन, शास्त्री सौरभ, अक्षत तिवारी, मनीष मिश्र, समाजसेवी पवन शुक्ल, इं. रमेश शुक्ल, इं. सुनील पाण्डेय, पप्पू तिवारी, मुरलीधर तिवारी, अनूप पाण्डेय, विपिन शुक्ल, संतोष पाण्डेय, नामवर सिंह, मिल्लू मिश्र, एबादुर्रहमान आदि रहे।

इंडो-नेपाल सीमा पर पुलिस-एसएसबी सघन गश्त

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद श्रावस्ती में पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल द्वारा संयुक्त रूप से सतर्कता एवं निगरानी अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीमें नियमित रूप से पैदल गश्त कर रही हैं तथा सीमा क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध, राष्ट्रविरोधी अथवा अवांछनीय गतिविधियों को समय रहते रोका जा सके। इसी क्रम में थाना सिरसिया पुलिस एवं एसएसबी द्वारा इंडो-नेपाल के सुइया बॉर्डर क्षेत्र में संयुक्त पैदल गश्त एवं सघन निगरानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों की गहन जांच की गई तथा आवागमन करने वाले वाहनों एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग की गई। इसके अतिरिक्त जनपद के अन्य सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में भी पुलिस एवं एसएसबी द्वारा बॉर्डर एरिया में नियमित गश्त और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए किसी भी संभावित गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। श्रावस्ती पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा

मेगा विधिक सेवा शिविर में 4889 लाभार्थी लाभान्वित

श्रावस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रावस्ती द्वारा दिनांक 22 फरवरी 2026 को तथागत सभागार, कलेक्ट्रेट भिनगा में मेगा/वृहद सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश राकेश धर दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रभारी जनपद न्यायाधीश अवनीश कुमार गौतम, अपर जिला जज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर में जिले के समस्त विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता रही। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत 5489 लाभार्थियों की पहचान एवं पंजीकरण किया गया, जिनमें से 4889 लाभार्थियों को मौके पर ही लाभ वितरण किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री विनीत कुमार यादव द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर एवं चूल्हा प्रदान किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रद्युम्न कुमार मिश्र द्वारा मुद्रा योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों को ऋण वितरित किया गया। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अशोक कुमार द्वारा समाज कल्याण विभाग की ओर से वृद्धा पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वहीं आपदा प्रबंधन एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से फोल्डिंग कमोड का वितरण किया गया। परियोजना निदेशक द्वारा पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किए गए। चिकित्सा विभाग द्वारा शिविर में नेत्र जांच, बीपी, मधुमेह एवं महिलाओं से संबंधित रोगों की जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु मरीजों का चिन्हांकन किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, बार एसोसिएशन पदाधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, एलएडीसी अधिवक्ता, पीएलवी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पैनल अधिवक्ता श्री अशोक कुमार शर्मा द्वारा किया गया। अंत में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रद्युम्न कुमार मिश्र ने प्रशासन, न्याय विभाग एवं मीडिया का आभार व्यक्त किया।

कोटिया पांडे महायज्ञ में सृष्टि उत्पत्ति की कथा का वर्णन

सिद्धार्थनगर/खेसरहा। ग्राम कोटिया पांडे में चल रहे नवदिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ के अंतर्गत आज कथा वाचक पंडित श्रीराम तिवारी ने सृष्टि की उत्पत्ति और सृजन की कथा का वर्णन किया। उन्होंने भगवान ब्रह्मा द्वारा सनत कुमार, रुद्र, मनु-शतरूपा, यज्ञ भगवान और दक्षिणा देवी आदि की उत्पत्ति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। सायं 5 बजे कथा की समाप्ति के बाद भगवान की आरती संपन्न हुई। इस दौरान मंडप में ₹हे राजा राम तेरी आरती गाऊं₹ भजन का गायन किया गया। कार्यक्रम में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजक राम भजन चौधरी ने उनका स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर चीनक गुप्ता, बिरजू चौधरी, बजाजे चौधरी, कपिल चौधरी, प्रेमचंद चौधरी, सुरेंद्र पांडे, रामशुभग यादव, प्रधान प्रतिनिधि राजा चौधरी, श्रीराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विशेष अभियान में 4060 नये मतदाता आवेदन प्राप्त

श्रावस्ती। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्धारित विशेष अभियान दिवस के अंतर्गत 22 फरवरी 2026 को 289-भिनगा एवं 290-श्रावस्ती विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र नागरिकों से फार्म-6 भरवाए गए। मतदाता सूची में नाम, आयु, फोटो आदि में किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सुधार हेतु फार्म-8 भरवाए गए, जबकि विलोपन के लिए फार्म-7 प्राप्त किए गए। मतदाताओं की सहायता के लिए सभी मतदेय स्थलों पर हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों द्वारा आवंटित मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों ने भी विभिन्न बूथों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विशेष अभियान दिवस पर प्राप्त प्रपत्रों का विवरण इस प्रकार है— विधानसभा क्षेत्र 289-भिनगा में फार्म-6 के 1980, फार्म-7 के 46 तथा फार्म-8 के 275 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं 290-श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र में फार्म-6 के 2080, फार्म-7 के 95 तथा फार्म-8 के 290 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार जनपद में कुल 4060 फार्म-6, 141 फार्म-7 तथा 565 फार्म-8 प्राप्त किए गए। निर्वाचन विभाग ने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं त्रुटि सुधार के लिए आगे भी सक्रिय सहभागिता की अपील की है।

सिद्धार्थनगर के 145 गांवों में जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक

सिद्धार्थनगर- गोरखपुर-शामली हाईस्पीड एक्सप्रेसवे परियोजना के कारण 145 गांवों में भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रशासन ने अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कदम से एक्सप्रेसवे निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है, लेकिन किसानों में अपने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लगभग 750 किलोमीटर लंबे इस एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर में सिद्धार्थनगर जिले की तीन तहसीलों के कुल 145 गांव शामिल हैं। इनमें डुमरियागंज तहसील के 56 गांव, बांसी के 51 और इटवा के 38 गांव प्रभावित होंगे। डुमरियागंज क्षेत्र के बेतनार मुस्तहकम, बेतनार एहतमाली, रमवापुर जगतराम, जहदा, डोमसरा, कटरिया पांडेय, पलेसर, भीटानानकार, खम्हरिया, जीवाराई, पेड़ा, सरोथर कठौतिया, महतिनियां खुर्द, बुजुर्ग, बेनीनगर, डेंगहा जोत कस्तुरी और महनुआ जैसे 56 गांवों की जमीन अधिग्रहण के दायरे में आई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अधिसूचना लागू होने के बाद इन अधिसूचित गांवों में भूमि का क्रय-विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। उपनिबंधक तंजीम खान ने बताया कि एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए चिह्नित गांवों में जमीन के लेन-देन पर यह रोक शासन के निर्देश पर लगाई गई है। इसका उद्देश्य मुआवजा प्रक्रिया को पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाना है। इस रोक से कई किसानों की योजनाएं प्रभावित हुई हैं। कुछ किसान अपनी जमीन बेचकर अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने की तैयारी में थे, जबकि कई अन्य निवेश की योजना बना रहे थे। अब उन्हें मुआवजा मिलने तक इंतजार करना होगा। किसानों ने उचित और समय पर मुआवजा मिलने की उम्मीद जताई है, लेकिन वर्तमान अनिश्चितता के कारण उनकी चिंताएं भी बढ़ी हैं। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच तीव्र और सुगम कनेक्टिविटी का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है। इसके निर्माण से क्षेत्र में औद्योगिक विकास, रोजगार और व्यापार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।

रामपुरखास में दिखेगा सुदढ़ वातावरण : प्रमोद तिवारी

सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक मोना ने एल्युमीनियम प्लांट का किया समारोहपूर्वक लोकार्पण

प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला क्षेत्र के भटनी में रविवार को राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने जिलाधिकारी शिवसहाय अवस्थी की मौजूदगी में पचास करोड़ से अधिक लागत से निर्मित वत्स क्राफ्ट मेटल्स एल्युमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का समारोहपूर्वक उदघाटन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रेटर नोएडा से आये बवली महराज जी के वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। प्रख्यात गायिका अनन्या सिंह व भजन गायक सत्येन्द्र पाठक के गणेश वंदना तथा स्वागत गान से समारोह का मनमोहक शुभारंभ हुआ। बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लघु उद्योगो को रामपुरखास में सशक्त वातावरण मिलेगा। उन्होने कहा कि इस प्लांट से चार सौ परिवारों को रोजगार का बेहतर अवसर मुहैया होना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि बिजली तथा पानी व सड़क के क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों के साथ आने वाले दिनों में यह क्षेत्र प्रस्तावित अमेठी-ऊँचाहार रेल परियोजना से भी संतृप्त नजर आयेगा। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कहा कि जिले के उद्यमी विकास के लिए ऐसी फैक्ट्रियों की स्थापना लोक कल्याणकारी है। डीएम ने कहा कि उद्यम के क्षेत्र में प्रोत्साहन के लिए प्रतापगढ़ में विधि के शासन के वातावरण को सुदृढ़ रखा जाएगा। उन्होने इस फैक्ट्री के संचालन को बदलते प्रतापगढ़ के विकास की मजबूत कड़ी कहा। अध्यक्षता करते हुए विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सुरक्षा तथा ढांचागत विकास एवं वृहद योजनाओं के संचालन के जरिए रामपुरखास के विकास को रोजगारपरक मजबूती प्रदान की जाएगी। विधायक मोना ने धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी का स्मरण करते हुए कहा कि रामपुरखास के विकास का वैभव लोक शांति व सम्मान की चमक लिए हुए है। निदेशक सत्य प्रकाश शर्मा व विजेन्द्र कुमार शर्मा तथा संयोजक बाल मुकुन्द तिवारी ने राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा मोना व जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी को संस्थान की ओर से बुकें व मोमेण्टो प्रदान कर सम्मानित किया। निदेशक सत्य प्रकाश ने फैक्ट्री में तीन सौ करोड़ सालाना टर्नओवर के साथ क्षेत्रीय करीब चार सौ लोगों को रोजगार समेत विभिन्न लाभप्रद जानकारियां प्रदान की। संचालन अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। उदघाटन समारोह में जानी मानी भोजपुरी स्टार नेहा सिंह, हास्य कलाकार बताशा चाचा व सिनेस्टार अवधेश मिश्रा की प्रस्तुतियों पर भी बड़ी संख्या में मौजूद लोग मंत्रमुग्ध दिखे। आभार प्रदर्शन सह संयोजक राकेश चतुर्वेदी व डा0 नागेन्द्र अनुज ने किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, जिपंस लालजी यादव व रघुनाथ सरोज, सुनील शर्मा, रमेश कुमार त्रिपाठी, संजय त्रिपाठी, विवेक पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार शुक्ल, डिब्बन लाल शर्मा आदि रहे।

आस्था के सम्मान से मजबूत हो रही आर्थिकी

गोरखपुर मंदिर पहुंच रहे काशी व अयोध्या आने वाले श्रद्धालु

घनश्याम कुमार

गोरखपुर। पर्यटन विकास का सीधा संबंध रोजगार के अवसरों में वृद्धि और आर्थिकी की मजबूती से होता है। पर्यटन विकास जब आस्था और श्रद्धा से जुड़ा हो तो रोजगार और अर्थव्यवस्था के बढ़ाव की रफ्तार और भी तेज हो जाती है। योगी सरकार ने इसी मंशा से आस्था के सम्मान को अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे प्रमुख आस्था स्थलों के साथ ही सरकार ने हर जिले में वहां की धार्मिक-आध्यात्मिक विरासत को विकास के साथ जोड़कर रोजगार और अर्थव्यवस्था का नया मॉडल दिया है। गोरखपुर में भी धार्मिक स्थलों को पर्यटन विकास से जोड़ा गया तो अयोध्या और काशी आने वाले श्रद्धालुओं की आमद यहां भी बढ़ गई। पर्यटन विभाग के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं।

?प्रदेश में बने नए 'आध्यात्मिक टूरिज्म सर्किट' ने गोरखपुर को अयोध्या और वाराणसी से सीधे जोड़ दिया है। पहले जो श्रद्धालु केवल एक शहर तक सीमित रहते थे, अब वे बेहतर कनेक्टिविटी (फोरलेन सड़कों और हवाई सेवाओं) के कारण गोरखपुर को अपनी यात्रा का हिस्सा बना रहे हैं। गोरखनाथ मंदिर में उमड़ रही सुदूर के श्रद्धालुओं की भीड़ इसका प्रमाण है। काशी विश्वनाथ और अयोध्या में रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं का जत्था महायोगी गोरखनाथ की तपस्थली गोरखनाथ मंदिर भी पहुंच रहा है। गोरखपुर में पर्यटन विभाग के उप निदेशक राजेंद्र प्रसाद यादव के अनुसार कोविड का दौर बीतने के बाद गोरखपुर में धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। इसे बीते तीन साल में गोरखपुर आए पर्यटकों की संख्या से भी समझा जा सकता है। वर्ष 2023 से लेकर वर्ष 2025 तक गोरखपुर में 96 लाख 76 हजार 354 पर्यटक आए। इसमें सर्वाधिक संख्या गोरखनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की रही। देखा जाए तो धार्मिक-आध्यात्मिक पर्यटन से आस्था के सम्मान, विकास और रोजगार की चेन बन रही है।

श्रद्धालु अब एक ही यात्रा में कई प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करना पसंद कर रहे हैं, जिससे पूर्वांचल का धार्मिक पर्यटन सर्किट मजबूत हुआ है। धार्मिक पर्यटन के उछाल ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। काशी और अयोध्या से आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा गोरखपुर को अपनी धार्मिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बनाने से शहर के होटल, परिवहन, फूल-माला, प्रसाद, हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों की आय में वृद्धि हुई है। योगी सरकार ने गांव-जवार तक पर्यटन की संभावनाओं को तलाशा है, उस पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया है। इस दिशा में सर्वाधिक ध्यान धार्मिक व सांस्कृतिक आस्था के केंद्रों पर दिया गया है। जनपद के कई मंदिरों को उनकी ख्याति के अनुरूप नई पहचान मिली है। मसलन तरकुलहा देवी मंदिर, कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई मंदिर, मुंजेश्वरनाथ भौवापार मंदिर, मानसरोवर मंदिर गोरखनाथ, सूर्यकुंड धाम, बांसगांव स्थित दुर्गा मंदिर की तरफ पूर्व की सरकारों ने ध्यान नहीं दिया था। कभी पर्व विशेष पर ही यहां भीड़ दिखती थी, लेकिन अब यहां लोग वर्ष पर्यंत आ रहे हैं। इन धार्मिक स्थलों की भव्यता बढ़ी तो स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ गए। अमर बलिदानी बंधू सिंह की कुलदेवी के रूप में प्रतिष्ठित तरकुलहा देवी मंदिर में तो हमेशा सैकड़ों दुकानें सजी रहती हैं। ऐसा ही नजारा बुढ़िया माई मंदिर का भी है। ये तो चंद उदाहरण है, सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना से पर्यटन का विस्तार विधानसभा स्तर तक किया है। ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों के जीर्णोद्धार से उसके आसपास पूजन सामग्री, फूल माला, फल, जलपान व बच्चों के खिलौनों की अनेक दुकानें सज गई हैं। इनसे श्रद्धालु पर्यटकों को सहूलियत मिली है तो अनेक लोगों को रोजगार भी मिला। तरकुलहा देवी मंदिर में दुकानों की संख्या कई गुनी अधिक हो गई है तो बुढ़िया माई मंदिर परिसर के अलावा मुख्य सड़क पर भी खाने की वस्तुओं की दर्जनों रेहड़ियां स्थानीय लोगों के आयार्जन का जरिया बनी हैं।

संक्षेप

हैलो किड्स-स्माइल प्ले स्कूल की दूसरी शाखा का हुआ शुभारंभ

इटावा। हैलो किड्स-स्माइल 1 प्ले स्कूल की द्वितीय शाखा का शुभारंभ सराय दयानत गीतापुरम कालोनी में पिलुआ महावीर हनुमान मंदिर के महंत हरभजन दास महाराज ने किया। उन्होंने फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर स्कूल का शुभारम्भ किया। प्ले स्कूल ब्रांच हैड ऋषी कुमार तिवारी व भारती तिवारी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि प्ले स्कूल की प्रथम शाखा हर्ष नगर में है। इस मौके पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित, राकेश शर्मा, राजशेखर तिवारी, पृथ्वी मिश्रा, आनंद त्रिपाठी, सरस्वती मिश्रा, शिवम शर्मा, विमल तिवारी, निशांत तिवारी, राहुल पाठक, कुलदीप राजौरिया, पवन शर्मा, गौरव पाठक, माधवेंद्र शर्मा, राघवेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

वेतन व पेंशन होली से पूर्व कर्मचारियों को दिलायी जाये

इटावा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जिलाध्यक्ष राजेश मिश्र व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष रिजवान अहमद ने मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला से मांग की है की होली 2 मार्च और ईद 21 मार्च के पावन पर्व पर प्रदेश के सभी नियमित कर्मचारियों शिक्षकों शिक्षा मित्रों रसोइया आगनवाड़ी आशा बहनो संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों तथा पेंशनर्स को उनके वेतन और पेंशन का भुगतान होली एवं ईद से पूर्व सुनिश्चित कराया जाये इन प्रमुख त्योहारों पर समय पूर्व वेतन और पेंशन मिलने से कर्मचारी और पेंशनर्स अपने परिवारों के साथ त्यौहार हर्षोल्लास एवं सम्मान पूर्वक मना सकेंगे विलंब से भुगतान होने पर कर्मचारियों और पेंशनर्स के त्योहार खुशनुमा नहीं रहेंगे इसलिए इन खास मोको पर समय से पूर्व भुगतान कर दिया जाए परिषद पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी से इस संबंध में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा की है ताकि सभी वर्गों को समय से भुगतान सुनिश्चित हो सके।

सामूहिक शादी के फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख बढ़ी

इटावा। ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड यूनिट इटावा की तरफ से होने वाला निःशुल्क सामूहिक शादी सम्मेलन के फॉर्म जमा करने का शिलशिला जारी है। बैठक में ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड यूनिट इटावा के नेतृत्व में होने वाली सामूहिक गरीब लड़कियों का शादी सम्मेलन के फॉर्म जमा किए गए। इस दौरान ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड इटावा यूनिट के जिलाध्यक्ष हाजी शेख शकील अहमद ने कहा कि जो बहन बेटी गरीब, परेशान, बेसहारा है और उनके मां बाप या परिवार के सदस्य बेटी की शादी करने में असमर्थ है। वह लोग शादी के फॉर्म भरकर ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड यूनिट के किसी भी सदस्य को जमा कर दे। जिससे उन सभी बहन बेटी की शादी सम्मेलन समारोह में हो सके। उन्होंने कहा कि फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 20 फरवरी से बढ़ाकर 1 मार्च 2026 कर दी गई है।

संगठन की रीढ़ उसकी निचली इकाई की मजबूती होती है : जेपी गुप्ता

चौरीचौरा, गोरखपुर। किसी भी संगठन की मजबूती उसके निचली इकाई की मजबूती पर निर्भर करती है।यदि तहसील व ब्लाक इकाई मजबूत रहेगी तो संगठन अपने आप मजबूत हो जायेगा। उक्त बातें पूर्वांचल पत्रकार एसोसिएशन उप्र0 के तहसील इकाई चौरीचौरा की मासिक बैठक के दौरान संगठन के राष्ट्रीय संयोजक जेपी गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि बैठक में सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होना चाहिए। तथा सभी को अनुशासन का पालन करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश यादव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कुछ न कुछ कमियां होती हैं,। संगठन की भावना से कार्य करते हुए कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। प्रदेश महासचिव अनुशासन समिति सुमेर नाथ पाण्डेय ने कहा कि अनुशासन का सभी को पालन करना चाहिए। चाहे वह छोटी इकाई का हो या बड़ी इकाई का, अनुशासन सभी को महान बनाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष योगेंद्र मौर्य ने किया।

19 दिन बाद पुलिस के हाथ खाली...

भाजपा नेता पर जानलेवा हमले का मामला

गगहा, गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के भैसहा निवासी लीलावती सिंह स्मारक इण्टर मीडिएट कालेज के प्रबंधक व भाजपा नेता राधामोहन सिंह पर तीन फरवरी की रात करीब साढ़े आठ बजे रकहट व भैंसहा के बीच कैथवलिया गांव के पास हुकहाबीर बाबा के स्थान पर घात लगाए बैठे हमलावरों ने भाजपा नेता पर फायरिंग कर दी जिसमें एक गोली राधामोहन सिंह के पीठ में जा फंसीं और वह लहुलुहान हो गये उन्होंने एक घर में भागकर अपनी जान बचायी और इसकी सुचना गगहा पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलावस्था में राधामोहन सिंह को लेकर गगहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंची जहां प्राथमिक उपचार किया गया लेकिन पीठ में गोली फंसी होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां से उन्हें मेडिकल कालेज भेज दिया गया जहां दुसरे दिन आपरेशन कर गोली बाहर निकाली गई अब वह स्वस्थ हैं जिसमें चार नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। लेकिन घटना के 19 दिन बाद भी पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार तो दूर घटना की सच्चाई का पदार्फाश नहीं कर सकी जिससे भाजपा नेता अभी भी आंतक के साए में जी रहें हैं। उधर ग्रामीण पुलिस की सुस्ती पर सवालिया निशान लगा रहें हैं। पुलिस ने अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों को उठाकर पूछताछ कर चुकी है लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी गगहा पुलिस लोगों ने कहा कि कहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलनी पुलिया के मास एक वर्ष पूर्व मिली युवती की शव की तरह ठंडे बस्ते में तो नहीं डाल रही पुलिस इन सभी सवालों का जबाब अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद ही मिल पाएगा।

380 दिन बाद भी नहीं हो सकी युवती की शिनाख्त मामला ठंडे बस्ते में

गगहा क्षेत्र के गगहा व भलुवान के बीच सिलनी पुलिया के पास 6 फरवरी वर्ष 25 में सुबह राहगीरों ने सड़क के किनारे खुन से लथपथ एक युवती का शव देखकर गगहा पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पहचान छिपाने के लिए युवती का सिर बूरी तरह कूंच दिया गया था तथा हाथ तोड़ दिया गया था शव को सड़क से घसीटकर किनारे लगाया गया था युवती के पहनावे से ऐसा प्रतीत हो रहा था की युवती किसी सम्पन्न परिवार से है। गगहा पुलिस ने उसके खुलासे की बजाय उसे ठंडे बस्ते में डालना ही उचित समझा।घटना के 380 दिन बाद भी पुलिस युवती की शिनाख्त नहीं कर सकी। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दिनेश पुरी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है जल्द ही अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जाएगी। इस सम्बन्ध में एस पी दक्षिणी दिनेश पुरी ने कहा कि थाना प्रभारी गगहा व क्षेत्राधिकारी वासगांव मामले की जांच कर रहें अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

केंद्रीय ग्रामीण मंत्री का एमसीए पब्लिक स्कूल में हुआ भव्य स्वागत

गोला, गोरखपुर। उपनगर गोला स्थित एमसीए पब्लिक स्कूल में शनिवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान का आगमन हुआ। जहां विद्यालय परिवार द्वारा केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक व मुख्य सेवक प्रदीप सिंह व शिक्षा निदेशिका ने केंद्रीय मंत्री श्री पासवान को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर श्री पासवान ने कहा कि

इस विद्यालय में पढने वाले मेधावियों ने यहां विद्यालय कैंपस मे मिलने वाली शिक्षा, संस्कार व अनुशासन की परिचायक है। यह विद्यालय ग्रामीणांचल में बेहतर शिक्षा की अलख जगाई रहा है। विद्यालय परिवार शिक्षा के माध्यम से जो राष्ट्रसेवा कर रहा, उसके लिए पूरा विद्यालय परिवार बधाई का पात्र है।

उक्त अवसर पर ब्लाक प्रमुख बड़हलगंज रामाशीष राय व ब्लाक प्रमुख उरूवां बबलू तिवारी, वरिष्ठ चिकित्सक डा अनिल तिवारी, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न कसौधन, वरिष्ठ भाजपा नेता नित्यानंद मिश्रा व रतन प्रकाश दूबे, सभासद दिनेश सिंह, प्रधानाचार्य एसके तिवारी, उप प्रधानाचार्य राहुल यादव, देवेंद्र राय, गोपाल प्रजापति व अंजित पासवान समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीपीए की मासिक बैठक में पत्रकार हित व अनुशासन पर की गयी चर्चा

गोला, गोरखपुर। पूर्वांचल पत्रकार एसोसिएशन आफ इण्डिया के शिर्ष नेतृत्व के निर्देश पर तहसील ईकाई गोला की मासिक बैठक कचहरी चौराहा स्थित बावर्ची रेस्टोरेंट में रविवार को तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नागेन्द्र प्रसाद पांडेय ने कहा की पी पीए की सभी इकाईयों का नेतृत्व अनुशासन का प्रतिक है ।हमे समाचार संकलन से लेकर लेखनी तक की गुणवत्ता का पूर्णतः ध्यान होगा ।क्योंकी आज के दौर में सभी क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक का बोल बाला है ।इसमे तमाम प्रकार की त्रुटियां संभव है संगठन के सभी सदस्यों को अपनी निष्पक्ष लेखनी से यह सावित करना चाहिए की यह लेखनी सिर्फ पी पीए के ही सदस्य कर सकते है। वहीं बैठक को विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभान तिवारी एवं संगठन मंत्री घनश्याम कशौधन ने भी संबोधित करते हुए संगठन के विस्तार के साथ ही पत्रकारिता एवं पत्रकार हित पर प्रकाश डालते हुए कहा की हमारे संगठन का अनुशासन ही आज प्रदेश के कई जिलों में अन्य संगठनो के अपेक्षाकृत संगठन के साथियों की लडाई बखुबी लड़ कर संगठन के किसी भी पिड़ित साथी को न्याय दिलाने में सक्षम है ।हमे अपनी गुणवत्ता पर सदैव ध्यान देने की जरूरत है ताकि हमारी पहचान बनी रहे। बैठक का संचालन जिला मंत्री जनार्दन कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मण्डल महासचिव रामसजीवन मिश्र राजेश पांडेय राजकुमार हिन्दुस्तानी ज्ञानवेन्दर मिश्र राकेश यादव चंद्र प्रकाश विश्वकर्मा राहुल कुमार नर्सिंह प्रजापति आदि सहित अन्य पत्रकार जन उपस्थित रहे।

सूचना

सूचित करना है कि मेरे भवन संख्या 1238ए रक्बा 3500 व 1236ए रक्बा 1600 वर्गफिट मे किसी प्रकार का वाद विवाद किसी व्यक्ति या संस्था स्तर पर विचाराधीन नही है। प्रार्थी जन अपनी स्वेच्छा से बैंक मे उक्त आराजी को बंधक रखकर ऋण प्राप्त करना चाहते है। जिसको आपत्ति हो 3 दिवस मे करे।

प्रार्थीजन
रामेन्द्र बहादुर खरे
उपेन्द्र बहादुर खरे
निवासी मुंशीगज, बाराबंकी।

हरि चन्द्रा महाविद्यालय
हंडेला-गोला रोड, अलीगंज - खीरी
सम्बद्ध-लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
कालेज कोड 3053

आवश्यकता है

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर विज्ञान वर्ग के विषयों-में जन्तु विज्ञान के लिए 3 पद, -वनस्पति विज्ञान के 3-पद - रसायन विज्ञान के लिए 3 पद तथा परास्नातक स्तर पर कला संकाय में विषय में चित्रकला के लिए 4 पद पर सहायक आचार्य/ आचार्याओं की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यार्थी अपना आवेदन पत्र अपने मूल प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ डाक द्वारा या स्वयं महाविद्यालय में 10 दिनों के अन्दर जमा कर सकते हैं। शैक्षिक योग्यता यू.जी.सी. के अनुसार या लखनऊ विश्व विद्यालय के अनुसार वांछनीय हैं।

प्रबन्धक
पता- हरि चन्द्रा महाविद्यालय
हंडेला, गोला रोड,
अलीगंज - लखीमपुर खीरी
मो.-9452016953, 9450175793

चौधरी चरण सिंह की स्मृति में हुआ कवि सम्मेलन

शिवपाल सिंह ने रौनक इटावी समेत कई शायरों को किया सम्मानित

सैफई, इटावा। चैधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज हैंवरा में भारत रत्न चैधरी चरण सिंह की पावन स्मृतियों को समर्पित कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजवादी चिंतक व समाजवादी बौद्धिक सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्रा व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज को दिशा देने का माध्यम है और कविता जनमानस की आवाज होती है। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई।

इसके बाद कवियों ने क्रमशः श्रृंगार, करुण, ओज और हास्य व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को बांधे रखा। योगिता चैहान ने कोमल भावों की अभिव्यक्ति की तो शबीना अदोव ने सामाजिक संवेदना और परोपकार का संदेश दिया। रौनक इटावी ने संघर्ष और संकल्प की बात कही, वहीं कुमार मनोज ने किसानों और आमजन की पीड़ा को स्वर दिया। प्रदीप त्रिपाठी ने प्रेम और जीवन संघर्ष को कविता में पिरोया। डॉ. राजीव राज की व्यंग्य रचना ने समसामयिक राजनीति पर कटाक्ष किया तो कवि मयंक विधोलिया ने देश की व्यवस्था पर तीखे प्रहार करते हुए कविता पढ़ी, पहलगाम में हुआ था जो कत्ले आम नहीं होता. गौतम गांधी का देश दुनिया में बदनाम नहीं होता. स्वर्णिम होता इतिहास हमारा गौरवशाली किस्से होते. लाहौर कराची आबुल काबुल सब अपने हिस्से होते. सरहद पर भी रोज-रोज बेटों का बलिदान नहीं होता. पीएम होते पटेल अगर तो पाकिस्तान नहीं होता. देर रात तक सभागार काव्य रस में डूबा रहा। कवि सम्मेलन का संचालन सतीश मधुप ने प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में सपा के राष्ट्रीय महासचिव व कालेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने सभी कवियों को शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. फतेह बहादुर सिंह यादव ने शिवपाल सिंह यादव का शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर अनिल यादव पूर्व विधायक, पूर्व एमएलसी रामनरेश मिनी, सपा जिलाध्यक्ष बबलू शाक्य, सदस्य जिला पंचायत डॉ. अरविंद यादव, डॉ. ब्रजेश यादव, जिलामहासचिव वीरू भदौरिया, मानिक चन्द्र यादव पूर्व विधायक, लाखन सिंह जाटव, सुघर सिंह दोहरे, उदयभान सिंह यादव, चंदगीराम यादव प्रधान, आशीष राजपूत आदि मौजूद रहे।

6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा अनिवार्य : जिला जज

इटावा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश रजत सिंह जैन की अध्यक्षता में प्रेरणा सभागार विकास भवन में बृहद विधिक सहायता शिविर एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का आयोजन जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद के संयोजन में जिले के 47 विभागों को के दो लाख 2,79,683 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। मेगा शिविर के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश रजत सिंह जैन ने कहा कि न्याय आपके द्वार पर जा रहा है। जनपद के सभी प्रमुख 47 विभागों के संबंध में पीड़ित लोगों को लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहज एवं सुलभ न्याय मिल सकेगा। निशुल्क विधिक सेवा को प्रदान करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अधिवक्ताओं का पैनल गठन किया गया है तथा मध्यस्थ सुलह-समझौता के माध्यम से शीघ्र न्याय में मदद करते हैं। अधिकार मित्र लगाए गए हैं जो क्षेत्र को दौरा करके अशिक्षित गरीब शोषित लोगों को न्याय दिलाने में मदद करते हैं। अपर जिला अध्यक्ष कोर्ट संख्या एक अखिलेश कुमार ने बताया मानवाधिकार मानवता का धर्म है। हम मानव है हमें आम लोगों के मानव अधिकार का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। आजकल मानवाधिकार पर पुलिस द्वारा भी अच्छी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी संजय कुमार ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के संबंध पर प्रकाश डाला। विशेष न्यायाधीश पोक्सो विनीता विमल ने यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए समाज को शिक्षित एवं जागरूक करने पर बल दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी कुमार ने गिरफ्तारी के समय व्यक्ति को क्या अधिकार होता है। गिरफ्तारी बिना कोई कारण बताएं अथवा बिना किसी साक्ष्य के पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकती। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव आरती द्विवेदी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जा रही है सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। स्थायी लोक अदालत व लोक अदालतों के माध्यम से नए व पुराने मुकदमों को निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट दानवीर यादव ने दिव्यांग जनों के अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। सिविल जज सीनियर डिवीजन शहनाज अंसारी ने शिक्षा के अधिकारों के विषय में बताया।

डीएम - एसएसपी ने बकेवर थाने का निरीक्षण किया

बकेवर, इटावा। शनिवार की दोपहर जिला अधिकारी शुभ्रान्त शुक्ला, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से थाना परिसर पहुँच कर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की कार्य प्रणाली, अभिलेखो और व्यवस्थाओ की गहन समीक्षा की ।निरीक्षण की शुरूआत थाना परिसर की साफ सफाई से की गई इसके बाद थाना परिसर में खड़े वाहनो की स्थित का जायजा लिया। थाने में नई बनी बिल्डिंग को भी देखने के बाद बाली बाल फील्ड के बारे में भी जानकारी की उसके बाद पुराने थाने में बने कुआ को जाकर देखा आरक्षियो के लिये बना खाने की मैश का भी अवलोकन किया। विभिन्न रजिस्टरो की जांच कर अभिलेखो का अवलोकन किया और रिकार्ड अधतन रखने के निर्देश थाना परिसर में बने आवासो सीसीटीवी कैमरो साइबर डेस्क और मिशन शक्ति केंद्र का भी निरीक्षण किया उन्होने तकनीकी संसाधनो के सही उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि आधारित उकरणो का प्रभावी इस्तेमाल कर अपने अपने बूथ व बीट क्षेत्र में अपराधियो पर सतत निगरानी रखी जाये। शस्त्र लाइसेंस फीडिंग व बेरी फिक्शन सहित अन्य कार्य और अधिक पारदर्शी होगे प्रशिक्षु महिला आरक्षियो को भी कानून के बारे में बताया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष विपिन मलिक, कस्वा बकेवर चैकी इंचार्ज विनीत पांडेय सहित समस्त पुलिस कर्मी मौजूद रहे। अन्त में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी को कर्तव्य निष्ठा अनुशासन और जन सेवा से कार्य करने के निर्देश दिये।

एक और जमीन का फर्जी बैनामा हो गया

ऊसराहार, इटावा। ताखा तहसील मे एक और जमीन का फर्जी बैनामा हो गया है। इस बार कमला देवी की जमीन को कोमल देवी बनकर फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेंचा गया है। इस जमीन को दाखिल खारिज भी कर दिया गया है अब पीडित ने न्याय की गुहार लगाई है। इससे पहले इसी तरह बेंची गई नौ बीघा जमीन मे मुकदमा दर्ज किया गया था। तहसील क्षेत्र के गांव पूरनपुरा निवासी श्रीपाल व उनकी मां कमला देवी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा को प्रार्थना पत्र देकर फर्जी बैनामा करवाकर कृषि भूमि हड़पने का आरोप लगाया है। एसएसपी को दिये प्रार्थना पत्र में कमला देवी ने बताया कि गाटा संख्या 32 व 33 स्थित कृषि भूमि मौजा कुदरेल, तहसील ताखा में वर्ष 2017 में बैनामे के माध्यम से खरीदी गई थी। और वर्ष 2023 में गांव के जितेंद्र दिवाकर, उसकी पत्नी कोमल देवी ने आपस में षड्यंत्र रचकर कमला देवी के नाम व पहचान में हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेज तैयार करा लिए। प्रार्थी ने बताया कि आधार कार्ड में नाम परिवर्तन कर कमला देवी की जगह कोमल देवी कर और गलत उम्र व फोटो लगाकर भूमि का बैनामा नरायनपुरा गांव निवासी सरोजनी देवी के नाम कर दिया गया। जबकि वास्तविक कमला देवी की उम्र लगभग 65 वर्ष है, वहीं बैनामे में उम्र 33 वर्ष दिखाया गया है। कमला देवी के अनुसार भूमि की वास्तविक कीमत लगभग सात लाख रुपये होने के बावजूद मात्र दो लाख रुपये में बैनामा कराया गया है। साथ ही फर्जी दस्तावेजों के आधार पर राजस्व अभिलेखों में दाखिल-खारिज भी करा लिया गया, जहां राजस्व टीम ने भी बिना जांच किये न तो कोई समन जारी किया गया और न ही आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया। जमीन को दाखिल खारिज कराकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया गया। बताते चलें तहसील ताखा में यह दूसरा मामला सामने आया जब फर्जी अभिलेखों से बैनामा हुआ है। इससे पूर्व राकेश बाबू गुप्ता कठौतिया की जमीन के दो बैनामे किये गये जिसमें एसएसपी ब्रजेश श्रीवास्तव ने जांच के बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने के आदेश दिये थे। पीडित को मामले की जानकारी फरवरी 2026 में अभिलेख निकलवाने पर हुई। प्रार्थना पत्र पर उसने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगायी जिसपर उन्होंने जांच कराने का अश्वासन दिया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर आश्रम से मूर्तियां हटीं

इटावा। इकदिल इलाके में कानपुर हाईवे स्थित संत रविदास आश्रम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत रविदास और महात्मा वाल्मीकि की मूर्तियों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। बताया गया है कि यह आश्रम पीडब्ल्यूडी की करीब डेढ़ बीघा जमीन पर वर्ष 1995 से स्थापित था। एक जनहित याचिका के निस्तारण के निर्देश के बाद मूर्तियों को हटाया जा रहा है और उन्हें नजदीकी गांव के अंबेडकर पार्क में स्थापित किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार कानपुर हाईवे पर स्थित संत रविदास आश्रम पीडब्ल्यूडी की जमीन पर बना हुआ था। यह जमीन करीब डेढ़ बीघा बताई जा रही है, जिस पर वर्ष 1995 से आश्रम संचालित हो रहा था। मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने संबंधित निर्देश दिए।

संक्षेप

धारदार गंड़ासे से युवक की हत्या

लखीमपुर खीरी। फरधान थाना क्षेत्र के खेतौसा गांव में धारदार हथियार (गड़ासे) से युवक की शनिवार की देर रात निर्मम हत्या कर दी गई। बताया जाता हैं कि दबंगों ने घर में घुसकर युवक को बाहर निकाला धारदार हथियार से कई प्रहार कर घटना को दिया। घटना की जानकरी होने पर मौके पर पुलिस देर रात्रि घटनास्थल पर पहुंच गई। जानकरी के अनुसार थाना फरधान क्षेत्र के ग्राम खेतौसा में मीर कुमार 23 वर्ष पुत्र राजाराम गौतम को शनिवार की देर रात्रि लगभग सात बजे सामने के ही रहने वाले आधा दर्जन लोगों नें मिलकर गड़ासे से हमला कर मौत के घट उतार दिया। प्रभारी निरीक्षक फरधान दिलीप कुमार चौबे ने बताया युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई है शराब के नशे में गाली गलौझ के बाद विवाद बढ़ा और इसी में एक युवक घायल हो गया जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने सबको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है उनसे पूछताछ की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

मोहम्मदी खीरी। कस्बा में स्कूल के सामने मोबाइल शॉप चलाता युवक पड़ोस में लगी टंकी में पानी पीते ही छटपटाने लगा जानकारी लगते ही पड़ोसी दुकानदार बचाने दौड़े उसे सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने जांच दौरान मृत घोषित कर दिया है पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। जानकारी अनुसार पी डी इंटर कॉलेज पास शुक्लापुर रोड पर शोभित पुत्र अवधेश 20 वर्षीय निवासी मोहल्ला भीतर मोबाइल रिपेयरिंग कर परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार को दुकान के पास लगी टंकी पर पानी पीते ही छटपटाने लगा पड़ोसी लोगों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे डॉक्टर ने जांच दौरान मृत घोषित कर दिया है। मृतक की मां की 3 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था पिता ने पाल पोस कर बड़ा किया था अब बुढ़ापे की लाठी टूट जाने से पिता के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। निरीक्षक उमेश चौरसिया ने बताया सूचना प्राप्त हुई कस्बा इंचार्ज को निर्देशित कर पोस्टमार्टम जिला मुख्यालय भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

दिनदहाड़े युवक को उठाने का प्रयास

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े एक युवक को कथित रूप से जबरन ले जाने के प्रयास का मामला सामने आया है। मोहल्ला तीर्थ निवासी कल्पना शर्मा ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार 22 फरवरी को दोपहर करीब चार बजे उनका पुत्र युगांक शर्मा सब्जी मंडी के निकट मौजूद था। आरोप है कि सिनेमा रोड निवासी श्याम गुप्ता और ग्राम लाल्हापुर निवासी प्रियांशू ठाकुर ने उसे घेर लिया और जबरन ले जाने का प्रयास किया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंच गए, जिससे युवक को छुड़ाया जा सका। पीड़िता का कहना है कि घटना की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग उसके पास मौजूद है। आरोप है कि घटना के बाद से नामजद आरोपी लगातार फोन कर गाली-गलौज और धमकी दे रहे हैं, जिससे परिवार दहशत में है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने बूथ पर पहुंचकर परखी हकीकत

जिला संवाददाता(vol)

लखीमपुर खीरी। मतदाता सूची को दुरुस्त करने की मुहिम ने रविवार को जिले भर में रफ्तार पकड़ ली। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत सभी मतदेय स्थलों पर आयोजित ह्वविशेष अभियान दिवसह्व में मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्वयं मैदान में उतरकर बूथों का औचक निरीक्षण किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने ईआरओ/एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह के साथ क्रमशः मतदान स्थल प्राथमिक विद्यालय ईदगाह (भाग संख्या 205-209) और संविलियन विद्यालय छाउछ (भाग संख्या 19-25) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम सीधे बीएलओ के हेल्प डेस्क पर पहुंचीं, जहां उन्होंने प्राप्त फॉर्म-6 व फॉर्म-8, संलग्न दस्तावेज और निस्तारण की स्थिति को स्वयं देखा। डीएम ने बीएलओ से दो टूक कहा कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके एक भी पात्र युवा का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि हर आवेदन की मौके पर जांच कर सही मार्गदर्शन दिया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। डीएम ने अभियान की प्रगति पूछते हुए बीएलओ को सक्रिय संपर्क, डोर-टू-डोर जागरूकता और समयबद्ध निस्तारण पर खास जोर दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने आमजन से भी संवाद करते हुए बताया कि जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को दें या ५ङ्मह्लद्गह्म्ह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें, जबकि त्रुटि सुधार के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है। सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क करने की अपील की।

विशेष अभियान तिथि पर जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान ईआरओ ने निर्देशित किया कि विशेष अभियान के दौरान आने वाले प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए, जिससे कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। अधिकारियों ने बीएलओ से संवाद कर प्रगति की जानकारी ली तथा अभियान को सफल बनाने हेतु सक्रियता से कार्य करने पर बल दिया।

वादकारियों की सहूलियत के लिए गोला कोर्ट से जुड़ें मैलानी व भीरा

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। ग्राम न्यायालय गोला के क्षेत्राधिकार विस्तार और वादों के मूल्यांकन की सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रविवार को लखीमपुर पहुंचकर प्रशासनिक न्यायमूर्ति (उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ) को एक ज्ञापन सौंपा। सीजेएम की मौजूदगी में सौंपे गए इस ज्ञापन में वादकारियों की सुविधा और न्यायहित को ध्यान में रखते हुए त्वरित कदम उठाने की अपील की गई है। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीराम कुमार गौतम, मंत्री संदीप कुमार अवस्थी, उपाध्यक्ष राजीव कुमार मिश्रा, संयुक्त मंत्री जगवीर सिंह भदौरिया, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि वर्तमान में ग्राम न्यायालय गोला को फौजदारी (क्रिमिनल) वादों में केवल थाना गोला और थाना हैदराबाद का क्षेत्राधिकार प्राप्त है। जबकि, थाना मैलानी और थाना भीरा क्षेत्र के वादकारियों के लिए जिला मुख्यालय लखीमपुर की तुलना में गोला आना अधिक सुलभ और किफायती है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि मैलानी से लखीमपुर की दूरी लगभग 65 से 75 किलोमीटर है, जबकि मैलानी से गोला की दूरी मात्र 30 किलोमीटर है। इन क्षेत्रों को ग्राम न्यायालय गोला से जोड़े जाने पर वादकारियों के समय और धन दोनों की भारी बचत होगी और वे समय से अपने मुकदमों की प्रभावी पैरवी कर सकेंगे। एसोसिएशन ने बताया कि ग्राम न्यायालय गोला में सिविल (दीवानी) वादों की सुनवाई का मूल्यांकन वर्तमान में मात्र 25 हजार रुपये तक सीमित है। जिले के पलिया और निघासन में मुंसिफ कोर्ट की स्थापना हो चुकी है, ऐसी स्थिति में गोला ग्राम न्यायालय का क्षेत्राधिकार और वाद मूल्यांकन बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, वर्तमान में सिविल वादों में गोला न्यायालय को केवल श्परगना हैदराबादश का क्षेत्राधिकार प्राप्त है, जबकि परगना भूड़ और कुकरा क्षेत्र के वादकारियों के लिए भी गोला न्यायालय अधिक सुविधाजनक रहेगा।

ऋण वितरण शिविर आयोजित

लखीमपुर खीरी। आईटीआई परिसर में डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी लखीमपुर द्वारा मेगा लीगल एड एवं सर्विसेज कैम्प का आयोजन किया गया। अग्रणी बैंक इंडियन बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक अशोक कुमार गुप्ता द्वारा कार्यक्रम में जनपद के 12 सरकारी बैंकों द्वारा 12 अलग-अलग स्टाल लगाकर वृहद ऋण वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर 100 से अधिक लाभार्थियों को विभिन्न बैंकों द्वारा लगभग ?30 करोड़ के ऋणों के डेमो चेक एवं स्वीकृति पत्र (सैंक्शन लेटर्स) प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जस्टिस राजीव सिंह न्यायाधीश हाई कोर्ट ऑफ जुड़िकाचर अलहाबाद लखनऊ खंडपीठ) मुख्य विकास अधिकारी लखीमपुर अभिषेक कुमार जिला जज शिव कुमार सिंह द्वारा सामूहिक रूप से वित्तीय और महिला सशक्तिकरण की दिशा मे इंडियन बैंक द्वारा वित्त पोषित 100 स्वयं सहायता समूहों (एस एच जी) को कुल 1.50 करोड़ की सी सी एल (कैश क्रेडिट लिमिट) का डेमो चेक भी प्रदान किया गया।

ईआरओ ने परखी मतदान केंद्रों की व्यवस्था

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। रविवार को विशेष अभियान दिवस के तहत गोला विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर ईआरओ प्रतीक्षा त्रिपाठी ने विभिन्न मतदान स्थलों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ईआरओ ने सबसे पहले पब्लिक इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बीएलओ से अब तक प्राप्त फॉर्मों की जानकारी ली और नए मतदाताओं के पंजीकरण की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को चिन्हित कर उनका नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए।

इसके बाद उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज पहुंचकर अभिलेखों का सत्यापन किया। बीएलओ को निर्देशित किया गया कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से छूटने न पाए। उन्होंने पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को जागरूक करने के लिए विद्यालयों एवं स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के इसी क्रम में कृषक समाज इंटर कॉलेज में भी मतदाता पंजीकरण की स्थिति का जायजा लिया गया। यहां ईआरओ ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फॉर्म-6, 7 एवं 8 की प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। ईआरओ ने स्पष्ट किया कि इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक नए मतदाताओं (विशेषकर युवाओं और महिलाओं) को जोड़ना और एक त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि आगामी चुनाव में सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

श्री राधा कृष्ण रंगारंग महोत्सव होली की बैठक संपन्न

मोहम्मदी खीरी। नगर में आने वाले त्योहार होली को लेकरश्री राधा कृष्ण रंगारंग होली महोत्स,फ्रेंड्स क्लब मोहम्मदी की आवश्यक बैठक शुक्रवार को आलोक राठौर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन शिवम राठौर ने किया। समाजसेवी शिवम राठौर ने बताया 5 मार्च दिन बृहस्पतिवार को प्रातः 10 बजे से शोभा यात्रा बहुत ही धूमधाम के साथ नगर में भ्रमण करेगी प्रत्येक वर्ष के भाति इस वर्ष भी प्रेशर मशीन रंग की ट्रालियां झांकियां निकली जाएगी। नगर में कही कही पर जर्जर रोड एवं बिजली के पोल मुख्य मार्ग पर लटकते तारों को लेकर प्रशासन को लिखित दिया है। जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया है दूसरे दिन की निकलने वाली धमार को ऐतिहासिक रूप देने के लिए बैठक में समस्त पदाधिकारी के सुझाव लेकर व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में पूर्व सभासद अर्जुन राठौर ने शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार को मनाने की बात रखी। सभासद राम जी ने सनातन संस्कृति को जागृत होने को लेकर एक झांकी के प्रदर्शन की बात कही। कवि गोविंद गुप्ता ने कहा पुष्प वर्षा की व्यवस्था नगर में सुनिश्चित हो।इस बैठक में हर्षित गुप्ता, पूर्व सभासद शिशिर गुप्ता, अमन राठौर, दिनेश सक्सेना ठाकुर, आनंद शर्मा, प्रिंस गुप्ता, हिमांशु राठौर, राहुल राठौर, शिवम ठाकुर, रूपेश राठौर, रामनिवास कुशवाह, रंजीत राठौर, बबलू, अजय सक्सेना, विनीत गुप्ता, पुष्कर पांडे, सूरज श्रीवास्तव, सुनील राठौर, आसाराम राठौर, सुबोध रस्तोगी, विजय सक्सेना, नितिन रस्तोगी, नितिन प्रजापति, पंकज राठौर, संदीप शुक्ला, छोटू राठौर, पीयूष गुप्ता, अंकित गुप्ता, हनी राठौर, नितिन गुप्ता, आशीष गुप्ता, करन राठौर, अंकित राठौर, मोहित रस्तोगी, विशेष राठौर, रवि प्रजाापति, विपिन, विश्लोक राठौर, संजीव श्रीवास्तव, अंकित रस्तोगी, ईशान गुप्ता, सर्वेश राठौर सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली के तारों से झुलसे मजदूर की इलाज के दौरान मौत

धौरहरा खीरी। गत दिवस गन्ने की बैगास भरते समय बिजली के तारों से झुलस कर घायल हुए बताए जा रहे दो मजदूरों में से एक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। रविवार को एसडीएम धौरहरा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश दिए तथा सहायक श्रम आयुक्त ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए घटना की आख्या मांगी है। ज्ञात हो कि शनिवार को मां वैष्णो शुगर इंडस्ट्री महादेव में काम कर रहे दो मजदूर जिन्हें दलित बताया जा रहा है गाड़ी में बैगास भरने के दौरान बिजली के तार से उलझकर बुरी तरह झुलस गए थे जिन्हें आनन फानन में घायल को जिला चिकित्सालय ओयल ले जाया गया।जहां एक को चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया था जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मालूम हो कि तहसील क्षेत्र से निकले सिसैया ढखेरवा हाइवे के किनारे ग्राम महादेव पोस्ट अमेठी में मां वैष्णो शुगर इंडस्ट्री ग्राम पंचायत कफारा निवासी रिंकू पुत्र राम मनोरथ भार्गव व अजय पुत्र लेखराम करिगहा करीब दो बजे खडी गाड़ी में बैगास भरने के दौरान चालक द्वारा गाड़ी बढ़ाने के चलते दोनों लोग बिजली के तारों से बुरी तरह झुलस कर इस हादसे का शिकार बन गए। मामले में जांच जारी है। एसडीएम धौरहरा शशिकांत मणि ने बताया घटना स्थल पर गये थे ट्रक ड्राइवर की लापरवाही के कारण हादसा हुआ।

संत निरंकारी मिशन ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। संत निरंकारी मिशन की ओर से चलाए जा रहे प्रोजेक्ट अमृत के तृतीय चरण के अंतर्गत नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अलीगंज रोड स्थित नहर पर सफाई कर अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक अमन गिरि व मुखी बहन प्रमिला खुराना ने नहर की सफाई कर स्वच्छ जल और स्वच्छता का संदेश दिया। निरंकारी सेवा दल के जवानों और बहनों ने नहर के दोनों ओर उगी झाड़ियों को हटाया और झाडू लगाकर सफाई की। युवाओं को जागरूक करने के लिए रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश भी प्रदर्शित किया गया। अभियान के दौरान सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर क्षेत्रीय संचालक रंजीत सिंह, संचालक लालजी प्रसाद, शिक्षक राम नरेश सोनी, हरमोहन सिंह खुराना, सोनू खुराना, तेजराम वर्मा, उमाशंकर सोनी, प्रेम रस्तोगी, शिवकुमार, शिवम, अभय सिंह, सुधा, शालिनी खुराना, रीता, ऋतु रस्तोगी, सनी सहित बड़ी संख्या में निरंकारी सेवा दल के सदस्य, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

केंद्रीय बजट पर महिला संवाद योजनाओं पर हुई चर्चा

सोनभद्र। भजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में केंद्रीय बजट 2026 को लेकर ह्यमहिला संवादह्न कार्यक्रम का आयोजन उड़ान प्रेरणा महिला संकुल समिति, क्लस्टर बिल्ली मारकुंडी स्थित कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को बजट में किए गए प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट में महिलाओं की आर्थिक मजबूती, स्वरोजगार के अवसर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तो परिवार और समाज दोनों सशक्त होंगे। जिला कार्यक्रम संयोजिका लीला गौड़ ने संचालन करते हुए बताया कि बजट में स्वयं सहायता समूहों, लघु उद्योगों और ग्रामीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि बजट में महिलाओं, युवाओं और किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संगठन की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अन्य महिलाओं को भी जागरूक करें। इस अवसर पर पूनम सिंह, मीनू चौबे, उषा शर्मा, कंचन, सुनीता पांडे, हेमलता जायसवाल, पुष्पा दुबे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

छोटी काशी में उज्जैन की तर्ज पर निकली भगवान भोलेनाथ की पालकी यात्रा

मन्दीप कुमार वर्मा

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। छोटी काशी के नाम से विख्यात शिव नगरी में सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा और शिवभक्तों की अगाध आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। उज्जैन की विश्व प्रसिद्ध महाकाल सवारी की तर्ज पर नगर में भगवान भोलेनाथ की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे शिवभक्तों और चारों ओर गूंजते श्हर-हर महादेवश के जयघोष ने पूरी छोटी काशी को शिवमय कर दिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अभूतपूर्व रहा, बल्कि इसमें सनातन संस्कृति की गहरी झलक भी देखने को मिली।

विधायक अमन गिरि की अगुवाई में भगवान भोलेनाथ की इस दिव्य पालकी यात्रा का शुभारंभ स्थानीय नीलकंठ मैदान से पूरे विधि-विधान और विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ। जैसे ही भगवान शिव की पालकी ने नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान किया, श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

पूरे यात्रा मार्ग में हजारों श्रद्धालुओं के हाथों में लहराते केसरिया झंडे और आसमान में गूंजते श्बम-बम भोलेश तथा श्हर-हर महादेवश के नारों ने शिव नगरी में एक अद्भुत और ऊजार्वान माहौल बना दिया। इस पालकी यात्रा की सबसे बड़ी और आकर्षक विशेषता श्रद्धालुओं की वेशभूषा रही, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। आधुनिकता के इस दौर में अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश देते हुए शिवभक्तों ने पारंपरिक धोती और कंधे पर गमछा धारण कर रखा था। इसके साथ ही हर श्रद्धालु के माथे पर लगा चंदन और कुमकुम का तिलक उनकी असीम भक्ति और गहरी सांस्कृतिक पहचान को स्पष्ट रूप से दर्शा रहा था। यह दृश्य बता रहा था कि युवा पीढ़ी भी अपनी सनातन संस्कृति को लेकर कितनी सजग और समर्पित है।

- सनातन परंपरा और पारंपरिक वेशभूषा ने मोहा मन

नगर के प्रमुख मार्गों और चैराहों से होते हुए, धर्म की ध्वजा फहराती हुई यह विशाल पालकी शोभायात्रा दोपहर लगभग 2 बजे वापस नीलकंठ मैदान पहुंची। यहां भगवान भोलेनाथ की महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ इस भव्य यात्रा का शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। शिवभक्तों के अपार उत्साह और उल्लास के बीच संपन्न हुई यह यात्रा गोला गोकर्णनाथ के नगरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई।

शिक्षक संघ व संतों ने की पुष्पवर्षा

नगर में शिवोत्सव के अंतर्गत निकाली गई भगवान भोलेनाथ की भव्य पालकी यात्रा का चहुंओर ऐतिहासिक स्वागत हुआ। पूरे यात्रा मार्ग पर जगह-जगह सजे स्वागत द्वारों से व्यापारियों के साथ-साथ आमजन ने श्रद्धालुओं पर लगातार फूल बरसाए। खुटार रोड पर बांकेगंज ब्लॉक के शिक्षक संघ अध्यक्ष आशुतोष गिरि कन्हैया और मंत्री विपिन वर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों (वीरेन्द्र कुमार, सुनील वर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, मुकेश वर्मा, वीरेन्द्र वर्मा, विवेक सिंह आदि) ने पालकी का भव्य स्वागत किया। वहीं, मंगला देवी मंदिर गली के पास पब्लिक इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य के.के. शुक्ला की अगुवाई में साधु-संतों व श्रद्धालुओं ने विशेष मंच से पुष्पवर्षा की।

डमरू की थाप पर झूमे भक्त

यात्रा में भक्ति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। शोभायात्रा के आगे-आगे चल रहे ढोल, मजीरे और डमरू की थाप पर श्रद्धालु आत्मविभोर होकर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। शिव भजनों की धुनों पर थिरकते भक्तों ने गोला गोकर्णनाथ के पूरे मार्ग को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। नगरवासियों ने भी इस भव्य यात्रा का पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत किया।

भूमिधरी जमीन पर दूसरा नहीं कर सकता कब्जा

लेखपाल ने शिकायत पर किया स्थलीय निरीक्षण, नापी का दिया भरोसा

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के ढुटेर गांव में रविवार को क्षेत्रीय लेखपाल गोपेंद्र पांडेय ने तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत पर भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान शिकायतकर्ता ज्ञानदास को संतोषजनक कार्यवाही का आश्वासन देते हुए कहा कि किसी भी काश्तकार की पुश्तैनी भूमि पर दूसरा व्यक्ति किसी भी तरह का कब्जा नहीं कर सकता। ऐसा करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताते चले कि ढुटेर गांव निवासी ज्ञानदास ने अपनी आराजी संख्या 638 ख की भूमिधरी श्रेणी-1 की जमीन पर आसपास के कुछ लोगों द्वारा धन और बाल के बूते अवैध रूप से पूल (रास्ता) का निर्माण कर जबरिया कब्जा करने की चर्चा की शिकायत तहसील समाधान दिवस में की है। भूमि स्वामी ने यह भी कहा है कि इसको लेकर दबंगों द्वारा किसी भी आपराधिक घटना को अंजाम दिया जा सकता है। ऐसे में उक्त पुश्तैनी भूमि की तत्काल नवी और सीमांकन किए जाने की जरूरत है। इस मौके पर रघुनाथ सिंह पटेल, राकेश कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आशीष सिंह पटेल, विजय कुमार मौर्य, जगदीश आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस की टक्कर से पिता की मौत

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। शनिवार देर शाम मोहम्मदी रोड स्थित कंजा देवस्थान के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। जिस घर से बेटी की डोली उठनी थी, वहां हादसे के बाद कोहराम मच गया। घटना के बाद भाग रही रोडवेज बस को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, जबकि चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहल्ला कुम्हारन टोला निवासी राम बहादुर (60) पुत्र मुन्ना की पुत्री का शनिवार को कंजा देवस्थान में विवाह समारोह चल रहा था। परिवार में खुशी का माहौल था। मृतक के पुत्र बलराम सिंह ने बताया कि विवाह कार्यक्रम के बीच उनके पिता किसी काम से सड़क पार कर दूसरी तरफ जा रहे थे। इसी दौरान मोहम्मदी की दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक रोडवेज बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि राम बहादुर छिटककर सड़क किनारे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में परिजन लहूलुहान राम बहादुर को नए बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। हालत बेहद नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। खुशियों भरे माहौल में अचानक हुई इस मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., रायबरेली

पत्रांकः 431/1ए0/2025-26 दिनांकः 16/02/2026

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग, रायबरेली द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में भवन कार्य हेतु रजिस्टर्ड श्रेणी-ए, बी, सी, डी, अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी भी अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्रपत्र करने सम्बन्धित नियमों से अवगत हो लें।

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन हेतु अधिशासी अभि. का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि. का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	रायबरेली	जनपद रायबरेली के सेसन्स हाउस एवं न्यायिक अधिकारीगण की जजेज कालोनी, सिविल लाइन्स रायबरेली तथा जजेज कालोनी केन्द्रीय विद्यालय के सामने गोरा बाजार रायबरेली में सूक्ष्म निर्माण कार्य	8.00	0.80	860.00	02 month	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, रायबरेली	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि. (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ

बिल ऑफ क्वान्टिटी में अंकित दरों में जी0एस0टी0 छोड़कर लगायी गयी है।

निविदा आनलाइन दिनांक 25.02.2026 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 06.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 06.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018/42 आई0टी0/2017 (22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदा का तनकीनी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर द्वारा किया जाना है, जिसका विवरण एन0आई0टी0 के बिड डाक्यूमेन्ट में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्ते http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(महीपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रा0खं0, लो0नि0वि0, रायबरेली।

UPID-246671 Date: 20.02.26
Website : www.upgov.nic.in

डीइओ ने भ्रमणशील रहकर बूथों का किया निरीक्षण

सोनभद्र। निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत रविवार को जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य, बीएलए के समक्ष ड्राफ्ट सूची पढकर सुनाई गई और मौके पर उपस्थित मतदाताओं को आगाह किया कि सुनाई जा रही सूची को ध्यान से सुनें, जिससे बूथ के सही मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सकें।

जिला निर्वाचन अधिकारी बीएन सिंह ने भ्रमण के दौरान निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत विधानसभा रावर्टसगंज के राजा महेश इण्टर कालेज रावर्ट्सगंज के मतदेय स्थलों बूथ सं0 21, 22, 23, 24, 25, 26 पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य व बीएलए के समक्ष आलेख्य निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर सुनाया गया। जनपद के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा अपने मतदेय स्थल पर मतदाता सूची पढ़कर सुनाया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मतदेय स्थल पर फार्म-6,7, 8 एवं घोषणा पत्र की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। उक्त के साथ ही जिन मतदाताओं के नाम आलेख्य मतदाता सूची में नहीं हैं, उनसे फार्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया। जनसामान्य के अवलोकन के लिए आलेख्य मतदाता सूची की पीडीएफ जनपद की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई है। यदि उक्त मतदाता सूची में किसी निर्वाचक का नाम छूट गया है अथवा कोई संशोधन अपेक्षित है तो संबंधित मतदाता फार्म-6 मय घोषणा पत्र (नए मतदाताओं के लिए), फार्म-7 (मतदाता सूची से नाम अपमार्जन के लिए) एवं फार्म-8 (मतदाता सूची में प्रविष्टि में संशोधन अथवा स्थानान्तरण किए जाने के लिए) में पूर्ण विवरण भरकर एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर बीएलओ को उपलब्ध करा दें। इस दौरान मतदाताओं को यह भी सूचित किया गया कि यदि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि, दावा अथवा आपत्ति हो तो वे संबंधित बीएलओ को निर्धारित प्रपत्रों पर अवगत करा सकते हैं।

योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से लगाया बृहद विधिक सहायता व सेवा शिविर

सोनभद्र। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विकास भवन के पंचायत रिसोर्स सेन्टर में जनपद में निर्बल वर्ग, दिव्यांगजन, बच्चे, महिलाएं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति सहित वंचित वर्गों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सरकार द्वारा जन सामान्य के लाभ हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं के चिन्हित लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया गया।

कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश राम सुलीन सिंह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल जज सीडी सचिव पूर्ण कालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्यायाधीशगण, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, पुलिस उपाधीक्षक अनिल कुमार व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उन्हें योजनाओं से आच्छादित किया गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

जकिया परवीन जिलाध्यक्ष, निधि बनीं जिला महामंत्री

आजमगढ़। महिला शिक्षक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ के जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिसमें जिला संयोजक समिति द्वारा जिला तथा ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जकिया परवीन को जिला अध्यक्ष एवं निधि राय को जिला महामंत्री, वंदना राय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रीना सिंह कोषाध्यक्ष, रेखा चैरसिया, नीलम गुप्ता मंत्री, प्रमिला अशोक कुमार, डॉ प्रीति, रानी गुप्ता, कौमुदी त्रिपाठी उपाध्यक्ष, सुमी जिला सह कोषाध्यक्ष एवं विभिन्न ब्लॉकों की कार्यकारिणी के ब्लॉक अध्यक्ष तथा महामंत्री को उनके प्राधिकार पत्र सौंप गए। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष जकिया परवीन ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहाकि उन्होंने कहा कि सभी महिला शिक्षक एकजुट होकर काम के प्रति समर्पित हों और नारी सशक्तीकरण की पहचान बनाने में जुटें। अब हम सब शिक्षिकाओं को मिलकर अपने इस संगठन को और बुलंदी पर ले जाने के प्रयास करना होगा। इसके लिए संगठन में एकजुटता का होना जरूरी है। महिला शिक्षकों से समाज हित में भी काम करने का आह्वान किया।

बैठक में सुमी अथर्व, हुमा परवीन, रोली मिश्रा, सिम्पल सिंह, प्रमिला अशोक कुमार, स्नेहलता राय, प्रीति गुप्ता, सुनीता, रीता, शिखा तथा रेनू आदि उपस्थित रहीं।

पति ने पत्नी की प्रेमी से कराई शादी, दिया आशीर्वाद

जौनपुर। रिश्तों में अक्सर टकराव, झगड़े और मुकदमे देखने को मिलते हैं, लेकिन जौनपुर में एक पति ने ऐसा फैसला लिया, जिसने न सिर्फ लोगों को चैंकाया बल्कि मानवीय संवेदना और त्याग की नई मिसाल भी पेश कर दी। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की उसके प्रेमी से पूरे विधि-विधान के साथ शादी करवा दी और खुद आगे बढ़कर दोनों को आशीर्वाद भी दिया। यह दृश्य जौनपुर के कचहरी परिसर स्थित मंदिर में देखने को मिला, जहां दर्जनों अधिवक्ताओं, पति-पत्नी व प्रेमी के परिजनों की मौजूदगी में विवाह संपन्न कराया गया।

पत्नी ने खड़े होकर जयमाल पहनाई, प्रेमी ने उसकी मांग में सिंदूर भरा और पति मूक दर्शक नहीं, बल्कि इस फैसले का सबसे बड़ा गवाह और समर्थक बना। मिजार्पुर निवासी तन्जय प्रजापति की शादी वर्ष 2022 में जौनपुर के जलालपुर क्षेत्र की पम्मी प्रजापति से हुई थी। वर्ष 2023 में दोनों का एक बच्चा भी हुआ। इसके बाद पति-पत्नी महाराष्ट्र में रहने लगे। इसी दौरान पम्मी अपने प्रेमी राजू बैरागी के साथ मुंबई से गांव लौट आई। घटना की जानकारी मिलने पर तन्जय ने नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराई और फिर जौनपुर पहुंचा। हालात को समझने के बाद तन्जय ने गुस्से या बदले की राह छोड़कर त्याग का रास्ता चुना। उसने पत्नी और उसके प्रेमी को मंदिर ले जाकर पूरे विधि-विधान से विवाह कराया और कचहरी में आपसी सहमति से लिखापढ़ी कराते हुए पत्नी को उसके प्रेमी के साथ विदा कर दिया। वायरल वीडियो में सबसे भावुक पल वह रहा, जब तन्जय खुद आगे बढ़कर दोनों को आशीर्वाद देता नजर आया। तन्जय प्रजापति ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में प्रेम संबंधों के चलते कई घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने बच्चे की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसे अपने साथ रखने का फैसला किया है। वहीं पत्नी पम्मी ने कैमरे के सामने कहा कि उसकी शादी झूठ बोलकर कराई गई थी और वह अपने पति से खुश नहीं थी। उसने बताया कि वह अपने स्कूल के साथी राजू से बेइंतहा प्यार करती है। उधर प्रेमी राजू बैरागी ने बताया कि वे दोनों साथ पढ़ते थे। उसकी शादी पहले हो चुकी थी, लेकिन पत्नी की मृत्यु के बाद वह अकेला था। पम्मी से बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए और अब वे साथ जीवन बिताना चाहते हैं।

रोजगार मेला के प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

आजमगढ़। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय आजमगढ़ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आजमगढ़ कौशल विकास मिशन आजमगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 27 फरवरी 2026 को डीएवी पीजी कालेज आजमगढ़ में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त के दृष्टिगत प्रभारी मंत्री अनिल राजभर द्वारा रविार को वृहद रोजगार मेला के प्रचार वाहनो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रोजगार मेले में लगभग 50 कम्पनिया प्रतिभाग कर रही है। ऐसी स्थिति में सेवायोजन कार्यालय आजमगढ़ में पंजीकृत जॉब सीकर (बेरोजगार अभ्यर्थी) रोजगार हेतु पोर्टल पद (रोजगार मेंलो में रिक्तियां देखने के लिए यहां क्लिक करे) पर क्लिक कर उपरोक्त कम्पनियों के विज्ञापित रिक्तियों के विवरण देखकर अपने पंजीयन यूजर आईडी.का प्रयोग कर आन-लाईन आवेदन करते हुये अवसर का लाभ उठाये। इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय नही है।

अजीत रावत जिला प्रवासी नियुक्त

सोनभद्र। आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर जिला वीरभूमि विधानसभा 284 दुबराजपुर के सीट पर भाजपा नेतृत्व ने अजीत रावत जिला प्रवासी नियुक्त किया। वही श्री रावत वर्तमान में सदर ब्लाक प्रमुख एवं भाजपा अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं। पूर्व में भाजपा के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बैकुंठपुर एव रामनगर पश्चिमि सुरक्षित सीट पर भाजपा नेतृत्व ने अजीत रावत को प्रवासी नियुक्त किया गया था जिसपर भारी बहुमत के साथ दोनों सीट पर हुई जीत का कार्यकताओं के साथ मनाया जश्न है। अजीत रावत के संगठनात्मक कार्यों और समाजसेवा को देखते हुए पार्टी ने उन्हें बिहार चुनाव के पहले चरण व दूसरे चरण में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी जिसके जीत पर जनपद सोनभद्र सहित काशी क्षेत्र के अनुसूचित समाज के लोगों में हर्ष का माहौल बना वही गरीब परिवार से आने वाले अजीत रावत ने अपने परिश्रम और सेवा भाव से पार्टी संगठन में विशेष पहचान बनाई है। कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्होंने जिला संयोजक के रूप में जरूरतमंदों तक राशन और दवाइयाँ पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। संगठन के हर कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई है। पार्टी नेतृत्व के निदेशों का वे सदैव समर्पण भाव से पालन करते हैं। भाजपा ने उनके समर्पण और कार्यकुशलता को देखते हुए फिर उनको पश्चिम बंगाल जिला वीरभूमि विधानसभा 284 दुबराजपुर के जिला प्रवासी बनाया गया।

श्याम प्रभु की निकाली निशान यात्रा

आजमगढ़। श्री राणी सती श्याम भक्त मंडल की ओर से रविवार को मारवाड़ी धर्मशाला परिसर से श्याम प्रभु की निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा जहां से गुजरी लोगों को फागुन का एहसास कराया। भक्त मंडल के कार्यकर्ता पूरे रास्ते अबीर गुलाल उड़ाते चल रहे थे। महिलाएं भी पुरुषों के कदम से कदम मिलाकर श्याम प्रभु की भक्ति से सरोबार झूम रही थी। वहीं गाड़ी पर सजाई गई खाटू श्याम की आकर्षक झांकी सभी का मन मोह रही थी।

निशान यात्रा से पूर्व मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में श्याम प्रभु का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद उनकी झांकी को गाड़ी पर सजाया गया। निशान पूजन के बाद निकली यात्रा सब्जी मंडी चौराहे से पुरानी कोतवाली पहुंची। यहां पर लोगों के जलपान की व्यवस्था की गई थी। लोगों ने जलपान किया इसके बाद यात्रा आगे बढ़ी। आसिफगंज पहुंचने पर महावीर मिष्ठान भंडार के सामने भी यात्रा में शामिल लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। आसिफगंज से मुख्य चौक होते हुए यात्रा मातबरगंज, बड़ादेव होते हुए बिन्नानी गार्डेन पहुंची और निशान को यहां सुरक्षित रखा गया। 25 फरवरी को श्री राणी सती श्याम भक्त मंडल के लोग इसे लेकर खाटू श्याम को रवाना होंगे। यात्रा की शुरूआत सीओ सिटी शुभम तोदी और उनकी पत्नी अंजलि तोदी ने निशान यात्रा उठाकर किया। इसके बाद लोग अबीर और गुलाल उड़ाते हुए आगे बढ़े। रास्ते में जो भी परिचित मिला बिना रंगे आगे नहीं जा पाया। पुरुषों के साथ ही निशान यात्रा में काफी संख्या में महिलाओं ने भी प्रतिभाग किया। श्याम प्रभु के गीतों पर पूरे रास्ते श्रद्धालु नाचते झूमते मंजिल की ओर से बढ़ते रहे। गाड़ी पर सजी झांकी को देख हर आने जाने वाले निहाल हो रहे थे। श्याम प्रभु के सामने माथा टेककर ही लोग आगे बढ़े। इस मौके पर शुभम तोदी भोला जालान, गौरव अग्रवाल, अशोक रूंगटा, अशोक शर्मा, विनय रूंगटा, पारूल रूंगटा, परितोष रूंगटा, अमित अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, अमृत अग्रवाल, अंजू अग्रवाल अंजली तोदी आदि उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण के प्रति मीरा का प्रेम देख दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

जिला संवाददाता

सोनभद्र। नगर स्थित रामलीला मैदान चल रहे रासलीला के सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की परम भक्त मीराबाई की भक्ति चरित्र लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर स्वामी दाऊदयाल की मण्डली द्वारा प्रस्तुत ब्याह गीत लगन मोहे लागी तेरे नाम की, राधिका गोरी से बृज की छोरी से मैय्या कराय दे मेरो भजन पर श्रद्धालुगण जमकर थिरके।

वृंदावन के मंझे हुए कलाकारों द्वारा लीला मंचन में दिखाया गया कि राजपरिवार में जन्मी मीराबाई के बाल मन में कृष्ण की ऐसी छवि बसी थी कि यौवन काल से लेकर मृत्यु तक मीरा ने कृष्ण को ही अपना सब कुछ माना। मीरा बाई के बचपन में एक दिन उनके पड़ोस में किसी बड़े आदमी के यहां बारात आई थी। सभी स्त्रियां छत पर खड़ी होकर बारात देख रही थीं। मीरा बाई भी उनके साथ बारात देख रही थीं। इस दौरान मीरा ने अपनी माता से पूछा कि मेरा दूल्हा कौन है। इस पर मीराबाई की माता ने श्रीकृष्ण की मूर्ति की तरफ इशारा कर कह दिया कि वही तुम्हारे दूल्हा हैं। यह बात मीराबाई के बाल मन में एक गांठ की तरह बंध गई। मीराबाई का विवाह मेवाड़ के राज परिवार में राणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। इस शादी के लिए पहले तो मीराबाई ने मना कर दिया। पर जोर देने पर वह फूट फूटकर रोने लगी और विदाई के समय कृष्ण की वही मूर्ति अपने साथ ले गई, जिसे उसकी माता ने उनका दूल्हा बताया था। मीराबाई के विवाह के दस बरस बाद उनके पति का देहांत हो गया। मीराबाई के कृष्ण प्रेम को देखते हुए लोक लाज की वजह से मीराबाई के ससुराल वालों ने उन्हें मारने के लिए कई चालें चाली पर सब विफल रहीं। मीराबाई ने भक्ति को एक नया आयाम दिया है, एक ऐसा स्थान जहां भगवान ही इंसान का सब कुछ होता है। दुनिया के सभी लोभ उसे मोह से विचलित नहीं कर सकते। एक अच्छा खासा राजपाट होने के बाद भी मीराबाई वैरागी बनी रहीं। कालांतर में मीराबाई द्वारिका में भगवान द्वारिकाधीश रणछोड़ जी के विग्रह में विलीन होकर भगवान श्रीकृष्ण के परम धाम चली गई। वहीं 7वें दिन की रासलीला का समापन बांके बिहारी के दिव्य आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर जितेन्द्र सिंह, रामप्रसाद यादव, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, संजू केशरी, आशीष केसरी, मखनचू, लल्लू मोदनवाल, अशोक श्रीवास्तव, डॉ गोविंद यादव, सुनील सिंह, उमेश यादव, सौरभ यादव आदि उपस्थित रहे।

कमजोर लोगों को मिले योजनाओं का लाभः जिला जज

जौनपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में मेगा/वृहद सहायता से शिविर का आयोजन पुलिस लाइन परिसर में किया गया। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार , जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, अध्यक्ष दीवानी बार एसोसिएशन, सुभाष चन्द्र यादव सहित द्वारा माँ सरस्वती जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा देशभक्ति गीत की मनमोहक प्रस्तुति की गई तथा पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जनपद न्यायाधीश ने कहा कि हमारे संविधान में लोगों को निःशुल्क न्यायिक और विधिक सहायता, परामर्श की परिकल्पना की गई है। न्यायपालिका, जिला प्रशासन के सहयोग से आम जन तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने हेतु प्रतिबद्ध है जिससे जितने भी वंचित लोग हैं जिन तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है उन तक इसका लाभ पहुंचाया जाए, हम सभी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करेंगे। समाज के हर व्यक्ति के लिए न्याय सुलभ हो सके, संविधान की परिकल्पना की पूर्ति हो सके, इसी उद्देश्य से आज इस सहायता शिविर का आयोजन किया गया है, उन्होंने सभी से पुलिस लाइन परिसर में लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन करने तथा योजनाओं से लोगों जागरूक होने की अपील भी की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी न्यायिक विधिक सहायता मिले, आम जन जागरूक हो इसके दृष्टिगत यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने बताया कि सभी थानों पर मिशन शक्ति केंद्र की स्थापना की गई है जहां महिलाओं की समस्या सुनी जा रही है तथा उन्हें न्यायिक और विधिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया जिसके अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकगण, नगर पालिका के सफाई मित्रों का सम्मान, पशुपालन अंतर्गत नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को चेक वितरण, प्रोबेशन विभाग से निराश्रित महिला पेंशन योजना अंतर्गत विधवा पेंशन के लाभार्थियों, कृषि विभाग के लाभार्थियों, उद्यान विभाग के लाभार्थियों, मत्स्य विभाग के लाभार्थी, सीएम युवा उद्यमी विकास योजना के लाभार्थी, राजस्व विभाग अंतर्गत कृषक दुर्घटना बीमा योजना की लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

संक्षेप

ताला तोड़कर घर में घुसे, दो लाख के गहने चोरी

जौनपुर। लाइनबाजार क्षेत्र के चंद्रिका सिंह कालोनी में शनिवार की रात लगभग नौ बजे चोरों ने एक के घर को निशाना बनाया। चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुस गए उसके बाद उन्होंने कई आलमारियों को तोड़ डाला। आलमारी के लॉकर को तोड़कर सात हजार रुपये नगद सहित लगभग दो लाख का गहना उठा ले गए। बताते है कि उमेश मिश्रा ने लाइन बाजार क्षेत्र चंद्रिका सिंह कालोनी में मकान है। पिछले कुछ दिनों से उनका परिवार गांव में रहता है। मकान पर उनका पुत्र रहता है। शनिवार की शाम को छह बजे उनका पुत्र गांव चला गया नौ बजे श्री मिश्र अपनी पत्नी के साथ जब मकान पर पहुंचे तो देखा ढाई घण्टे में घर मे किसी की मौजूदगी नही होने का फायदा उठाते हुए चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़ घर में घुस गए और बारी बारी से सभी कमरों की आलमारी का ताला व लॉकर तोड़कर पूरे घर को खंगाल डाला। श्री मिश्रा ने बताया कि चोर एक सोने कि चैन, चांदी का प्लेट, नारियल, सुपारी, पायल सहित कुछ गहने सहित व सात हजार नगदी उठा ले गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पर सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता को दी गयी। उन्होंने तत्काल टीडी कालेज चैकी प्रभारी अरविंद यादव को मौके पर भेजा। उन्होंने रात से ही कालोनी में लगे सीसी कैमरे की जांच पड़ताल शुरु कर दिया। ज्ञात हो पिछले वर्ष कालोनी के नरेंद्र बहादुर सिंह के आवास पर 14 नवम्बर की रात को सात लाख रुपये के गहने की चोरी हुई थी कालोनी के ही अखिलेश सिंह की बॉइक सहित कई अन्य चोरी हुई की घटना हुई है। इस घटना से पूरे कालोनी के लोग दहशत में है।

मरीजों की हुई जांच दवाएं वितरित

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय विकास खंड स्थित पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से आए ग्रामीण मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं दी गई। हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। इसी तरह मतवार स्वास्थ्य केंद्र पर 25 मरीजों की जांच की गई। बरोधा स्वास्थ्य केंद्र पर 29 मरीजों का, डूमरगंज में 36 तथा मुड़पेली स्वास्थ्य केंद्र पर 39 मरीजों का इलाज किया गया। आरोग्य मेले में सर्दी, जुकाम, बुखार, सिर दर्द, ब्लड प्रेशर व शुगर समेत सामान्य बीमारियों की जांच की गई और मौसम बदलने पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

संदिग्ध परिस्थिति में अधेड़ की मौत

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा चौकी अन्तर्गत महराजगंज निवासी हीरामणि कोल 65 वर्षीय ने शनिवार को सायं सात बजे के करीब संदिग्ध परिस्थितियों में अपने शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ छीडकर आग लगा लिया। इस दौरान बचाव में आई पतोहू कौशिल्या झुलस कर घायल हो गई। जिसका बरौंधा स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार हीरा मणि के पांच पुत्रों में से चौथे नंबर के पुत्र विष्णु की आज के चार वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। जिसकी दो बच्चियां वर्षा, अनन्या, और एक पुत्र गोलू था। पति की मृत्यु के पश्चात ऊषा बच्चों को छोड़कर कही अन्यत्र चली गई थी। तीनों बच्चों की परवरिश बडी मम्मी गीता और हीरा मणि किया करते थे। है कि बीते 20 फरवरी को बच्चों की मां ऊषा आकर तीनों बच्चों को स्थानीय प्रधान की मौजूदगी में अपने सुपुर्दगी में लेकर चली गई। शनिवार सायं इसी बात के कलह को लेकर हीरा मणि ने संदिग्ध परिस्थितियों में ज्वलनशील पदार्थ छीडककर आग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली स्वजनों द्वारा उपचार के लिए एंबुलेंस से लालगंज सी एच सी ले जाया गया जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मीरजापुर जाते समय बीच रास्ते में ही हीरा मणि की मृत्यु हो गई। स्वजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का दाह संस्कार कर दिया। इस संबंध में लालगंज इंस्पेक्टर अभय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के अन्य लड़को द्वारा कोई सूचना दिए बिना शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

युवक की दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या

जौनपुर। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में रविवार सुबह दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जमुनीपुर निवासी 25 वर्षीय शुभम शुक्ला पुत्र राजेश शुक्ला रविवार पूर्वान्ह लगभग 10 बजे गांव स्थित प्राइमरी स्कूल की ओर गया था। आरोप है कि उसी दौरान बदमाशों ने मगरमऊ रोड पर उसे चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। खून से लथपथ हालत में युवक सड़क पर पड़ा मिला। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बरसठी थाना पुलिस भी पहुंची और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर कोतवाली पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। मृतक के पिता राजेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि शनिवार शाम करीब पांच बजे गांव निवासी सुरेंद्र सरोज की पत्नी उनके घर आई थी और बेटे को जान से मरवाने की धमकी दी थी। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया गया है।

घर में तोड़फोड़ व लूट का आरोप, लगायी गुहार

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव निवासी राजकुमार यादव ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों पर घर में घुसकर तोड़फोड़ व लूटपाट करने का आरोप लगाया है। राजकुमार यादव, जो वर्तमान में राजस्थान के पचपदरा स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं, ने आरोप लगाया कि 30 अक्टूबर 2024 को पड़ोसी अनुराग की हत्या के मामले में उनके परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी के दौरान प्रशासन की मौजूदगी में घर की महिलाओं के करीब 20 लाख रुपये के जेवरात व पांच लाख रुपये नकद ग्राम प्रधान वीरेंद्र यादव को सुरक्षा के लिए सौंपे गए थे। आरोप है कि बाद में उक्त सामान वापस नहीं किया गया। पीड़ित का कहना है कि उनकी अनुपस्थिति में ग्राम प्रधान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर घर में रखा अनाज, गैस सिलेंडर, इंजन व अन्य कीमती सामान उठा लिया तथा मकान की छत, खिड़की और दरवाजों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने करीब डेढ़ करोड़ रुपये के नुकसान का दावा करते हुए बच्चों के शैक्षणिक दस्तावेज गायब होने की भी बात कही है। पीड़ित ने थानाध्यक्ष से मौके पर जाकर वीडियोग्राफी कराने और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकार पर अभद्र टिप्पणी अभियुक्त के घर नोटिस चस्पा

जौनपुर। थाना बक्शा की पुलिस ने सोशल मीडिया पर पत्रकार के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में सख्त रुख अपनाया है। प्रकरण में वांछित अभियुक्त सिंगर निलेश यादव पुत्र राम अवध यादव के घर बेल्छा पुलिस ने नोटिस चस्पा कर 23 फरवरी तक थाने में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

मामला जिला संवाददाता देवेंद्र खरे के विरुद्ध सोशल मीडिया पर की गई अमर्यादित टिप्पणी से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी द्वारा फेसबुक के माध्यम से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। थाना बक्शा प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त को निर्धारित तिथि तक थाने में उपस्थित होकर जांच में सहयोग करने का अवसर दिया गया है। यदि वह तय समयसीमा के भीतर पेश नहीं होता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

विषाक्त पदार्थ के सेवन से अचेत की उपचार के दौरान मौत

मीरजापुर। लालगंजथाना क्षेत्र के लहंगपुर निवासी 40 वर्षीय रत्नाकर ने अज्ञात कारणों से शनिवार को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। स्वजनों को जानकारी होने पर आनन-फानन उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल मीरजापुर लेकर गए। जहां उपचार के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। अस्पताल से मिली जानकारी के बाद लहंगपुर चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत लहंगपुर निवासी हरिनाथ का 40 वर्षीय पुत्र रत्नाकर शनिवार को अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। स्वजनों को जानकारी होने पर आनन-फानन उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। चौकी प्रभारी सुजीत सेठ ने बताया कि शनिवार की रात अस्पताल के इमरजेंसी में स्वजनों ने रत्नाकर को अचेतावस्था में भर्ती कराया था जहां उपचार के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इधर रत्नाकर की मौत की जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। रत्नाकर के दो पुत्री है जिनमें बड़ी पुत्री 22 वर्षीया शिवानी व 13 वर्षीया काजल है अभी किसी पुत्री की शादी नहीं हुई है। पत्नी व बेटियों का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रेमी युवक चढ़ा हाईटेंशन बिजली के टावर पर, मचा हड़कंप

लालगंज, मीरजापुर। प्रेमिका से शादी न होने से नाराज प्रेमी युवक रविवार को सुबह बसही कला गांव के हाईटेंशन बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक के हरकत से पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई। पुलिस प्रशासन भी सकते में आ गया, गनीमत था की युवक ज्यादा उपर टावर पर नहीं चढ़ा था, उसके पहले काफी पुलिस मान मनौव्वल के चार घंटे बाद नीचे उतारने में सफल हुए। लालगंज थाना क्षेत्र के बसही कला गांव निवासी 22 वर्षीय युवक पवन कुमार पुत्र राजकुमार बगल के गांव पतुलकी की एक लड़की से प्रेम करता है। इसी बीच पता चला कि लड़की की शादी कहीं दूसरे जगह लड़की के मां बाप ने शादी तय कर दी। जानकारी में बताया गया की लड़का लड़की दोनों बालिग है और अनुसूचित जाति के है लेकिन लड़की दूसरे जाति की और लड़का दूसरे जाति की है। इस लिए लड़की पक्ष उस लड़के से शादी नहीं करना चाहते थे। इधर लड़के के पिता राजकुमार ने बताया की लड़के की शादी तय है। पिता ने बताया की मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहा हूं। लड़के की मांग के आगे असहज दिखाई दिए। उधर लड़की की शादी दूसरे जगह तय होने की जानकारी मिलते ही लड़का नाराज होकर अपने बसही कला गांव में स्थित वाराणसी रीवा हाईवे सड़क के पास में स्थित बिजली के हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया। इसकी खबर फैलते ही लालगंज थाने के उप निरीक्षक काशी प्रसाद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को मनाने में जूट गए, पुलिस ने चार घंटे तक मान मनौव्वल के बाद युवक को नीचे उतारने में सफल रहे। युवक को स्वजन के साथ थाने पर बुलाकर पुलिस द्वारा काउंसिलिंग की गई।

लापता लड़के का शव मिला

बलिया। जिले के रसड़ा क्षेत्र में तीन दिन पहले कथित रुप से अपहृत एक लड़के का शव मिला है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि रसड़ा थाना क्षेत्र के कोटवारी गांव स्थित खंडहर पड़े एक मकान में शनिवार को रिजवान नामक 12 वर्षीय लड़के का शव बरामद किया गया। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि कोटवारी गांव की रहने वाली सैरुन निशा की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका बेटा रिजवान गत 18 फरवरी को अपने घर से लापता हो गया था।

संक्षेप

फागुन उत्सव की तैयारियां तेज, नगर में भक्ति का महासंगम 26-27 को

कुशीनगर। श्री श्याम मित्र मंडल पडरौना की आयोजन समिति की बैठक श्री श्याम मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। इसमें आगामी श्री श्याम फागुन उत्सव को भव्य रूप देने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। मंदिर परिसर और बाबा का विशेष श्रृंगार कोलकाता व बनारस के कलाकारों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक अखिलेश गोयल व संतोष गोयंका ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया 26 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक श्याम नाम मेहंदी, सायंकाल 7 बजे ताली व मनुहार कीर्तन होगा। 27 फरवरी प्रातः 7 बजे निशान पूजन के बाद घोड़ा, हाथी, बैंड-नगाड़े के साथ नगर भ्रमण निकलेगा। शाम 7 बजे से भजन संध्या में झुंझुनू (राजस्थान) से पधार रहे भजन गायक सचिन तुलस्यान और सुभाष पारीक भजनों की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बैठक में अध्यक्ष मनीष चिरानिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज, आरोपी बाबू निलंबित

देवरिया। कृष्ण मोहन सिंह के आत्महत्या के मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। परिजनों की तहरीर पर नामजद एफ आई आर संबंधित थाने में दर्ज कर ली गई है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश पर सीडीओ की अध्यक्षता एसडीएम सदर /डीआईओएस की जांच टीम गठित की गई है, जो पूरे मामले की बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु आरोपित पटल सहायक संजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध है।

मतदाता सूची की शुद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता

देवरिया। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जनपद देवरिया में चल रहे विशेष अभियान के तहत जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने विभिन्न बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ की उपस्थिति, प्राप्त प्रपत्रों (फॉर्म 6, 7 एवं 8) की प्रगति तथा आम नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि, अपूर्णता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बूथों पर आयोजित विशेष शिविरों में पहुंचकर नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन तथा प्रविष्टियों में संशोधन की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं, महिलाओं एवं दिव्यांगजनों का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी प्रपत्रों का समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाये।

भरहेचौरा पुल निर्माण भूमि पूजन संपन्न

● क्षेत्र के विकास को मिलेगी नयी गति

भटनी (देवरिया)। स्थानीय विकासखंड के ग्राम भरहेचौरा के समीप छोटी गंडक नदी के मंगल बाबा घाट पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजा अर्चन के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी रहे। वहीं कार्यक्रम में प्रस्तावक के रूप में रामपुर कारखाना के विधायक सुरेंद्र चौरसिया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भाटपाररानी के विधायक सभाकुंवर कुशवाहा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पुल के निर्माण से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि जनता ने एक गरीब परिवार के बेटे को विधायक बनाकर जो विश्वास जताया है, उसे वे विकास कार्यों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भरहेचौरा पुल सहित रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र में तीन पक्के पुलों का निर्माण कार्य जारी है। साथ ही क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कों को टू-लेन किया जा चुका है तथा हर गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने और उनकी क्षमता बढ़ाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है। इलाज के लिए आवेदन करने पर सरकार की ओर से त्वरित सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने भरहेचौरा गांव में एक अंत्येष्टि स्थल बनवाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर भाटपाररानी के विधायक सभाकुंवर कुशवाहा ने कहा कि क्षेत्र में स्कूल, सड़क और पुल जैसे विकास कार्य होने से आसपास के लगभग 50 गांवों के साथ-साथ बिहार के लोगों को भी आवागमन और शिक्षा के क्षेत्र में सुविधा मिलेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अजीत कुमार सिंह ने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए सांसद और विधायक से भरहेचौरा गांव में अंत्येष्टि स्थल के निर्माण की मांग रखी। उन्होंने कहा कि पुल बनने से क्षेत्र की जनता को वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी और व्यापार तथा शिक्षा के अवसर भी बढ़ेंगे। इस दौरान विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने जिला पंचायत सदस्य अजीत कुमार सिंह की क्षेत्रीय विकास के प्रति सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख बनकटा बिंदा सिंह कुशवाहा, जय नाथ कुशवाहा गुड्डन, ग्राम प्रधान अशोक यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भटनी मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने की तथा संचालन जयप्रकाश मिश्रा एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर विशंभर तिवारी, प्रकाश पांडे, दिवाकर यादव, राजेश कुशवाहा, अमित तिवारी, कृष्णा, आशीष पासवान, दिनेश साहनी, लखन यादव, अवधेश यादव, गुड्डू अंसारी, रोशन जमीर, राम अवतार कुशवाहा, शकुंतला यादव, रमेश प्रजापति, हितेंद्र तिवारी, विजय गुप्ता, रमेश वर्मा, टुनटुन वर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

नंदगांव बना जैविक खेती का प्रशिक्षण केंद्र

चांदा, सुलतानपुर (वीओएल)। जनपद के नन्दगाँव ढाबा परिसर में सुल्तानपुर के सभी विकास खण्डों से आए प्रगतिशील किसानों का जुटान हुआ। किसान जैविक खेती और ऑर्गेनिक खाद के प्रशिक्षण हेतु पहुंचे थे। कार्यक्रम का संयोजन कृषि विभाग सुलतानपुर के कृषि उपनिदेशक श्रीराम आश्रय द्वारा किया गया। विभागीय टीम किसानों को बस से नंदगांव लाई। यहां किसानों को ऑर्गेनिक खेती, कंपोस्ट निर्माण तथा बादाम, सेब और हर्बल गार्डन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। वहीं नंदगांव ने यह मिथक तोड़ा कि अवध की भूमि पर सेब-बादाम नहीं उग सकते जहाँ पर नन्दगाँव ने उगा कर मिशाल पेश कर रहा है। खास कर प्रशिक्षण आकर्षण रहा मिक्स मसाला पौधा, जिसे आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान ने विकसित किया है, जिसके पत्तों से 14 मसालों की सुगंध आती है। किसानों ने छोटी जोत में अधिक मुनाफे वाली व्यावसायिक खेती पर विशेष रुचि दिखाई। दीमक की समस्या पर मदार के पत्ते उपयोग करने की जानकारी दी गई। सरकंडा, मिट्टी व लकड़ी से बनी कॉटेज भी आकर्षण का केंद्र रही। अंत में किसानों ने अमृत कुंड पर गंगा आरती की और बाटी-चोखा का स्वाद लिया।

वैश्य महासभा ने की कर्म कांड के लिए भूमि आवंटन की मांग

कसया, कुशीनगर। मद्धेशिया वैश्य महासभा द्वारा नगर पालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष/ईओ को पत्रक सौंपकर वार्ड नंबर 13 राम जानकी नगर/ब्रम्ह स्थान में कर्म कांड, नित्यकर्म हेतु भूमि आवंटन की मांग की। रविवार को महासभा के राष्ट्रीय मंत्री हीरालाल, प्रदेश मंत्री प्रभात कुमार, नगर अध्यक्ष पन्ना लाल मद्धेशिया के नेतृत्व में नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल को दिए गए पत्रक में महासभा ने मृत्यु के उपरांत होने वाले कर्मकांड हेतु भूमि आवंटन की मांग की। नगर अध्यक्ष श्री मद्धेशिया ने कहा कि नपा के वार्ड नंबर 13 और 27 के निवासियों को कर्म कांड और नित्य कर्म के लिए परेशान होना पड़ता है। इसलिए भूमि अतिशीघ्र आवंटित किया जाए। जहां लोगों को बुनियादी सुविधा मिल सके। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने महासभा की मांगो पर सकारात्मक कदम उठाए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पन्नेलाल मद्धेशिया, संजय मद्धेशिया, राधे मद्धेशिया, विंध्याचल, गुलाब मद्धेशिया, कुश कुमार, गणेश मद्धेशिया, कृष्णा मद्धेशिया, राजू मद्धेशिया, अवधेश मणि, राहुल, अंगद मद्धेशिया, सुनील, रविन्द्र कश्यप, ओम प्रकाश, विजय गुप्ता, मनोज आदि मौजूद रहे।

8 मार्च को 11 कन्याओं का होगा सामूहिक विवाह

कुशीनगर। पूर्वांचल मानव सेवा संस्थान द्वारा 8 मार्च को पडरौना नगर के जटहाँ रोड स्थित बुढ़िया माई मैरेज लॉन में 11 सौभाग्यशाली कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। यह जानकारी कार्यक्रम अध्यक्ष दीप नारायण अग्रवाल व प्रबंधक पप्पू पाण्डेय ने संयुक्त रूप से मीडिया से मुखातिब होकर दी। छह वर्ष से अनवरत चल रहे इस कार्यक्रम मे संस्था द्वारा अब तक 31 कन्याओं का विवाह जनसहयोग के माध्यम से कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आयोजन पूरी तरह दहेज-मुक्त व नशा-मुक्त रहेगा। उन्होंने कहा कि महान समाज सुधारक राजा राम मोहन राय के आदर्शों पर चलते हुए इस वर्ष विधवा-विधुर पुनर्विवाह भी कराया जाएगा। संस्था प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का सामान देगी। इतना ही नहीं, जो दंपति पांच वर्षों तक सफलतापूर्वक वैवाहिक जीवन व्यतीत करते हैं, उन्हें लगातार पांच वर्षों तक 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। इस कार्यक्रम में निःशुल्क पंजीकरण के साथ बालिग वर-वधू और दोनों परिवारों की सहमति अनिवार्य रखी गई है।

एनएसएस शिविर : युवा किताबों की जगह मोबाइल से कर रहे हैं इश्क : अंबुजेश

कुशीनगर। राष्ट्रीय सेवा योजना के पांचवें दिन मुख्य अतिथि अंबुजेश ने शिक्षा के बदलते स्वरूप से युवाओं का सामंजस्य विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि वर्तमान शिक्षा का सबसे बड़ा संकट गुरु - शिष्य संबंध में गिरावट है। हमारा युग इस बात का साक्षी है कि हमारे युवा किताबों की जगह मोबाइल से इश्क कर रहे हैं। यह वर्तमान शिक्षा के पतन का एक प्रमुख कारण है। आपने युवाओं को रटने की जगह समझने का सुझाव दिया। आपने बताया कि रटे गए गए ज्ञान, समझे गए ज्ञान और उतारे गए ज्ञान में काफी अंतर होता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में रटने की जगह समझने पर बल दिया जाता था। प्राचीन भारत में शिक्षा का स्तर बहुत ऊंचा था। उस समय सभी लोग साक्षर थे क्योंकि शिक्षा हमारे लिए आजीविका का साधन नहीं अपितु एक संस्कार थी। ब्रिटिश काल में प्रत्येक गांव में गुरुकुल थे। शिक्षा व्यवस्था समाज द्वारा संचालित और आत्मनिर्भर थी। आपने युवाओं से आह्वान किया कि प्रतिदिन कम से कम 2 घंटे मोबाइल से दूर रहें। मुख्य का परिचय कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य द्वारा कराया गया जबकि आभार डॉ पारस नाथ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अंकित कुशवाहा ने किया। दिन शुरूआत स्वयंसेवकों द्वारा कसया नगर में स्वच्छता जागरूकता रैली निकालने के साथ की गई। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों को गुलाब भेंट कर ऐसा न करने हेतु प्रेरित किया गया। स्वच्छता रैली में कसया नगर पालिका के स्वच्छता कर्मियों ने भी सहयोग किया।

विधिक सेवा प्राधिकरण का मेगा विधिक सहायता शिविर आयोजित

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया के तत्वाधान में मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में आमजन को दिया गया सरकारी योजनाओं का लाभ। उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिये गये दिशा-निर्देश में आज प्रातः 10 बजे राजकीय इण्टर कालेज देवरिया में जनपद न्यायाधीश श्री धनेन्द्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री बद्री विशाल पाण्डेय, नोडल अधिकारी/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री मनोज कुमार तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी देवरिया श्री राजेश कुमार सिह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/सिविल जज (एस0डी0) श्रीमती शैलजा मिश्रा एवं जिला कारागार अधीक्षक, देवरिया श्री आशीष रंजन के द्वारा वृह्द मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनपद के सम्बन्धित विभागो के द्वारा चिन्ह्नित लाभार्थियों को स्टाल लगाकर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं का लाभ देकर विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान 531 निर्बल, निर्धन, बच्चे, महिलाएं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों को संबंधित विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत जनपद न्यायाधीश के द्वारा लाभान्वित कर उन्हे प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान विशेषतः दिव्यांग जनों को 46 ट्राईसायकिल, कुष्ट रोगी को एडीएल कीट 22, मानसिक रोगी जन को 10 एमआर कीट, व नेत्रहीन दिव्यांगो को 5 स्मार्टकैन छड़ी तथा अन्य विभागों के द्वारा भी 448 लाभार्थियों को लाभ प्रदान कर समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और छह माह के नवजात बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया।

संस्कार व शिक्षा से ही बनेगा सशक्त भारत : आरपीएन

जिला संवाददाता (vol)

● रियल पैराडाइज ऐकडमी के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम मे नौनिहालों ने बिखरे नमस्ते प्रतिभाओं का जलवा

कुशीनगर। पडरौना नगर स्थित रियल पैराडाइज ऐकडमी स्कूल का वार्षिकोत्सव रविवार को उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री व राज्यसभा सांसद आरपीएन सिह सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ किया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। इसके बाद नौनिहालों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों ने शिक्षा का महत्व, शिक्षा का अधिकार, माता-पिता और गुरुजनों के प्रति दायित्व, राष्ट्रभक्ति जैसे गंभीर विषयों पर प्रभावशाली नाट्य मंचन प्रस्तुत किए, जिन्हें खूब सराहा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा देने का स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यहां तैयार होने वाले विद्यार्थी ही आने वाले दिनो में भारत की दिशा और दशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का दौर प्रतिस्पर्धा का है, लेकिन केवल अंकों की दौड़ में शामिल होना ही सफलता नहीं है, बल्कि संस्कार, अनुशासन और चरित्र ही व्यक्ति को असली पहचान दिलाते हैं। मुख्य वक्ता व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. रामजियावन मौर्य ने कहा कि विद्यालय संस्कारों का वह मंदिर है जहां से यह बच्चे निकलकर शिक्षक, इंजीनियर, उच्चाधिकारी और सफल राजनेता बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरुओं और माता-पिता का सम्मान करने की सीख देते हुए कहा कि यही सम्मान उन्हें जीवन में उच्च शिखर तक पहुंचाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप मे सदर विधायक पडरौना मनीष जायसवाल, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय, हनुमान इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य शैलेंद्र शुक्ल सहित अन्य अतिथियों ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि लगन, मेहनत और अनुशासन सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता पाण्डेय व प्रबंधक डॉ. नीरन पाण्डेय ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन ने शिक्षा के साथ संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश दिया।

गन्ने के साथ प्याज की खेती से बढ़ेगी आयः ओपी गुप्ता

कुशीनगर। वसंतकालीन गन्ने के साथ प्याज की सहफसली खेती करके 135 से 140 दिनों में एक एकड़ गन्ने में 75 से 85 कुन्तल प्याज होगी, मई में प्याज की फसल तैयार हो जाती है। यह जानकारी गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने दी। बताया कि प्याज का प्रयोग प्रत्येक परिवार में सलाद, मसाला तथा सब्जी बनाने के रूप में होती है। प्याज को औषधि के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

प्याज में फास्फोरस कैल्शियम और काबोर्हाइड्रेट होता है, विटामिन सी भी होता है। प्याज की प्रमुख किस्में पूसा रेड, एन-53, अर्का प्रगति एग्रीफाउण्ड लाइट रेड, पूसा माधवी, अर्का कल्याण आदि हैं। गन्ने की प्रजातियाँ को.शा. 13235, को. 0118, को.लख. 14201, को.से. 8452, को.शा. 17231, 18231, को.से. 17451, को.लख. 16470 ये प्रजातियां गन्ना शोध संस्थान, चीनी मिलों द्वारा भी दी जा रहीं हैं। प्याज की वैज्ञानिक खेती व शोध तकनीक के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में ओम प्रकाश गुप्ता ने प्याज अनुसंधान संस्थान राजगुरूनगर पुणे महाराष्ट्र जाकर वैज्ञानिकों के साथ प्याज अनुसंधान प्रक्षेत्र को देखा व जानकारी प्राप्त किया। नासिक प्याज अनुसंधान केन्द्र जाकर प्रशिक्षण भी लिया है। खेत की अच्छी तरह तैयारी करें अंतिम जुताई के समय सड़ा गोबर 70 से 80 कुन्तल एक एकड़ खेत में प्रयोग करें, 5 किग्रा ट्राईकोडर्मा डाले, गन्ने की बुवाई 120 सेमी. की दूरी पर नाली बनाकर करें। गन्ने की दो लाइन के बीच खाली स्थान में प्याज के लिए गन्ने के अतिरिक्त अलग से उर्वरक 50 किग्रा डीएपी, 20 किग्रा यूरिया, 30 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश, 5 किग्रा सोटा सल्फर 80 प्रतिशत डब्लूडीजी प्रयोग कर हल्की गुड़ाई कर मिट्टी में मिला दें। एक किग्रा ह्यूमिक एसिड हुवली 98 प्रतिशत प्रयोग करें। महाराष्ट्र में प्याज-गन्ना किसान खुशहाल है। वहां से प्याज उप्र भी आ रही है। रोपाई का तरीका- गन्ने की दो लाइनों के बीच प्याज की चार लाइन रोपाइ करें। प्याज की लाइन से लाइन की दूरी 15 सेमी. तथा पौधा से पौधा की दूरी 10 सेमी. रखनी चाहिए। उचित होगा कि प्याज के पौधों की नर्सरी गिराएं। इस समय देर हो गई है इसलिए बाजार से खरीदें। यदि पौध नहीं मिलता है तो तरकुलवा के पास ग्राम सबवट कैथवलिया में किसान जयसिंह कुशवाहा से पास एक बिगहा खेत में प्याज की नर्सरी उपलब्ध है। ओम प्रकाश गुप्ता ने प्याज की नर्सरी देखा व सराहना की। प्याज गन्ने में कीट नियंत्रण कैसे करता है के बारे में श्री गुप्ता ने बताया कि प्याज में उड़नशील तेल पाया जाता है जिसका नाम है एलाइल प्रोपाइल डाई सल्फाइड। इसी के कारण प्याज छिलते समय आँख में तीखा लगता है जो गन्ने में लगने वाले अंकुर बेधक पिहिका कीट को नियंत्रित करता है। जिससे गन्ने की उपज बढ़ जाती है। गर्मी में प्याज को पानी चाहिए, इसका भी लाभ गन्ने को होता है। गन्ने की उपज 400 कुन्तल एकड़ होगी। निराई कर खरपतवारों को निकाल दें, आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करें। वैज्ञानिक ढंग से खेती करने पर एक एकड़ में 75 से 85 कुंतल प्याज की उपज होगी। 15 रु. प्रति किलो बेचने पर एक से सवा लाख की प्याज होगी। इससे गन्ने की उत्पादन लागत घटेगी।

एटीएम से 55 हजार की टप्पेबाजी सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

गोसाईगंज, सुलतानपुर (वीओएल)। कटका बाजार में एटीएम मशीन से पैसा निकालने पहुंचे युवक के साथ टप्पेबाजी की वारदात हो गई। जालसाजों ने युवक को झांसे में लेकर उसके एटीएम कार्ड पर हाथ साफ कर दिया। थोड़ी ही देर में खाते से 55 हजार रुपये निकल गए। पुलिस मामले के खुलासे को लेकर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले में जुटी हुई है। थानाक्षेत्र डोडापुर निवासी विपिन शर्मा शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे कटका बाजार सेमरी मोड़ स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे थे। उन्होंने पहले 5 हजार रुपये निकाले। इसी दौरान पीछे खड़े दो अज्ञात युवकों ने झांसे में लेकर एटीएम कार्ड पार कर दिया। कुछ देर बाद विपिन के मोबाइल पर खाते से लगातार निकासी के मैसेज आने लगे। दोपहर 12:17 बजे से 12:22 बजे के बीच कूरेभार स्थित एटीएम से आरोपियों ने पांच बार 10-10 हजार रुपये और एक बार 5 हजार रुपया निकाल लिया। इस तरह कुल 55 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। विपिन बच्चों की फीस जमा करने के लिए पैसे निकालने गए थे, तभी उनके साथ यह घटना हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एटीएम केंद्र और आसपास की दुकानों में लगे कैमरों की जांच शुरू कर दी। पीड़ित का कहना है अभी मुकदमा दर्ज नही हुआ है। पुलिस ने सोमवार तक का समय मांगा है। क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी ने बताया कि एटीएम से टप्पेबाजी की घटना हुई है। मामले के खुलासे के लिए दो टीमों को लगाया गया है।

थाई मॉनेस्ट्री के तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ शुभारंभ

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मॉनेस्ट्री में आयोजित पांच दिवसीय बुद्ध धातु शोभायात्रा समारोह के तीसरे दिन थाई क्लिनिक में तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का मुख्य अतिथि ट्रस्टी थाई मंदिर मिस्टर नवरीत, मिस्टर सोरकीट ने शुभारंभ किया। रविवार को आयोजित निःशुल्क कैंप में थाई मंदिर के प्रमुख फ्रा फ्राविडेश्चेरियन (डॉ. पी सोम पोंग) ने कहा कि भगवान बुद्ध की करुणा, मैत्री और शांति के उपदेशों से प्रेरित होकर वर्ष 2002 से रॉयल थाई द्वारा स्थापित क्लिनिक के माध्यम से कुशीनगर के लोगों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। बुद्ध के उपदेश मानव कल्याणकारी हैं। शिविर में चिकित्सक डॉ सचिन शर्मा और उनकी टीम फार्मासिस्ट भारतेंदु भूषण, काजल यादव, सीमा सिंह और थाई क्लिनिक के बारे ने विस्तार से बताया। शिविर में 100 मरीजों का इलाज कर दवा वितरित किए। इसी क्रम में थाइलैंड से आए 108 भिक्षुओं का स्वागत फ्रा सोम पोंग के नेतृत्व में पुष्प वर्षा कर किया गया। यह दल बोधगया, बनारस, कौशांबी, संकिसा, लखनऊ श्रावस्ती होते हुए कुशीनगर पहुंचा था। जो पूरे समारोह में शामिल रहेंगे। सभी के प्रति आभार भंते सोन क्रान ने व्यक्त किए। इस दौरान अंबिकेश त्रिपाठी, ओम प्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, गौतम शर्मा, सूरज यादव आदि मौजूद थे।

प्रतिभा खोज परीक्षा में 400 से अधिक बच्चों ने लिया भाग

कूरेभार, सुलतानपुर (वीओएल)। राज इंटर कॉलेज, पूरे सागर कूरेभार सुलतानपुर में सत्र 2026-27 के तहत आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा में लगभग 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय परिसर में सुबह से ही बच्चों और अभिभावकों की भीड़ देखी गई।

विद्यालय की प्रबंधक रमेश वर्मा ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि धन के अभाव में कोई भी बच्चा अपनी शिक्षा से वंचित न रहे, इसी संकल्प के साथ विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है। परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय की ओर से निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए स्कूल बैग, कॉपी, पुस्तकें तथा अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री भी प्रदान की जाएगी। प्रबंधक ने बताया कि इससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और वे उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित होते हैं। परीक्षा के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आर.पी. वर्मा, अनिल वर्मा, जितेंद्र, प्रदीप, इनू, रेखा, पवन, विजय, विवेक, रानी व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अभिभावक मौजूद रहे। सभी ने परीक्षा व्यवस्था को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतिभा खोज परीक्षा को लेकर बच्चों और अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छतोह के कुलदीप को सीएम ने किया सम्मानित

नसीराबाद, रायबरेली। लखनऊ के 5 कालिदास मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता राशि का वितरण किया। कृषि को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हुए अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में किसान भाइयों का बड़ा योगदान है। खेती से होने वाली आय में वृद्धि करके ही प्रदेश समृद्धशाली बन सकेगा। उन्होंने कृषि यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत विकास खण्ड छतोह के ग्राम सभा बनी निवासी कुलदीप मौर्य को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में आधुनिक कृषि उपकरणों पर लगभग 32 लाख रुपए का अनुदान प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कुलदीप मौर्य को मिले उन्नत कृषि उपकरणों से क्षेत्र में खेती को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख तथा विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जानकारी के लिए बता दें कि कुलदीप मौर्य प्रगतिशील किसान हैं। इनके पिता स्व. छेदी लाल मौर्य ग्राम प्रधान और इनकी भाभी सुधा मौर्य ब्लाक छतोह की निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। इस उपलब्धि पर सलोन भाजपा विधायक अशोक कुमार कोरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र बहादुर सिंह, शिव शंकर बरनवाल, राजेंद्र बहादुर सिंह, गौरव बरनवाल, वीरेंद्र बहादुर सिंह, राज करन यादव सहित सभी शुभ चिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप, केस दर्ज

फिरोजाबाद। थाना नागला खंगर क्षेत्र की युवती ने अपनी मौसी के बेटे पर छेड़छाड़, जबरन संबध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना नगला खंगर क्षेत्र के एक गांव की युवती ने शिकायती पत्र देते हुए कहा कि वह करीब तीन चार माह पहले अपनी मां के साथ अपनी मौसी के घर पर गई थी। इसी दौरान वहां पर मौसी के जेठ का लड़का गोलू पुत्र लाल बहादुर, अनिल पुत्र राज बहादुर ने मौसी के घर पर आकर उसके साथ छेडखानी कर अश्लील बातें करते थे। लेकिन युवती लोकलाज के भय से किसी से कुछ नहीं कहा तो दोनों आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए। दोनों आरोपी युवती से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगे। पीड़िता का आरोप है कि गोलू उससे शादी के लिए दबाव बनाता है।

भाजपाइयों ने सुना पीएम के मन की बात

लालगंज, रायबरेली। सरेनी विधानसभा लालगंज के सभी मंडलों लालगंज, डलमऊ, सरेनी, गेगासो बेनीमाधवगंज में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात का संबोधन सुना और संबोधन के अनुसार कार्य करने की योजना पर बल दिया। इस एपिसोड में, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और होली के त्योहार पर चर्चा की। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता अनूप पांडे, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, प्रदीप लोधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सुमेर लोधी, दल बहादुर सिंह एडवोकेट, शिवम गुप्ता ब्रम्हेंद्र विक्रम सिंह, देवी कुमार गुप्ता, आयुष बाजपेई, ओम गुप्ता, राजेश निर्मल, रिंकू बाजपेई, किशन गुप्ता आदि ने भी प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना है।

निरंकारी मिशन के स्वयंसेवकों ने की करुणा सागर घाट की सफाई

कसया, कुशीनगर। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृतह्व के चौथा चरण में गोरखपुर मार्ग स्थित हिरणयवती नदी के करुणा सागर घाट एवं छठ घाट की साफ-सफाई स्वयंसेवकों, जन प्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों ने किया। रविवार को आयोजित स्वच्छता अभियान की शुरूआत फावड़ा, कुदाल और पांचा लेकर जोनल इंचार्ज कमलेश मणि त्रिपाठी नगर पालिका परिषद प्रतिनिधि और भाजपा नेता राकेश जायसवाल, निरंकारी श्रद्धालुओं ने किया। श्री जायसवाल ने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए निरंकारी मिशन द्वारा सफाई अभियान सराहनीय प्रयास है। हम सभी को प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आना होगा। मिशन द्वारा देश में 1500 स्थानों पर प्रकृति के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देते हुए नदी, जलाशयों की सफाई की गई। यह सफाई मिशन के बाबा हरदेव सिंह जी महराज की शिक्षाओं की प्रेरणा है। इंचार्ज कमलेश मणि त्रिपाठी ने कहा सतगुरु माता का संदेश यही रहा है कि हम इस धरती को आने वाली पीढियां के लिए पहले से अधिक सुंदर स्वच्छ और संतुलित बनाने मे सहयोग करें स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान इस पावन संकल्प का संजीव प्रतीक है जो मानव को प्रकृति समाज और आत्मा से जोड़ते हुए संतुलित और से परिपूर्ण भविष्य की ओर मार्गदर्शन करता है। इस दौरान शिक्षक राकेश मणि, ज्ञानेंद्र गुप्ता, ज्ञानेश मणि, अनिल राय, धनवंत्री देवी, लक्ष्मी, राजकली, रीता, श्याम, उदय नारायण यादव, हीरालाल सिंह, मदनलाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

मेहनतकश को मिले देश के संसाधनों में अधिकार

ओबरा,सोनभद्र। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ेगी और इस समय कार्यरत बहुत सारे लोग नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। ऐसी स्थिति में लोगों की आजीविका की सुरक्षा के लिए देश के संसाधनों में मेहनतकशों के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा। यह बातें आज ओबरा में आयोजित ठेका मजदूर यूनियन के 23 वें जिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता पूर्व श्रमबंधु दिनकर कपूर ने कही। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर चुनिंदा पूंजी घरानों का कब्जा हो गया है। देश में असमानता आजादी से पूर्व से भी ज्यादा बढ़ गई है। देश की आय भी कुछ लोगों के हाथ में संकेन्द्रित होती जा रही है। जो संविधान के अनुच्छेद 39 का पूर्णतया उल्लंघन है। आज कॉर्पोरेट-हिंदुत्व-राज्य का संश्रय मजदूर, किसान, आम जनता के हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रहा है। ऐसी स्थिति में सिर्फ मांग और पूर्ति आधारित ट्रेड यूनियन आंदोलन नहीं बल्कि मेहनतकशों का एक राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। उम्मीद है कि यह सम्मेलन इस दिशा में आगे बढ़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए निर्णय जिसमें कहा गया कि न्यूनतम मजदूरी दी जाएगी तो मालिक काम नहीं देंगे और ट्रेड यूनियनों के कारण उद्योग बंद हुए हैं, पर बात रखते हुए दिनकर कपूर ने कहा कि दरअसल पूंजीपतियों के उत्पादन को जारी रखने के लिए श्रम शक्ति की नितांत आवश्यकता है। न्यूनतम मजदूरी इस श्रम शक्ति के जिंदा रहने की अनिवार्य शर्त है। यदि यह भी लोगों को नहीं मिला तो आने वाले समय में उत्पादन भी बुरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि ट्रेड यूनियनों ने नहीं बल्कि सरकारों ने पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए सरकारी उद्योगों को बंद किया या बेचा है। प्रदेश में बिजली क्षेत्र का निजीकरण इसका ताजा तरीन उदाहरण है। इसके खिलाफ लड़ने वाले बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों का बर्बर दमन इस सरकार में किया गया है। सम्मेलन में मंत्री तेजधारी गुप्ता ने रिपोर्ट रखी। इसमें कहा गया कि लेबर कोड आधुनिक गुलामी के दस्तावेज हैं। इन कोडो में 200 साल के संघर्षों से हासिल काम के घंटे 8 को बढ़ाकर 12 कर दिया गया है। फिक्स टर्म इम्पलाइमेंट लाकर जो थोड़ी बहुत सामाजिक सुरक्षा मजदूरों को थी वह भी छीन ली गई। फ्लोर लेवल वेज न्यूनतम मजदूरी से भी कम दर पर तय की गई है। ट्रेड यूनियन बनाने और प्रतिवाद दर्ज करने का लोकतांत्रिक अधिकार खत्म कर दिया गया है। सर्वोपरि श्रम विभाग की एनफोर्समेंट की शक्ति को खत्म कर फैसिलिटेटर बना दिया गया है, जिससे आने वाले समय पर मजदूरों को न्यूनतम राहत मिलना भी मुश्किल हो जाएगा।

मेगा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

उन्नाव (वीओएल)। मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में सैकड़ों को निःशुल्क कानूनी सलाह भी प्रदान की गयी। स्थानीय अरोरा रिसॉर्ट लॉन-2 में विशाल विधिक सहायता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। शिविर में लगभग 40 सरकारी विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। सैकड़ों लोगों को निःशुल्क कानूनी सलाह प्रदान की गई। विधिक सहायता के तहत पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड और दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और दवाइयाँ वितरित कीं। विधिक जागरूकता पर विभिन्न न्यायिक अधिकारियों ने व्याख्यान दिए।जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा ने न्याय तक पहुँचने का आह्वान किया। शिविर में महिलाओं, बच्चों और स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी रही। यह आयोजन विधिक जागरूकता और निःशुल्क कानूनी सहायता का महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

संक्षेप

झाड़ियों में वृद्ध का शव मिला

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम भूपतिपुर निवासी शिवपाल 65 पुत्र स्व अंगनू का दो सप्ताह बाद शव रविवार को असेहरु-मंझिगवां रोड किनारे स्थित निकट झाड़ियों की खंती में पड़ा मिला। घटना की बाबत बीते 20 फरवरी को शिवपाल की बहू रेनू पत्नी राजकुमार ने कोतवाली में तहरीर में बताया कि उसके ससुर शिवपाल लापता हैं। जबकि उसके पति व देवर बाहर रहते है और वह बच्चों संग गांव भूपतिपुर स्थित मकान में रहती है। जबकि ससुर शिवपाल 65 गांव के बाहर स्थित खेत में रहते हैं।उसके ससुर बीते 7 फरवरी को घर आकर शाम 5 बजे वापस चलें गये थे जिसके बाद वापस नहीं आये। जहां 19 फरवरी को गांव के एक युवक ने उसकी चचिया सास से आकर कहा कि उसे कोई ढूंढ नहीं रहा है। जिसकी जानकारी बाद उसने ससुर की खोजबीन शुरू की। लेकिन कहीं पता नहीं चला। घटना की सूचना मिलते ही पुत्र राजकुमार, बबलू, बेटी सुनीता, मीना, शीलू व गीता आदि परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना बाद मौके पर डायल 112 पीआर बी व कोतवाल अमरनाथ यादव दल बल के साथ पहुंचे। और मौका मुआयना बाद शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेजा है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर चैरासी, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पुलिस ने महिला अपराध में वांछित एक आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गोरी मऊ मोड़ के पास से रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्यवाही की है। थाना पुलिस ने महिला सम्बन्धी अपराध में शामिल आरोपी चैगवां निवासी मनीष नामक युवक को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश करने भेजा है।

ई-रिक्शा पलटने से वृद्ध की मौत, अन्य घायल

फतेहपुर चैरासी, उन्नाव (वीओएल)। गम्भीर बीमार बुजुर्ग को इलाज के लिए सी एच सी सफीपुर ई रिक्शा से ले जाते समय थाना क्षेत्र के अन्तर्गत हुलासी कुआं तकिया मार्ग पर एक ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गया जिसमें सवार लोग मामूली घायल हो गए जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर भेजा गया जहां पर मौजूद चिकित्सक ने बीमार वृद्ध तेजा को मृत घोषित कर दिया जबकि चोटिल लोगों का इलाज किया गया। थाना फतेहपुर चैरासी क्षेत्र के गांव जगदीशपुर निवासी बीमार वृद्ध 70वर्षीय तेजा को सफीपुर अस्पताल दिखाने परिजन ई रिक्शा से ले जा रहे थे तभी ई रिक्शा ऊगू के पास पलट गया जिसमें सवार सभी मामूली घायल हो जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सक ने बीमार तेजा को मृत घोषित कर दिया और घायलों का इलाज किया गया। ग्रामीणों के अनुसार बीमार बुजुर्ग तेजा की मौत बीमारी से ही हुई है। रिक्शा पलटने से कोई चोट नहीं आई थी।

ऑनलाइन व्यापार पर ज्ञापन पीएम को भेजा

जौनपुर। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जौनपुर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि मनोज कुमार मौर्य को ज्ञापन देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजने का आग्रह किया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन व्यापार ई-कॉमर्स के अनियंत्रित और असंतुलित विस्तार के कारण देश के छोटे एवं मध्यम व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है स्थानिक दुकानदार जो वर्षों से समाज की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की रीढ़ रहे हैं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं, ई-कॉमर्स रूल 2020 के अनुसार ई-कॉमर्स प्लेटफार्म केवल मध्यस्थ की भूमिका निभाये, किंतु निजी लेवल पसंदीदा विक्रेताओं को अनुचित लाभ एवं इन्वेंटरी नियंत्रण से मार्केटप्लेस एवं इन्वेंटरी मॉडल के बीच का अंतर समाप्त हो रहा है अतः दोनों मॉडलों के बीच स्पष्ट विभाजन हेतु ठोस दिशा निर्देश लागू किया जाए, व्यापार मंडल छोटे पारंपरिक व्यापारियों के संरक्षण हेतु रजिस्टर व्यापारियों को आयुष्मान जैसी स्वास्थ्य बीमा योजना व आग त्रासदी जैसी आपदा पर राहत राशि आदि की व्यवस्था किया जाए, क्योंकि यह ऑनलाइन व्यापार की समस्या लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित कर रही है यह स्थिति केवल आर्थिक कि नहीं बल्कि सामाजिक और असंतुलन भी उत्पन्न कर रही है क्योंकि छोटे व्यापारी समाज की रोजगार व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है,।

मेगा शिविर में मिला लाभार्थी को लाभ

फतेहपुर। जिले के सरदार बल्लभ भाई पटेल प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहपुर के द्वारा मेगा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जनपद न्यायाधीश सुधीर कुमार, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, पलाश गांगुली सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी ज़िला विकास अधिकारी, एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित थे। इस मेगा शिविर में राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं के चिन्हित लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया।

चिन्हित लाभार्थियों में महिलाएँ, बच्चे, दिव्यांग जन, संगठित क्षेत्र के मजदूर, अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्ति आदि शामिल थे। इसी क्रम में वृद्धा पेंशन योजना, उज्जवला योजना, कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री सौर्य घर योजना, दिव्यांग जन सशक्तिकरण योजना, विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री युवा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आदि के पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया. मेगा शिविर में जनपद के चिकित्सा विभाग द्वारा शिविर में आने वाले लाभार्थियों का निशुल्क इलाज किया गया। शिविर में जिला कारागार में बंदियों द्वारा बनाये गये उत्पादों का भी स्टॉल लगाया गया। वही शिविर में राज्य के विभिन्न विभागों के भी स्टॉल लगे थे जिसमें भारी मात्रा में लाभार्थियों ने आकर जानकारी प्राप्त की एवं विभागों द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु अपना पंजीकरण कराया. मेगा शिविर में दो हजार से अधिक लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित किया गया. यह मेगा शिविर न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के मध्य समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बना जिसमें राज्य के सभी अंगों के मध्य आपसी तालमेल एवं सामंजस्य दिखा।जिसे लाभार्थियों मे उत्साह और खुशी का महौल रहा।

जनऔषधि केंद्र का सफीपुर विधायक ने किया उद्घाटन

सफीपुर, उन्नाव (वीओएल)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन हुआ। स्थानीय विधायक बंबालाल दिवाकर ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य हर गरीब को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है।विधायक बंबालाल दिवाकर ने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के लोगों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि यह सुविधा गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए राहत लेकर आएगी। इस दौरान विधायक ने सीएचसी सफीपुर का निरीक्षण भी किया .निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित महिला चिकित्सक व नेत्र चिकित्सक के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के लिए विधायक ने दूरभाष के माध्यम से मुख्यचिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्य प्रकाश को निर्देशित किया. उन्होंने चिकित्सा सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। कार्यक्रम में सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर रामसहोदर, डॉक्टर ब्रजेश सिंह, सचिन दीक्षित, रणधीर सिंह, सचिन सिंह, अभिषेक गौड़, कुलदीप तिवारी, नेहरू गौड़, लाले गौड़, राजू चौहान, दीपक विमल, अनुपम गौड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जन औषधि केंद्र सरकार की जन स्वास्थ्य नीति को मजबूत करने में सहायक होगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम ने किया निरीक्षण

मीरजापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन वाराणसी की दो सदस्यीय टीम ने रविवार को पीएसी व बस सेंटर का निरिक्षण किया है। वाराणसी से पहुंचे मयंक राय तथा मृजेन्द्र मौर्य ने आरोग्य मेला, स्वास्थ्य की व्यवस्था, स्टोर, लेवर रूम, पानी सप्लाई सहित रखरखाव आदि ब्यवस्था को परखा जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया, सब सेंटर सोनगढ़ा, राजपुर, को देखा। शाशन द्वारा आई टीम द्वारा स्थलीय निरिक्षण के बाद चेक लिस्ट के माध्यम से शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। रख-रखाव तथा मरीजों की संख्या रजिस्टर आदि देखकर अपनी रिपोर्ट चेक लिस्ट के माध्यम से शासन को भेजने के लिए कहा।

दो बसों की टक्कर में तीन की मौत

बदायूं। जिले के उझानी क्षेत्र में रविवार सुबह बरेली-मथुरा राजमार्ग पर बारातियों को ले जा रही एक निजी बस और एक रोडवेज बस की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई तथा 15 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार निजी बस शाहजहांपुर जिले के बाराकला गांव से बारातियों को लेकर कासगंज जिले के नगला भम्मा की ओर जा रही थी कि इसी दौरान जरोलिया मोड़ पर सामने से आ रही एक रोडवेज बस से उसकी टक्कर हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) हृदयेश कुमार ने बताया कि इस घटना में तीन बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सोनू (22), कृष्ण कुमार (14), और योगेश (38) के तौर पर हुई है जबकि, 15 अन्य लोग भी घायल हुए हैं जिन्हें बदायूं के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बरेली और सैफई के हायर मेडिकल सेंटर में रेफर किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी वजह से राजमार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात अवरुद्ध हो गया। बाद में पुलिस ने मलबा हटवा कर यातायात फिर से शुरू कराया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख जताते हुए अपने शोक संदेश में मृतकों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को हादसे में घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज देने के निर्देश दिए हैं।

पं. मन बोधन लाल बाजपेयी की धूमधाम से मनी जयंती

पाटन, उन्नाव (वीओएल)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पं० मनबोधन लाल बाजपेयी की 119वीं जयन्ती उनके स्मारक स्थल निराला इण्टर कालेज पतारी के प्रांगण में धूमधाम से मनाई गयी। कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हरिनाथ द्विवेदी ने कहा कि इन महापुरूषों के त्याग एवं बलिदान की बदौलत ही देश स्वतंत्र हुआ तथा आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। ऐसे महापुरूषों का स्मरण करना तथा उनके त्याग को आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। निराला इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश रावत ने बाजपेयी जी को युग पुरुष बताते हुए, उन्हें नमन किया। राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक आनन्द मोहन द्विवेदी ने बाजपेयी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी जेल यात्राओं की चर्चा की। 1963 से 1970 तक जिला परिषद के अध्यक्ष तथा जनपद की शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु, अनेक विद्यालय तथा सड़कों के निर्माण कराए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की। प्रताप नारायन द्विवेदी ने बाजपेयी जी के सामाजिक व साहसिक कार्यों की सराहना करते हुए, उन्हें एक क्रान्तिकारी युगदृष्टा बताया। कार्यक्रम को शिवनाथ सिंह पूर्व प्रवक्ता, रामशरण सिंह ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सुन्दरलाल बाजपेई, यू०एस० इंटरनेशनल कॉलेज के प्रधानाचार्य शिव प्रकाश नेगी, नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष शुक्ल कन्हैया लाल यादव, बाबुल बाजपेई, राजू बाजपेई, डॉ राघवेंद्र बाजपेई, गोवर्धन कुरील आदि रहे। संचालन महेश सिंह ने किया।

मेगा विधिक सहायता व सेवा शिविर का आयोजन

आजमगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ द्वारा जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश पाण्डेय की अध्यक्षता में रविवार को जनपद न्यायालय परिसर आजमगढ़ में वृहद/मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। वृहद/ मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश द्वारा दीप प्रज्जवलित कर तथा वाग्देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

इसी क्रम में मुकेश कुमार सिंह-प्रथम, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, कमला पति, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/न्यायिक नोडल अधिकारी मेगा कैम्प, विजय कुमार वर्मा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अजय श्रीवास्तव, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, संतोष कुमार यादव, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती संदीपा यादव, अपर प्रधान न्यायाधीश तथा अन्य न्यायिक अधिकारीगण व प्रशासनिक अधिकारीगण ने वाग्देवी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्चन किया। जनपद न्यायाधीश द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया गया कि इस मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के आयोजन का उद्देश्य है कि जनपद के समस्त विभागों की निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हेतु चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाय। इसी क्रम में समस्त विभागों द्वारा न्यायालय परिसर में स्टॉल लगाया गया है, जिसके माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। जनपद न्यायाधीश द्वारा न्यायालय परिसर में फीता काटकर मेगा/वृहद शिविर की शुरूआत की गयी। इसके उपरान्त जनपद न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा परिसर में लगाये गये स्टॉल का भ्रमण किया गया व लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, प्रतीकात्मक चेक, ट्राई साईकिल, एक जिला एक उत्पाद के तहत निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी, मुबारकपुर की साड़ी इत्यादि का वितरण किया गया। मेगा/वृहद शिविर के अवसर पर जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा जनपद परिसर में पौधरोपण भी किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिका राजन ने बताया कि यह मेगा शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विभागों के कुल 34 स्टॉल लगाये गये है।

आगामी होली पर्व को लेकर भरे गये खोया के नमूने

उन्नाव (वीओएल)। आगामी होली और रमजान पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान चलाया।

अभियान का उद्देश्य आम जनता को शुद्ध और स्वच्छ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है। 22 फरवरी को विभिन्न स्थानों से 4 खाद्य नमूने नियमानुसार संग्रहित किए गए। अजनीश गुप्ता के पास 49 किलो खोया मिला, जिसकी कीमत 13,720 रुपये थी। श्रीकांत शुक्ला के पास 22 किलो खोया पाया गया, जिसकी कीमत 6,600 रुपये थी। दोनों कारोबारियों ने गलत श्रेणी में लाइसेंस लेकर व्यापार किया; जिसके लिए नोटिस जारी किए गए। कुल 71 किलो खोया, जिसकी कीमत 20,320 रुपये, नमूने के रूप में संग्रहित किया गया। संग्रहित नमूनों को प्रयोगशाला में भेजा गया और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। अभियान की निगरानी सहायक आयुक्त (खाद्य) प्रियंका सिंह ने की, टीम में राजेंद्र प्रसाद, पल्लवी शर्मा और रुचि बाजपेयी शामिल थे। खाद्य सुरक्षा विभाग त्योहारों में उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है।

निरंकारियों ने 25 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया

जौनपुर। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए जनपद में प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत 43 शाखाओं ने मिलकर 25 स्थानों पर अलग-अलग जगह नदी, घाट तालाबों पर सभी शाखाओं के मुखी, संचालक, क्षेत्रीय संचालक, शिक्षक सहित सेवा दल के भाई बहन और संगत के महात्मा स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होकर सफाई का कार्य किये। शहर के गोमती नदी के तट शाही पुल के पास हनुमान घाट एवं गोपी घाट के पास श्याम लाल साहू संयोजक व अमरनाथ विश्वकर्मा जी क्षेत्रीय संचालक के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में संत निरंकारी मिशन की सेवादार व श्रद्धालुओं द्वारा प्रातः 8 से 11 बजे तक सफाई का कार्य किया गया। श्री राजेश कुमार प्रजापति (क्षेत्रीय संचालक,) ने शाहगंज क्षेत्र का नेतृत्व किये। यह केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि अध्यात्म, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समन्वय था, जो जन-जन के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए जागरूकता एवं कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चेरटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है। सभी स्थानों पर 1 घंटे का सत्संग का भी आयोजन हुआ।सतगुरु माता सुदीक्षा के पावन संदेशों को बताते हुए ओम प्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता जी ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है। यदि हम स्वयं को उनके अनुयायी कहते हैं, तो हमें आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम वास्तव में प्रेम, सेवा, करुणा और समदृष्टि जैसे मानवीय गुणों को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर, दोनों घायल

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग के कोटाघाट के पास एक बाइक चालक घर से लालगंज की तरफ जा रहा था सड़क पर पैदल जा रही महिला को टक्कर मार दिया जिससे गिरकर दोनों चोटिल हो गए एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया यहां पर उपचार चल रहा है। स्थानीय थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव निवासी संगम (25) बाइक से लालगंज की तरफ जा रहा था। जैसे ही कोटाघाट के पास पहुंचा कि श्यामकली (62) सड़क से गुजर रही थी नियंत्रित बाइक चालक ने टक्कर मार दिया दोनों गिर कर चोटिल हो गए।एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य के लाया गया जहां पर उपचार चल रहा है हाल सामान्य है।इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि दोनों घायलों का उपचार किया जा रहा है हालात सामान्य है।

नन्हे-मुन्नों ने रोजा रख मिशाल पेश किया

जौनपुर। रमजान के पवित्र माह में इबादत के लिए बच्चे भी रोजा रख रहे हैं। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर नौ के निवासी पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के दोनों नातियों नें रोजा रखकर एक मिशाल पेश किया है। और बेरोजेदार लोगों को सीख दी है कि आप को भी पवित्र माह रमजान में सभी लोगों को रोजा रखकर सवाब हासिल करना चाहिये। और अपनें किये गुनाहों से तौबा करना चाहिये। मोहल्ला सिपाह निवासी अमजद खॉन समाजसेवी के दोनों भांजों साहिर अली खॉन सात वर्ष व तौहीद खॉन 8 वर्ष नें पूरे दिन का रोजा रखकर सब्र और अल्लाह की इबादत में वक्त बिताया। कम उम्र में रोजा रखकर साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन नें न सिर्फ अपनें परिवार, बल्कि आसपास के लोगों को भी प्रेरित किया। स्वजनों के अनुसार घर के अन्य सदस्य जब रोजा रखकर इबादत कर रहे थे, तो साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों भाइयों का भी मन रोजा रखने को मचल उठा। दोनों नन्हें मुन्ने बच्चों ने खुद रोजा रखनें की इच्छा जताई। घर के लोगों नें उम्र को देखते हुए उसे समझानें की कोशिश की, लेकिन नन्हें बच्चों की जिद के आगे उनकी एक न चली। आखिरकार परिवार नें उसकी भावना का सम्मान करते हुए दोनों बच्चों को रोजा रखने की इजाजत दे दी। साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों बच्चों नें परिवार के साथ सहरी की और पूरे दिन धैर्य व संयम के साथ रोजा निभाया। नमाज के दौरान दोनों बच्चों नें अल्लाह की बारगाह में देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी। शाम को अजान होते ही साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन इफ्तार कर अपना पहला रोजा मुकम्मल किया। साहिर अली खॉन की मां रोशनी खानम और तौहीद खॉन की मां सकीना बानों नें बताया कि रमजान का माहौल और घर में इबादत देखकर बेटे के मन में रोजा रखने की चाह जागी बेटे का हौसला देखकर उन्हें फख्र महसूस हुआ।

स्कॉर्पियो ने वैन को मारी टक्कर, महिला की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा सेक्टर 82 मोड़ के पास रविवार तड़के तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एसयूवी ने वैन को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। नोएडा सेक्टर-39 थाना के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि रविवार तड़के करीब चार बजे एक मारुति ईको वैन को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एसयूवी ने टक्कर मार दी। शुक्ल ने बताया कि वैन में आशा देवी रवि, राजाराम, रीना और श्रीपाल सवार थे और हादसे के बाद पांचों को नोएडा जिला अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने आशा देवी को मृत घोषित कर दिया। अन्य चार घायलों को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्कॉर्पियो चालक वाहन सहित मौके से फरार है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

बीएचयू के छात्रावास के बाहर गोलीबारी तीन के खिलाफ केस दर्ज

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एक छात्रावास के बाहर कथित रूप से गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, स्नातक के छात्र रोशन मिश्रा ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि शनिवार की रात वह बीएचयू में छात्रावास के बाहर खड़ा था तभी तीन लड़के मोटरसाइकिल पर आए और अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। आरोपियों ने हवा में गोली चलाई और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने घटना में कथित रूप से शामिल तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) वैभव बांगर ने बताया कि भेलूपुर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को बीएचयू में गोलीबारी की सूचना रात करीब साढ़े नौ बजे मिली। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर चौकी प्रभारी तथा कई थानों की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और छात्रों से औपचारिक शिकायत ली। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना के बाद छात्रों ने मौके से खोखे एकत्र किये और उन्हें पुलिस को सौंप दिया। शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिसने इस घटना में शामिल कुछ छात्रों की पहचान कर ली गई है और विस्तृत जांच की जा रही है।

भीम आर्मी की महारैली 25 को

जौनपुर। जिले में 25 फरवरी को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी एक महारैली का आयोजन कर रही हैं। यह रैली मीरगंज गांव स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज के मैदान में होगी। इसका उद्देश्य श्संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओश है। इस महारैली का मुख्य उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों और समाज की रक्षा करना है, साथ ही भाईचारे को बढ़ावा देना भी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीम आर्मी चीफ, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद होंगे। आयोजकों ने जौनपुर के अलावा वाराणसी, मिजार्पुर और प्रयागराज मंडलों के सभी जिलों से बहुजन समाज के पार्टी कार्यकताओं और भीम आर्मी के पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में रैली में पहुंचने का आह्वान किया है। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश महासचिव विनय सागर ने दी।

आज निकलेगी संत गाड्गे की शोभा यात्रा

जौनपुर। केरारवीर मन्दिर स्थित श्री संत गाड्गे धोबी धर्मशाला प्रांगण.में श्री संत गाडगे धोबी कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष डा. दिनेश कन्नौजिया की अध्यक्षता में 23 फरवरी को बाबा सन्त गाडगे जयंती समारोह मनाये जाने हेतु बैठक हुयी। बैठक में समिति के पदाधिकारीयों ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि कल आयोजित श्री संत गाड्गे जी की जयंती पर भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी यह शोभा यात्रा 11 बजे में भण्डारी स्टेशन से आरम्भ होते हुये नगर के मुख्य मार्गो सुतहट्टी चौराहा, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, ओलन्दगंज से होते हुये केरारवीर नवनिर्मित श्री संत गाडगे धोबी धर्मशाला स्थित शोभायात्रा का समापन के साथ सभा के रुप में परिवर्तित हो जायेगा।

संक्षेप

युवक ने नदी में लगाई छलांग, तलाश जारी

बिजनौर। बाइक से दोस्त के साथ शेरकोट के बैराज खो नदी पहुंचकर युवक ने अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी। युवक द्वारा नदी में छलांग लगाने पर घबराए उसके दोस्त ने घटना की सूचना पुलिस व युवक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे और नदी में युवक की तलाश शुरू की। जानकारी के अनुसार धामपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला मुन्नी देवी निवासी योगेश सैनी (29 वर्ष) पुत्र दिनेश सैनी शनिवार को एक विवाह समारोह में शामिल होने अपने दोस्त रिंकू पुत्र अशोक के साथ ग्राम सरकड़ा गया था। रिंकू के अनुसार शादी समारोह के बाद योगेश ने किसी काम से शेरकोट चलने की बात कह कर अपने साथ ले गया था। रिंकू के अनुसार खो नदी के पुल पर पहुंचने के बाद योगेश ने बाइक व रुकवाई और बाइक से उतरकर नदी में कूदने लगा। रिंकू का कहना है कि उसने योगेश को पकड़ने व रोकने का काफी प्रयास किया लेकिन वह खुद को छुड़ा कर नदी में कूद गया। पिछले 24 घंटे से गोताखोर नदी में युवक की तलाश में लगे है।

रोटी बैंक ने मरीजों को बांटे फल, बिस्किट

बांदा। रोटी बैंक की महिला टीम ने जिला महिला अस्पताल में मरीजों को फल, बिस्किट वितरित किए। रविवार को संरक्षक शेख सादी जमा, सह संरक्षक चंद्रमौली भारद्वाज के संरक्षण, महिला टीम की अध्यक्ष तबस्सुम फात्मा की अध्यक्षता, सदस्य रश्मि सिंह के नेतृत्व, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुनीता सिंह के निर्देशन में टीम ने महिला जिला चिकित्सालय में मरीजों और तीमारदारों को फल, बिस्किट का वितरण किया। सदस्य नग्गो खातून और शहाना खान ने मरीजों को उनके मौलिक अधिकारों तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। फल, बिस्किट पाकर मरीजों और तीमारदारों ने रोटी बैंक टीम को आशीर्वाद और दुआओं दीं। निम्न इस दौरान रिजवान अली संस्थापक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, मोहम्मद शमीम कार्यालय प्रभारी, कोषाध्यक्ष रेणुका गुप्ता, शहाना खान, नेहा खातून, नसीर खान, सुरक्षा गार्ड अनीता देवी, रेखा सिंह, पदाधिकारी व समाजसेवी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर, ई-रिक्शा की टक्कर, 1 की मौत, 3 घायल

बांदा। टैक्टर ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी जिससे एक की मौत हो गयी और तीन लोग घायल हो गये। बबेरू कोतवाली क्षेत्र बड़ा गांव निवासी रामनरेश पुत्र बाबूलाल 58, राजेश पुत्र कुन्ना 30, राखी पत्नी फूलचन्द्र 50 बड़ागांव से ई-रिक्शा में बबेरू आ रहे थे। इसी दौरान बबेरू की तरफ से जा रहे ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। जिससे रोड किनारे लगे ईंट के चट्टा में रिक्शा घुस गया और ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। इससे रामनरेश पुत्र बाबूलाल की मौके पर ही मौत हो गई। जनसेवक पीसी पटेल ने इलाज के लिए घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी में भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों ने देखने के बाद रामनरेश को मृत घोषित कर दिया और घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। मृतक की पत्नी मिथिला का रो-रोकर बुरहाल है। घटना के दौरान वहां से निकल रहा दूसरा रिक्शा दहशत में पलट गया। जिसमें प्रीति पत्नी रामचरण 25 निवासी बड़ागांव गिरकर घायल हो गई। कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह रजावत ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में वांछित दो आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। थाना जखौरा पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह व सीओ सदर सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना जखौरा में पंजीकृत मु.अ.सं. 44/2026, धारा 333, 70(1), 351(3) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त ग्राम थनवारा निवासी रघुवीर पाल पुत्र स्व. सुल्तान पाल, व म.प्र. के जिला अशोकनगर अंतर्गत थाना चंदेरी के ग्राम अमझरा निवासी अरुण पाल उर्फ अरुन पुत्र आशाराम पाल को 22 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया। थाना जखौरा के प्रभारी निरीक्षक राजीव बैस ने पुलिस टीम के साथ मिलकर दोनों आरोपियों को नियमानुसार हिरासत में लिया।

शिक्षा से महिलाएं बनती है आत्मनिर्भर

पीजीएमएम में विविध रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का किया गया आयोजन

ललितपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम एवं द्वितीय इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत छठवें दिवस पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय, पनारी में विविध रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेविकाओं में सर्वांगीण विकास के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता एवं नेतृत्व क्षमता का संवर्धन करना रहा। स्वयं सेविकाओं ने नारी शक्ति, शिक्षित बेटी-सशक्त समाज, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे प्रेरक विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपरक डिजाइनों का निर्माण किया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं की सृजनात्मकता, सौंदर्यबोध, धैर्य एवं एकाग्रता का विकास हुआ। निर्णायक मंडल ने रचनात्मकता, विषय की स्पष्टता एवं प्रस्तुति के आधार पर उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन किया। तत्पश्चात स्वयंसेविकाओं ने शिविर समापन से पूर्व में आयोजित ज्ञानोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभाग सुनिश्चित किया। सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुत देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, लोकगीत एवं नाटक ने कार्यक्रम को जीवंत एवं उत्साहपूर्ण बना दिया। छात्राओं की प्रस्तुतियों में सामाजिक चेतना, महिला जागरूकता एवं शिक्षा के महत्व का सशक्त संदेश निहित था। इस सहभागिता ने स्वयंसेविकाओं में आत्मविश्वास, मंच कौशल एवं सामूहिक समन्वय की भावना को सुदृढ़ किया।

दिवस के द्वितीय चरण में बौद्धिक सत्र के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज बहादुर (परीक्षा नियंत्रक बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी), विशिष्ट अतिथि राम रतन कुशवाहा (सदर विधायक ललितपुर), महाविद्यालय संस्थापक डॉ० पारस यादव, डायरेक्टर डॉ० सौरभ यादव, प्रबंध निदेशका डॉ० पूजा यादव जी, प्राचार्य डॉ० सूफिया के निर्देशन एवं एनएसएस प्रथम इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ वंदना याज्ञिक, एनएसएस द्वितीय इकाई कार्यक्रम अधिकारी असि०प्रो० साधना नागल के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य वक्ता असि० प्रो० प्रीति शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं अधिकारों के प्रति सजग बनाती है। प्राचार्य डॉक्टर सूफिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास एवं उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ० वंदना याज्ञिक छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य युवाओं में सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। साधना नागल ने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जो महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाती है। शिक्षित महिला समाज में सकारात्मक परिवर्तन की वाहक होती है। उन्होंने धन्यवाद देते हुए बताया कि आज विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएँ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं, जिसका मूल आधार उनकी शिक्षा ही है। इस अवसर पर असि० प्रो० प्रकाश खरे, असि० प्रो० रंजना श्रीवास्तव, असि० प्रो० रता याज्ञिक, असि० प्रो० सुषमा पटेल, असि० प्रो० नेहा याज्ञिक, श्रीमती रजनी यादव, पूजा सिंह, राघवेंद्र सिंह, दीपेंद्र सिंह, मुस्ताक खान, श्रीमती गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, श्रीमती बिमला, श्रीमती रामा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहीं।

पीएम के मन की बात, कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का संदेश

बांदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक एवं लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड को जिले के 1518 बूथों में सुना गया। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने खुरहंड स्थित आवास पर, जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने इंदिरा नगर आवास पर, जिलाध्यक्ष भाजपा कल्लू सिंह राजपूत ने बाकर गंज आवास पर तथा निवर्तमान जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने अतर्रा मण्डल बूथ 191 में मोदी के मन की बात सुनी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के उदाहरण हमें सेवा, नवाचार और कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं तथा इन संदेशों को अपने जीवन में उतारकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है। कहा कि यह कार्यक्रम देशवासियों में नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण भाव जाग्रत करता है, इनके विचार हम सभी को समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने विचारों के जरिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे नागरिकों का उल्लेख कर हम सभी को कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का सन्देश दिया है। नरेन्द्र मोदी ने आल इम्पेक्ट समिट में भारत की एआई इनोवेशन की तारीफ की। इस दौरान लोगों ने मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लिया।

ज्वैलर्स की दुकान में शटर उठाकर की लाखों की चोरी

वारदात सीसीटीवी में कैद

ललितपुर। नगर में चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। ताजा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के सदर चैकी अंतर्गत मेन रोड का है, जहां अज्ञात चोरों ने तड़के सुबह एक ज्वैलरी दुकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के आभूषण पार कर दिए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेन रोड पर श्रीविद्या ज्वेलर्स, जिसका संचालन नीलू जैन पत्नी पवन कुमार के नाम से होता है, में रविवार तड़के करीब सुबह 5 बजे दो अज्ञात चोर शटर के ताले तोड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद चोरों ने दुकान में रखे लाखों रुपये कीमत के आभूषण, पॉलिश बर्तन व अन्य ज्वेलरी समेट ली और मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि दुकान सदर चैकी से चंद कदम की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देकर निकल गए। घटना से इलाके के व्यापारियों में दहशत और रोष का माहौल है। दुकान मालिक पक्ष के अनुसार चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड हो गई है, जिसमें दो संदिग्ध युवक शटर तोड़कर अंदर प्रवेश करते और सामान समेटते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज पुलिस को सौंप दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के बीचो-बीच इस तरह की घटना पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े करती है। व्यापारियों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल इस सनसनीखेज चोरी की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं।

कृषि वैज्ञानिकों ने सुनी किसानों की समस्याएं

ललितपुर। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत दो दिवसीय किसान मेला कार्यक्रम के दूसरे दिन कृषकों के समूह को कृषि विज्ञान केन्द्र हाईटेक नर्सरी एवं उन्नतशील कृषकों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। सर्वप्रथम कृशकों को कृषि विज्ञान केन्द्र खिरियामिश्र परिसर का भ्रमण कराया गया है जहॉ चल रही कृषि गतिविधियों से अवगत कराते हुये वैज्ञानिक डॉ0 दिनेश कुमार तिवारी द्वारा कृषकों को घनजीवामृत, जीवामृत आदि बनाने की विधि से अवगत कराते हुये इसके उपयोग से होने वाले लाभों से अवगत कराया। वैज्ञानिक डॉ0 सरिता ने कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में तैयार की जा रही विभिन्न प्रजातियों से अवगत कराते हुये उसने लाभों की जानकारी प्रदान की गयी तथा कृषकों से कीटनाशक रहित जैविक खेती करने हेतु आग्रह किया तथा फसल अवषेशों को जलाने से होने वाले नुकसान से अवगत कराया। तत्पश्चात कृषकों को हाईटेक नर्सरी कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण कराया गया जहॉ पर तैयार की जा रही टमाटर, खीरा, तरबूज की पौध के बारे में रंजीत कुमार उद्यान निरीक्षक द्वारा कृषकों को अवगत कराया गया तथा उन्होने किसानों को बताया कि उद्यान विभाग द्वारा जनपद में दो हाईटेक नर्सरियों को स्थापना करायी गयी है। एक नर्सरी राजकीय पौधशाला खिरियालटकनजू महरौनी में स्थापित है और दूसरी नर्सरी कृषि विज्ञान केन्द्र खिरियामिश्र में स्थापित है। उनहोने बताया कि ज्यादातर कृषक परम्परागत खेती के साथ शाकभाजी की खेती इसलिए नहीं कर पाते क्यांकि उन्हे पौध तैयार करने की सबसे बड़ी समस्या रहती है। जब किसान अपनी नर्सरी तैयार करता है तो कभी तेज बारिश, ओले, कोहरा, ठंड, ज्यादा गर्मी आदि के कारण अक्सर पौध खराब हो जाती है या पौध का जमाव नहीं हो पाता है जिससे कृषकों को बहुत नुकसान होता है इसी को ध्यान में रखते हुये उद्यान विभाग द्वारा हाईटेक नर्सरियों की स्थापना करायी गयी है जहॉ अपनी फसल बुवाई से एक माह पहले आप अपनी पसंद का बीज प्रभारी को दे देंगे, जहॉ नर्सरी में आपके बीज की पौध तैयार की जायेगी नर्सरी में आपकी पौध नैचुरली वैन्टिलेटेड सिस्टम के अन्दर आपकी पौध तैयार की जाती है जहॉ पर पौध की आवश्यकतानुरूप पानी, दवाई, पोषक तत्व मशीनों के माध्यम से पौध को दिया जाता है और पौध की आवश्यकतानुरूप तापमान मेनटेन किया जाता है तथा एक माह बाद पूर्णतः पोषित रोगरहित पौध कृषकों को प्रदान की जाती है। जिसे कृषक अपने पहले से तैयार खेत में सीधे रोपाई कर सकते है। जिससे किसान को समय, पैसा की बचत होती है एवं जोखिम का खतरा न के बराकर होता है। तत्पश्चात कृषकों को ग्राम पटौराकलां के कृषक रामकिषोर कौशिक के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया।

मनरेगा में फर्जी जॉब कार्ड के सहारे लाखो का घोटाला

रोजगार सेवक पर दर्ज होगा मुकदमा

जिला संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्लाक कोतवाली के ग्राम नूरपुर अरब निवासी प्रमोद पुत्र निहाल सिंह के शिकायती पत्र जिसमें ग्राम सेवक द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत भारी अनियमितता के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच उपायुक्त (श्रम रोजगार) द्वारा कराई गई।

जिलाधिकारी जसजीत कौर के आदेश पर की गई जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत नूरपुर अरब के ग्राम रोजगार सेवक शहबाज द्वारा अपने परिवारजनों के डुप्लीकेट जॉब कार्ड जारी करके बिना काम किए फर्जी मस्टररोल भरकर, अपने परिवारजनों को दूसरी बिरादरी के जॉब कार्डो में कूटरचना से जोड़कर सरकारी धनराशि का दुर्विनियोग/व्यपहरण किया गया तथा नियमित संविदा कर्मी आंगनबाड़ी सहायिका यशोदा को फर्जी मस्टररोल भरकर धनराशि का भुगतान कराया गया है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने खण्ड विकास अधिकारी/कार्यक्रम अधिकारी, विकास खण्ड कोतवाली, ग्राम रोजगार सेवक, ग्राम पंचायत नूरपुर अरब शहबाज पुत्र अय्यूब के विरूद्ध फर्जी जॉब कार्ड बनाने, एक बिरादरी के व्यक्तियों का नाम दूसरी बिरादरी के जॉब कार्ड में जोड़ने, काल्पनिक व्यक्ति का जॉब कार्ड बनाने एवं मास्टररोल भरने तथा कुल रुपए 4 लाख 67 हजार 436 रुपए की धनराशि का दुर्विनियोग/व्यपहरण करने के लिए सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने के अदेश दिये है। जिलाधिकारी ने सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), विकास खण्ड कोतवाली को निर्देशित किया कि वह अपचारी ग्राम रोजगार सेवक की संविदा समाप्त करने के लिए नियमानुसार ग्राम पंचायत द्वारा कार्यवाही कराएं। डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल कुमार को आदेश दिया कि वह अपचारी आंगनबाड़ी सहायिका यशोदा के विरूद्ध कठोर अनुशासनिक कार्यवाही व घोटाला की पूर्ण धनराशि की वसूली करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त प्रकरण अत्यन्त गम्भीर वित्तीय अनियमितता एवं पद के दुरूपयोग से संबंधित हैं, इसलिए इस पर संबंधित अधिकारी तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें।

ऋतिक शुक्ला को पुलिस ने लिया हिरासत में

ललितपुर। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रविवार को उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस के महासचिव ऋतिक शुक्ला उर्फ मोंटी शुक्ला को ललितपुर से हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई से स्थानीय राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, स्पेशल सेल की टीम रविवार को ललितपुर पहुंची और स्थानीय एसओजी के सहयोग से कोतवाली सदर क्षेत्र के नई बस्ती स्थित ऋतिक शुक्ला के आवास पर दबिश दी। टीम ने उन्हें वहीं से हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। हिरासत में लेने के बाद पुलिस टीम ऋतिक शुक्ला को पुलिस लाइन स्थित एसओजी कार्यालय ले गई, जहां उनसे कई घंटों तक पूछताछ की गई।

विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 172 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया एंव लगभग 1500 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रविवार को आर0जे0पी0 इण्टर कॉलेज, बिजनौर में मेगा शिविर/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार सप्तम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सुधीर कुमार, पीठासीन अधिकारी, मोर्टर दुर्घटना दावा अधिकरण ज्ञान प्रकाश सिंह, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंशुमन धुन्ना, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित करके किया गया। मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में लाभान्वितों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, बाल सेवा योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना व अन्य योजनाओं के अर्न्तगत 172 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया एंव लगभग 1500 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार सप्तम एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंशुमन धुन्ना द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला गया और बिजनौर की जनता से आग्रह किया गया कि वह ज्यादा से ज्यादा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाओं का लाभ उठायें। मेगा शिविर/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद, तहसील बिजनौर, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग, जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, जिला खण्ड विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, जिला नगरीय विकास अधिकरण डूडा, ग्रामीण विकास विभाग, लघु कुटीर सूक्षम एवं मध्यम उद्यम विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं रसद् विभाग, डाक विभाग, आवास एवं नगर विकास विभाग, केन्द्रीय औद्योगिक एवं सुगंध पादप अनुसंधान केन्द्र, परिवहन विभाग, चिकित्सा स्वास्थय एवं परिवार कल्याण विभाग, कौशल विकास विभाग, उकृषि एवं वानिकि विभाग, पशुपालन विभाग, युवा कल्याण विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग रहा।

ऑपरेशन खोज के तहत चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह नोडल अधिकारी के कुशल निर्देशन में ऑपरेशन खोज अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटीयू, प्रभारी निरीक्षक, महिला थाना, प्रभारी जीआरपी एवं प्रभारी आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैण्ड, प्रमुख बाजार क्षेत्र चूड़ी वाली गली, परमानन्द चौराहा, बड़े हनुमान मंदिर रोड आदि स्थानों पर सघन चेकिंग एवं पूछताछ की गई। इस दौरान टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए आमजन को महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी कानूनों की जानकारी दी गई तथा मानव तस्करी, गुमशुदगी, बाल श्रम एवं अन्य अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही शासन द्वारा जारी आपातकालीन टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा108, आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एवं महिला हेल्पलाइन 181 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

परिवहन कर एकमुस्त जमा करने को मेला आयोजित

बांदा। परिवहन यानों व गैर परिवहन यानों को एक बार में ही कर जमा करने की शासन की व्यवस्था को लेकर प्रचार-प्रसार तथा वाहन स्वामियों की समस्याओं के निराकरण के लिए संभागीय परिवहन कार्यालय में 20 व 21 फरवरी को परिवहन मेला का आयोजन हुआ। शनिवार को उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र केडी सिंह ने बस, ट्रक, टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों एवं अन्य वाहन स्वामियों को शासन के नये निर्देशों के बारे में एक बारीय कर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि 7500 किलोग्राम भार वाहन से कम के माल वाहनों पर एक बारीय कर यान के मूल्य का 3 प्रतिशत, 3000 किलोग्राम जी वी डब्ल्यू तक 6 प्रतिशत, 3000 किलोग्राम से अधिक 7500 जी वी डब्ल्यू तक जमा कराने का प्राविधान किया गया है साथ ही टैक्सी व मैक्सी में संचालित वाहनों पर भी एक बारीय कर 10 लाख रुपये तक के मोटर कैब, तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर और मैक्सी कैब पर यान के मूल्य का 10.5 प्रतिशत एक बारीय कर देय होगा। इसके अलावा 10 लाख रुपये से अधिक के माटर कैब और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत एक बारीय कर देय होगा। इसी प्रकार कंस्ट्रक्शन इक्यूपमेंट यान पर यान के मूल्य का 6 प्रतिशत, एक बारीय कर देय होगा। पहले से पंजीकृत यान पर कर की छूट 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से दी जाएगी। इसी प्रकार प्राइवेट वाहन से व्यवसायिक वाहन में परिवर्तन करने पर पूर्व का जमा एक बारीय कर समायोजित करते हुए अंतर कर जमा कराया जाएगा। परिवहन मेले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी श्यामलाल, वीरेन्द्र नाथ राजभर, यात्री मालकर अधिकारी, बस यूनियन अध्यक्ष संतोष पटेल, महासचिव मयंक गुप्ता, ट्रक यूनियन अध्यक्ष जय सिंह व वाहन स्वामी मौजूद रहे।

पीताम्बरा मां की वर्षगांठ पर निकली भव्य शोभायात्रा

बांदा। मां पीताम्बरा की तीसरी वर्षगांठ पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकली। इसमें बड़ी संख्या में महिला व पुरूष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा शहर के रामलीला मैदान, चैक बाजार, गूलरनाका, अलीगंज चैकी, कालू कुआं, मंडी समिति मार्ग से होकर निकली। मां पीताम्बरा की प्रतिमा को रथ पर विराजमान किया गया था। श्रद्धालुओं के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। इससे पहले मां पीताम्बरा खाटू श्याम सरकार की आरती रामलीला मैदान में हुई। भक्तों ने अनेक स्थानों पर स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं को जलपान कराया। इस दौरान शहर में अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, नगर पालिका अध्यक्ष मालती बासू, राकेश गुप्ता, सुधीर तिवारी, रवि शिवहरे, राज पाण्डेय, नीलम गुप्ता, मनोज जैन, राजकुमार राज, प्रकाश साहू, चंद्रमोहन बेदी, प्रभा गुप्ता, संगीता शिवहरे व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

निरंकारी मिशन के सेवादारों का केन नदी में स्वच्छता अभियान

बांदा। स्वच्छ जल, स्वच्छ मन के तहत रविवार को केन नदी आरती घाट को स्वच्छ करने के लिए संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों सेवादारों व श्रद्धालुओं ने भाग लिया। क्षेत्रीय संचालक डॉ सुरेश सिंह के मार्गदर्शन में सफाई कार्य प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक चला। सफाई कार्यक्रम के पश्चात केन नदी तट पर निरंकारी मिशन के उप प्रधान डॉ दर्शन सिंह की अध्यक्षता में सत्संग का आयोजन हुआ। इसके पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। डॉ दर्शन सिंह ने कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवन रेखा है। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है तो केवल पर्यावरण ही नही, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी मजबूत होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्री तटों की निःस्वार्थ भाव से स्वच्छता एवं संरक्षण का व्यापक अभियान जन-जन के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहा है। यह पहल महज सफाई तक सीमित नही, बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त संदेश है। अभियान के चैथे चरण का आयोजन सतगुरू माता सुदीक्षा एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के मार्गदर्शन में देश के 25 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेश के 930 शहरों के 1600 से अधिक स्थानों पर करीब 12 लाख स्वयं सेवक शामिल हुए।

पुण्यतिथि पर याद किये गये पं. सुखदेव तिवारी

ललितपुर। जनपद के मूर्धन्य पत्रकार एवं साहित्यकार सुखदेव तिवारी की पुण्यतिथि पर प्रेस क्लब द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले ने करते हुये कहा कि पं.सुखदेव तिवारी जनपद के प्रति उल्लेखनीय योगदान, उनकी सादगीपूर्ण जीवनशैली, जरूरतमंदों की सहायता तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने में उनकी सक्रिय भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ने कहा कि तिवारीजी ने पत्रकारिता को समाजसेवा का माध्यम बनाया और सदैव निष्पक्ष व निर्भीक लेखनी से जनहित के मुद्दे उठाए।

अदालत की चिंता

सियासी रेवड़ियां देश के सामाजिक-आर्थिक स्थिरता, विकास और राजकोषीय संतुलन के लिए बड़ी चुनौती हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था के सामने बड़ा खतरा है। लेकिन इन पर कोई लगाम नहीं है। यह बढ़ती ही जा रही हैं। पहले यह दक्षिण भारत की राजनीति में थीं, लेकिन अब आम आदमी पार्टी ने सियासी रेवड़ी की संस्कृति को उत्तर भारत में भी मजबूती से स्थापित कर दिया है। अब हर चुनाव से पहले जिस पार्टी की सरकार होती है वह तमाम तरह के हथकंडे अपनाकर मतदाता को प्रभावित करती है। विपक्षी दल तो ऐसे-ऐसे वायदे करते हैं कि मानो उनकी सरकार बनते ही धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा। ऐसे में यह जरूरी है कि चुनावी रेवड़ियों पर पाबंदी लगायी जाये। सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने 'मुफ्तखोरी', अर्थात सियासी रेवड़ियों पर सख्त टिप्पणी की है। चिंता भी जताई है कि इससे देश का आर्थिक विकास रुकेगा। सवाल भी उठाये गये हैं कि ऐन चुनावों से पहले राजनीतिक दल और सरकारें मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाएं क्यों करती हैं? कई राज्य सरकारें भारी कर्ज और घाटे में हैं, इसके बावजूद मुफ्त योजनाएं क्यों बांट रही हैं? यदि सरकारें मुफ्त पैसे, मुफ्त बिजली, मुफ्त खाने जैसी सुविधाएं बांटती रहेंगी, तो आखिर उनका खर्च कौन उठाएगा? प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि आखिर रेवड़ियां बांटने का बोझ टैक्स देने वाले लोगों पर ही पड़ेगा। यदि रेवड़ियां मिलती रहेंगी, तो काम कौन करेगा? आखिर हम यह कैसी संस्कृति बना रहे हैं? सरकारों को मुफ्तखोरी के बजाय रोजगार-सृजन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। यदि कोई शिक्षा और बुनियादी जिंदगी का खर्च वहन नहीं कर सकता, तो ऐसे लोगों को सुविधा देना सरकार का दायित्व है, लेकिन मुफ्त रेवड़ियां

उनकी जेब में जा रही हैं, जो लोग मजे कर रहे हैं। क्या सरकारों को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए? बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने मौखिक टिप्पणी कर दी और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता कह रहे हैं कि वे शीर्ष अदालत की बात मानने को बाध्य नहीं हैं। ये रेवड़ियां नहीं हैं बल्कि कल्याणकारी योजनाएं हैं। हम कल्याणकारी लोकतंत्र हैं और जनता की मदद करना हमारा फर्ज है। लिहाजा क्षमा के साथ सर्वोच्च अदालत से भी हमारा सवाल है कि वह मौखिक टिप्पणियां क्यों करती है? सिर्फ चिंता व्यक्त करने से क्या होगा? सर्वोच्च अदालत को संविधान ने विशेषाधिकार भी दिए हैं और उनका इस्तेमाल कर अदालत ने फैसले भी सुनाए हैं, तो मुफ्तखोरी पर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते? अदालत सरकारों को स्पष्ट निर्देश दे कि चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा कब करें? रेवड़ियों को भी परिभाषित करें। यथार्थ यह है कि देश के राज्यों पर कुल 104 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। देश पर भी 200.50 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कुछ विशेषज्ञ इसे 225 लाख करोड़ के करीब मानते हैं। इसके बावजूद रेवड़ियां बांटी जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर कह चुके हैं कि आम आदमी फ्रीबीज नहीं मांगता। रेवड़ियां देश के विकास के लिए खतरनाक हैं। ये अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकती हैं। इन कथनों के बावजूद प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार में महिलाओं को 10,000 रुपये की रेवड़ी बांटी और खूब वोट हासिल किए। बिहार पर 3.61 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। पार्टियों की रणनीति बन गयी है कि रेवड़ियां बांटो खटाखट, तो वोट मिलेंगे फटाफट। यह राजनीति में बड़ी विडंबना है। सवाल है कि इस मुफ्तखोरी को न तो चुनाव आयोग ने रोका और न ही सर्वोच्च अदालत ने इस पर रोक लगाने की कोई ठोस पहल की है। बस टिप्पणी की है। देश की डरावनी तस्वीर यह है कि 15-49 वर्ष आयु-वर्ग की करीब 57 फीसदी महिलाओं में खून की कमी है। पांच साल की उम्र तक के करीब 35 फीसदी बच्चे बेहद कुपोषित हैं। स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, उचित पोषण देश के हर बच्चे तक पहुंचाना अभी भी चुनौती। ऐसे में सियासी रेवड़ियां बांटना कहां तक उचित है? इस पर टिप्पणी नहीं बल्कि गंभीर विमर्श और प्रभावी रोकथाम की जरूरत देश महसूस कर रहा है।

रक्षा, सुरक्षा और विकास में एआई की भूमिका

मनोज बाजपेयी

रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स से लेकर निर्माण, विनिर्माण, खनन, ट्रैफिक मैनेजमेंट और मीडिया तक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक साबित होगी। इसलिए एआई तकनीक में निवेश, शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देकर कुशल मानव संसाधन तैयार करना जरूरी है। एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इसलिए एआई समिट पर विवाद नहीं संवाद होना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी के अशोभनीय प्रदर्शन और एक विश्व विद्यालय के द्वारा चाइनीज रोबो डॉग को अपना आविष्कार बताकर प्रदर्शित करने से नयी दिल्ली के भारत मंडपम में 16-20 फरवरी के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' विवादों का केंद्र बन गया। यह देश को असहज करने वाली बात है। लेकिन इन विवादों से इतर अगर हम 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) अर्थात कृतिम या मशीनी बुद्धिमत्ता' के भविष्य, इसके उपयोग और मानव जीवन को सरल व सुगम बनाने में इस तकनीक की उपयोगिता की बात करें, तो यह कहा जा सकता है कि जो देश इसमें पिछड़ जायेगा, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

संभव है वह आर्थिक, सामाजिक और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से भी पिछड़ जाये। इसलिए नयी दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबल एआई एम्पैक्ट समिट' भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस समिट के महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसमें 10-12 देशों के प्रमुख नेताओं के साथ ही दुनिया भर के टेक जाइंट के सीईओ, फाउंडर्स और कंपनियों की भागीदारी रही। अनेक टेक्नोलॉजी कंपिनयों के बीच महत्वपूर्ण समझौते हुए। भारत में एआई टेक्नोलॉजी और एआई डाटा सेंटर्स में निवेश की चर्चा भी हुई। इसमें भारतीय कंपनियों ने भी एआई के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण कार्यों, आविष्कार और भविष्य में किये जाने वाले निवेश को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा किया। भारतीय स्टार्टअप 'सर्वम एआई' ने एक साथ 11 एआई प्लेटफॉर्म पेश कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। सर्वम केज (चश्मा), बिक्रम, सारस, बुलबुल, सर्वम डब, सर्वम विजन, संवाद, आर्या, सर्वम एज, सर्वम 105बी (सुपर स्मार्ट मॉडल) और सर्वम 30बी, ये ऐसे एआई प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे साधारण फीचर फोन पर कॉल के जरिए एआई की सेवाएं ली जा सकती हैं। ऐसा भी एआई है, जो इंटरनेट के बिना भी फोन पर चलेगा। दरअसल मनुष्य के भीतर जो चेतना होती है अथवा उसके अवचेतन में जो मौजूद रहता है या फिर मस्तिष्क हमारे शरीर को संचालित करता है, दिशा दिखाता है, ये एआई प्लेटफॉर्म भी लगभग उसी भूमिका में हैं। अर्थात यह भी साबित हो रहा है कि एआई मानवोपयोगी है, उसका सहायक है। बेशक नई प्रौद्योगिकी के कारण आईटी कंपनियों में हलचल है और बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। लेकिन आईटी में ही एक निश्चित समय के बाद फिर से बहार लौटेगा। फिर एआई और आईटी समन्वित रूप से दुनिया पर राज करेंगे। एआई के इन अनुसंधानों और उपलब्धियों की ही चर्चा होनी चाहिए थी, कालेजों, सेमिनारों से लेकर गांवों-गली और चौपालों तक एआईपर चर्चा और संवाद को पहुंचाने की जरूरत है। क्योंकि एआई सिर्फ किसी एक क्षेत्र विशेष के लिए ही उपयोगी नहीं है बल्कि सभी क्षेत्रों में यह सहयोगी होगा। कृषि, वानिकी और पशुपालन जैसे ग्रामीण पृष्ठभूमि के कामों को भी यह सहयोगी बनने वाला है।

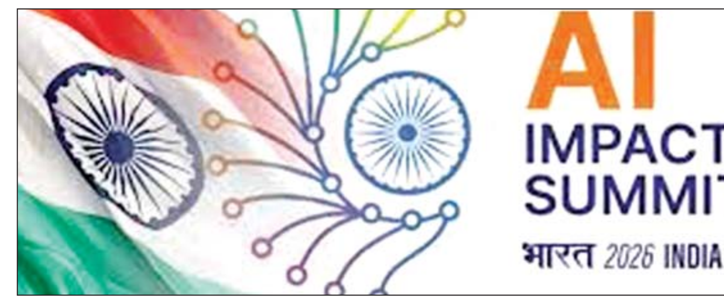

विमर्श

आज दुनिया भर में युद्ध का माहौल है। रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में है, ऑपरेशन सिंदूर फिलहाल स्थगित है लेकिन सीमा पर पाकिस्तान की हरकतें और कश्मीर घाटी में आतंकियों की करतूतें जारी हैं। गाजा में दिखावे की शांति है लेकिन अमरीका-ईरान के बीच कभी भी युद्ध छिड़ सकता है। भारत तो चारों तरफ से दुश्मनों से घिरा है। ऐसे में अगर एआई में पिछड़ गये तो हमारी रक्षा तैयारी भी कमजोर होगी। क्योंकि भविष्य के युद्ध एआई से ही लड़े जायेंगे। आज जब हम इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर की बात करते हैं, तो वह भी एक हद तक एआई आधारित युद्ध है। यूक्रेन अग्रिम मोर्चों पर दस दुनिया भर में मिलिट्री रोबोट युद्धक ड्रोन या रोबोट खच्चर जैसे किसी न किसी तौर पर काम कर रहे हैं और उनकी की होड़ बेतहाशा बढ़ रही है। साथ ही उसका बाजार भी। विश्व की बड़ी सेनाओं में एक भारत को भी इस बारे में बड़ी तैयारी करनी होगी। यूक्रेन ने सेना में भर्ती की उम्र 25 से घटा कर 18 कर दी इसके बावजूद सैनिकों की कमी बनी रही तो उसने अग्रिम मोर्चों पर हजारों सैन्य रोबोट इस्तेमाल करने का फैसला लिया। रूस भी सैनिकों की कमी से बुरी तरह जूझ रहा है, उसने भी संकेत दिए हैं कि वह भी ऐसा ही करेगा। लंबे संघर्ष में जैसे-जैसे नुकसान और थकावट बढ़ती जा रही है, दोनों पक्ष इंसानों की जगह मशीनें इस्तेमाल करने की बात कर रहे हैं। बेशक दीर्घकालिक युद्ध के दौरान भारी सैन्य शक्ति खोना पड़े तो ऐसी स्थिति स्वाभाविक है। आखिर हथियार तो जल्द निर्मित किए और खरीदे जा सकते हैं लेकिन कुशल और प्रशिक्षित सैनिक तो इतने जल्दी तैयार नहीं हो सकते, तो जाहिर है मशीनी सैनिक की जरूरत होगी। एक और स्थिति है, यदि कोई सेना भिन्न-भिन्न दिशाओं और सीमाओं पर एक साथ कई मोर्चा खोल ले तो उसे भी तत्काल तैनाती के लिये मशीनी सैन्य सहायता पर निर्भर होना होगा।

फिर आधुनिक युद्ध प्रणाली जिसमें आमने सामने की जंग लड़ने की बजाये दूर बैठे साइबर, डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता संपन्न तकनीक युद्ध का चलन हो उसमें इस दौर का आना और मौजूदा प्रवृत्ति का बढ़ना स्वाभाविक है। बीते साल नीदरलैंड में एक शिखर सम्मेलन के दौरान 80 देशों ने सैन्य अभियानों में इस तरह की सहायता पर चर्चा की जिसमें से 60 देशों ने युद्ध के मैदान में एआई के इस्तेमाल के लिये हामी भरी। निस्संदेह आने वाले वर्षों में स्वचालन या ओटोमेशन तथा कृत्रिम बुद्धिमता युक्त रोबोट युद्धक्षेत्र नवाचार का मुख्य केन्द्र होगा। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट बताती है कि कुछ सालों में मिलिट्री रोबोट के बाजार में बला की तेजी आई है। यूक्रेन और रूस दोनों युद्ध में ड्रोन का व्यापक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी ड्रोन का जमकर उपयोग किया गया। यह आर्टिफिशियल युद्ध ही तो है। पायलट रहित युद्धक विमान, ड्रोन, रोबो सैनिक, अत्याधुनिक एयर डिफेंस, इन सबे में एआई प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है।

दुनियाभर में सैन्य विभाग बचाव, हमला और निरीक्षण करने के लिए युद्ध के मैदानों पर तकरीबन कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त रोबोटिक प्रणालियों को यथा ड्रोन, ग्राउंड रोबोट, इलेक्ट्रिक युद्धक विमान आदि इस्तेमाल कर रही हैं। सेनाओं का आकलन है कि फ्रंटलाइन पर इनका इस्तेमाल का काफी बेहतर परिणाम देता है। प्रमुख देशों की सेनाओं द्वारा रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में बढ़ता निवेश और बेहिसाब वित्त पोषण इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि वे मिलिट्री रोबोट की आधुनिकीकरण प्रक्रिया के तहत उनकी क्षमताओं, तत्परता और संचालन प्रभावशीलता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुये जटिल रोबोटिक समाधानों को अपनाने की ओर तेजी से बढ़ रही हैं।

जाहिर है अब सैन्य रोबोट बाजार में लगातार बढ़त होने वाली है। इसी तरह एआई ड्रोन, पायलट रहित युद्धक विमान, एआई प्रौद्योगिकी से युक्त जासूसी इक्विपमेंट, सर्विलॉस सिस्टम, एयर डिफेंस आदि में एआई की भूमिका बहुत निर्णायक होगी। रक्षा क्षेत्र के साथ ही सुरक्षा, क्रॉउड मैनेजमेंट, निगरानी और अपराध अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां एआई तकनीक की भविष्य में निर्णायक भूमिका न हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स से लेकर निर्माण, विनिर्माण, खनन, ट्रैफिक मैनेजमेंट और मीडिया तक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक साबित होगी। इसलिए एआई तकनीक में निवेश, शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ ही प्रशिक्षित मैन पावर तैयार करना जरूरी है। एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इसलिए एआई समिट पर विवाद नहीं संवाद होना चाहिए।

(लेखक कार्यकारी संपादक हैं)

सोशल मीडिया

उत्तर प्रदेश को डीप टेक के क्षेत्र में अग्रणी राज्य में स्थापित करने की दिशा में आज लखनऊ में आयोजित आईबीएम एआई गवटेक इनोवेशन सेंटर के उद्घाटन में शामिल हुआ। सीएम योगी.

भाजपा सरकार की सड़क मतलब दिल धड़क-धड़क! भाजपा में बस भ्रष्टाचार की परत मोटी है, बाकी हर काम में भाजपाइयों की नियत बहुत खोटी है, छोटी है। अखिलेश यादव

छत्रपति शिवाजी महाराज ने जन-जन के कल्याण को सदैव सर्वोपरि रखा और उनकी सुरक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया, उनका जीवन आज भी पथ प्रदर्शक है। पीएम मोदी.

सुख-दुख का चक्र

वासना, अत्यधिक लिप्सा और भोग की प्रवृत्ति हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का ह्रास करती हैं। जिनके मन पर पर वासनाओं ने अधिकार जमा लिया है और जो इसके फल स्वरूप इंद्रियों के दास बन चुके हैं, उनका छुटकारा सहज में नहीं होता। वे विषयों की बुराइयां जानकर भी निर्बलता अथवा मोह वश उनके फंदे से नहीं निकल पाते। ऐसे लोगों को निरन्तर सत्संगति और आध्यात्मिक चिंतन की आवश्यकता पड़ती है। इन वासनाओं में प्रायः काम वासना ही सर्व प्रधान होती है और सबसे पहले उसी के निग्रह की चेष्टा की जानीचाहिए। स्त्री की प्रतिमूर्ति अथवा स्मरण मन को क्षुब्ध करता है। काम वासना शक्तिशाली होती है। यह एक कुसुम धानुष साथ लेकर चलती है, जिसमें मोहन, स्तम्भन, उन्मादन, शोषण और तपन रूपी पांच वाण सजे होते हैं। विवेक, विचार, भक्ति और ध्यान इस घोर राग का मूलोच्छेद करते हैं। यदि काम पर विजय प्राप्त हुई तो क्रोध, लोभ, आदि जो उसके शस्त्र हैं, आप ही कुण्डित हो जायेंगे। राग का प्रथम अस्त्र रमणी है। यदि इसे मन से नष्ट किया गया तो इसके अनुवर्ती और परिजन बड़ी आसानी से जीते जायेंगे। यदि सेनापति मारा गया तो सैनिकों को मार डालना आसान हो जायेगा। वासना पर विजय प्राप्त करो। फिर क्रोध को जीत लेना आसन हो जायेगा। केवल क्रोध ही वासना का अनुवर्ती है। सैनिक जैसे ही दुर्ग से बाहर निकलें, उन्हें एक-एक करके मार डालो, अंत में तुम्हारा दुर्ग पर आधिपत्य हो जायेगा। इसी प्रकार प्रत्येक संकल्प को जो मन में उठे एक-एक करके नष्ट कर दो। अंत में तुम्हारा मन पर अधिकार हो जायेगा। विचार, शांति, ध्यान और क्षमता के द्वारा क्रोध पर विजय प्राप्त करो। जो मनुष्य तुम्हारी हानि करता हो, उसके ऊपर दया करो और उसे क्षमा कर दो। उलाहने को प्रसाद समझो, उसे आभूषण जानों तथा अमृत तुल्य मानो। भर्त्सना को सह लो। सेवा, दया और ब्रह्मभावना के द्वारा विश्व प्रेम का विकास करो। जब क्रोध पर विजय प्राप्त हो जायेगी तो धृष्टता, अहंकार और द्वेष नष्ट हो जायेंगे। प्रार्थना और भजन से भी क्रोध दूर हो जाता है। संतोष, अभेद, विराग, तथा दान के द्वारा लोभ का शमन करो। अभिलाषाओं को मत बढ़ाओ, तुम्हें कभी निराश नहीं होना पड़ेगा। संतोष के राज्य के चार संतरियों की सहायता से तुम ब्रह्म ज्ञान, जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हो। अनुराग के पीछे-पीछे शोक और दुख भी लगे रहते हैं। अनुराग शोक से मिश्रित होता है। सुख के पीछे दुख चलता है। जहां सुख है वहां दुख है। अनुराग के नाम पर मनुष्य दुख का विषमय बीज वपन करता है जिससे शीघ्र की स्नेह के अंकुर निकल आते हैं। जिसमें बिजली के समान भयानक दाहकता होती है। इन अंकुरों से अनेक शाखाओं से युक्त दुख का वृक्ष उत्पन्न होता है।

अंतर्दृष्टि

पड़ोसी के आटा-दाल नहीं...

व्यंग्यलोक

पाकिस्तान की हालत खराब हो गई तो उसने आटा बेचने की एक दुकान खोल ली। वह इधर-उधर के देशों में जाता और आटा बेचने की कथा कहता। सबसे मीठी-मीठी बातें करता। लेकिन आटा बेचने की उसकी मीठी बातों का किसी पर कोई असर नहीं होता। उसके आटे की कोई बिक्री नहीं होती। इधर उसका पड़ोसी अफगानिस्तान भी कम नहीं था। उसके भी व्यापारिक संकट आ गया, तो उसने तेल बेचने की दुकान खोल ली। लेकिन इसका भी तेल कोई नहीं खरीदता। दोनों अपने-अपने पड़ोसियों से सिर्फ भीख मांगने का ही काम किया करते। कर्जे के तले दबे दोनों परेशान रहते। दोनों की कोई बिक्री नहीं हो रही थी। दोनों की बातों पर पूरी दुनिया को कोई विश्वास नहीं था। वे आपस में एक दूसरे को आतंकवादी सप्लाई करते और बैठे-बैठे मक्खियां ही मारा करते। तेल विक्रेता अफगानिस्तान और आटा बेचने वाले पाकिस्तान की दुकानें अगल-बगल में ही थी। आतंकवाद के तराजू में तोलने वाली सोच के कारण उनके घनघोर व्यापारिक संकट पैदा हो गया। कई-कई दिन बीत जाते, दोनों की बोहनी तक न होती। परेशान होकर दोनों ने बोरियत मिटाने के लिए आपसी विमर्श किया कि वे दोनों बारी-बारी से एक दूसरे की दुकानों पर जाएंगे और वस्तु का मोल भाव करेंगे। इससे बिक्री हो न हो उनका कुछ समय कट जाएगा। पब्लिक इससे मूर्ख बन जाएगी और उन्हें बड़ा मजा आएगा। दोनों ने महान व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार पहले तेल विक्रेता अफगानिस्तान पाकिस्तानी आटे की दुकान पर गया। उसने आवाज लगाई- औ पाकी! एक लीटर आटा देना। पाकिस्तान ने उसे समझाया- ब्रदर! ये आटा है। तेल नहीं। आटा लीटर में नहीं किलो में बिकता है। जाओ दुबारा से आकर आटा मांगो। तेल विक्रेता वापस जाकर आया। चिल्लाया- अरे औ पाकी! एक किलो आटा देना बोतल में! पाकिस्तान फिर परेशान हो गया। अफगानिस्तान को समझाया कि आटा किलो के माप में बिकता है और बोतल में नहीं भरा जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का कुछ तो पालन करो ब्रदर! अब चलो तुम मेरी दुकान पर बैठ जाओ। मैं डेमो देता हूं कि आटा कैसे मांगना है? तेल विक्रेता अफगानिस्तान आटे वाले पाकिस्तान की दुकान पर बैठ गया। पाकिस्तान बाहर जाकर वापस अपनी ही दुकान में घुसा और आटा बेच रहे तेल व्यापारी अफगानिस्तान से कहा- ब्रदर ए ब्रदर! एक किलो आटा देना! नकली आटा विक्रेता अफगानिस्तान ने तपाक से सवाल किया- बोतल लाए हो क्या? दोनों की बातें सुनकर पास में खड़ा चाइना जोर-जोर से हंसने लगा। मीठी बातें करने एवं तेल लगाने में उस्ताद चाइना ने दोनों देशों में अपना तेल और आटा लगाने का भारी कारखाना खोल दिया।

राम विलास जॉगिड़

आपके बारे में बहुत कुछ बताती हैं आपकी सोशल मीडिया पोस्ट

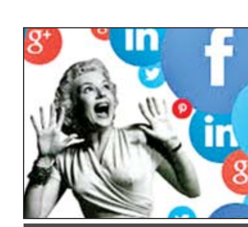

प्रतिबिंब

इंटरनेट एक बहुत ही रोमांचक और मनोरंजक चीज है। लेकिन कभी कभी यह आपके लिए तनाव की वजह भी बन सकती है। यह तब बनती है जब आप इंटरनेट पर किसी पोस्ट या रील पर कोई ऐसा कमेंट करते हैं, जो लोगों को रास नहीं आता और लोग आपकी इसके लिए आलोचना करते हैं और कभी कभी तो बहुत बुरी गालियां देते हैं, हद तो तब हो जाती है, जब आपके विषय में आपको अश्लील कमेंट का सामना करना पड़ता है। यह तो जाने अंजाने आपके कमेंट पर लोगों का रिएक्शन होता है, लेकिन कई लोग तो चैट रूम में सिर्फ लोगों को रोस्ट करने, बेइज्जत करने के लिए ही सक्रिय रहते हैं बल्कि कहा जाए तो कुछ लोग तो इस लत का शिकार भी होते हैं। ऐसे लोग इंटरनेट पर कोई भी चीज ढूंढ़ते हैं, जिस पर वे कोई बुरी या अपमानजनक टिप्पणी कर सकें। वे ऐसा करते हैं और एक बार नहीं, बार बार करते हैं। आप किसी भी फेमस यू-ट्यूब वीडियो, इंस्टाग्राम फोटो, लेख, ब्लॉग, पोस्ट या फेसबुक अपडेट के कमेंट सेक्शन में झांकें तो आपके ऐसे दूसरों को हेट कमेंट देने वाले कोई न कोई व्यक्ति जरूर मिल जाएंगे।

अब बात उन लोगों के विषय में जो सिर्फ सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने का काम करते हैं। दरअसल ये वो लोग होते हैं, जो अपने जीवन में खुद से ही इतने तनावग्रस्त होते हैं कि वे अपनी कुंठा और नफरत सोशल मीडिया पर कमेंट्स करने के जरिये निकालते हैं। इंटरनेट पर आप किसी से भी असहमत हो सकते हैं। आपको किसी का भी चेहरा हो सकता देखने में अच्छा न लगे, आपको उनके विचार पसंद न आएं। लेकिन इन सबके बावजूद आपके कमेंट करने का तरीका आपकी पर्सनैलिटी को लोगों के सामने लाकर रखता है। क्योंकि यही वह प्वाइंट है जहां पर आप कितने क्रिएटिव, कितने बुद्धिमान हों, लेकिन अगर आपके कमेंट करने का तरीका शालीन नहीं है, तो आपको लोगों की नफरत का सामना करना पड़ सकता है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसमें कोई एक दूसरे के सामने नहीं है, लेकिन वर्चुअल दुनिया में उनके बीच संवाद का सिलसिला चल रहा होता है। इसलिए इस माध्यम को इतना कमजोर भी नहीं समझना चाहिए, क्योंकि इसकी विजुविलिटी पूरी दुनिया में होती है। आपको अगर कोई गाली दे रहा है या आपकी तारीफ कर रहा है, इसका पता सबको लगता है। इसलिए इंटरनेट पर अगर आप नफरती संवाद करके नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हों तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। इंटरनेट पर नस्लवादी इसके लिए खास तौरपर मशहूर हैं, जिनमें हिंदू, मुस्लिम आपस में ही एक दूसरे के धर्म और संस्कृति का मजाक उड़ाते हैं। उन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं और बुरे कमेंट्स करते हैं। धीरे धीरे यह नफरती हिंसा के बीच कई लोग आने लगते हैं। अगर आपको भी इन स्थितियों का सामना करना पड़े तो खुद को इनसे अलग कर लेना चाहिए। हमें उन लोगों के कमेंट्स पर ध्यान न देते हुए उन्हें इग्नोर करना चाहिए। क्योंकि ये ऐसे लोग होते हैं, जो आपके कमेंट का जवाब बुरे तरीके से ही देंगे। यह हमें भी उतना ही बुरा महसूस कराने की कोशिश करते हैं, जितना वे चाहते हैं। उन्हें नजर अंदाज करना ही ठीक होता है। इंटरनेट की भाषा में इन्हें ट्रोल जरूर कहा जाता है, लेकिन इनका लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ इंटरनेट पर एक दूसरे के प्रति लोगों के दिल में नफरत फैलाना होता है। कुल मिलाकर दूसरों की पोस्ट पर आप जो कमेंट करते हैं, वे आपके बारे में बहुत कुछ कहते हैं। दूसरों के नफरती कमेंट्स को जवाब देने का कोई लाभ नहीं होता। क्योंकि इससे आपको बुरा ही लगता है। इससे परेशान होने की भी जरूरत नहीं होती। हां, सकारात्मक कमेंट्स का जवाब देना चाहिए और नकारात्मक कमेंट्स को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए। अज्ञानता से बचने का और अज्ञानी और सिरफिरों की बातों का जवाब देने का एक अच्छा तरीका है, उन्हें नजरअंदाज करना बाकी ब्लॉक बटन का ऑप्शन तो हमारे पास हर समय मौजूद होता ही है। जैसे-

- निगेटिव कमेंट्स करने से पहले सोचें, कमेंट करना और अपना अनुभव साझा करना जरूरी है, करें। लेकिन दूसरों की कीमत पर नहीं। क्या आपको लगता है कि जो आप कह रहे हैं, वे सचमुच दूसरों की बातों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। कमेंट करने से पहले रुकें और सोचें कि पोस्ट के बारे में आप क्या महसूस कर रहे हैं। अपनी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने के बाद ही सोच समझकर अपनी प्रतिक्रिया दें।

-मधु सिंह.

विचार

जैसे फूल में गंध, तिल में तेल, काष्ठ में घी और ईख में गुड़ निराकार रूप में रहता है उसी प्रकार सगुण शरीर में आत्मा विद्यमान रहती है।

-योगवशिष्ठ.

ब्रह्मचर्य की साधना करने से अनेक गुण स्वयं अधीन हो जाते हैं। जो शुद्ध भावना से ब्रह्मचर्य पालन करता है, वास्तव में वही भिक्षु है। तपों में सर्वोत्तम तप ब्रह्मचर्य है।

-महावीर.

बुद्धिमान कभी अपनी हानि पर शोक नहीं करते, बल्कि अपनी क्षति को पूरा करने का उपाय करते हैं।

-शेक्सपियर.

यदि आपका हृदय ईमान से भरा है तो एक शत्रु क्या, सारा संसार आपके सम्मुख हथियार डाल देगा।

-स्वामी रामतीर्थ.

ईर्ष्या मनुष्य को ठीक उसी प्रकार खा जाती है जिस प्रकार कपड़े को कीड़ा खा जाता है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य.

आप की बात

बुनियादी क्षेत्र का विकास

मोदी सरकार देश की तकदीर और तस्वीर बदलने वाली परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राजमार्गों के विकास पर सर्वाधिक फोकस कर रही है। दरअसल जिन्होंने देश में बुनियादी ढांचा विकास से जुड़ी परियोजनाओं के बारे में देखा-सुना है उनको अच्छी तरह मालूम है कि यहां दो-चार किलोमीटर की सड़क बनने में भी शिलान्यास और उद्घाटन के बीच पांच-सात साल लग जाता था। विकास की परियोजनाएं कैसे यहां आगे खिसकती हैं इसे समझने के लिए बहुउद्देशीय एवं वृहद जनकल्याणकारी प्रोजेक्ट सरदार सरोवर परियोजना पर गौर किया जा सकता है। सरदार सरोवर परियोजना का शिलान्यास देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने किया था और लोकार्पण वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। मुझे भी एक पुल के बारे में जानकारी है जिसका करीब आठ बार शिलान्यास किया गया और तीन दशक में बनकर तैयार हुआ। जब विकास परियोजनाओं का यह हाल देश में रहा हो, तो सहसा यह भरोसा करना कठिन हो जाता है कि कोई सरकार दो-तीन साल में दिल्ली से मुंबई के बीच करीब चौदह सौ मिलोमीटर का एक्सप्रेस वे दो-तीन साल में बनाकर शुरू कर देगी। फिलहाल नितिन गडकरी ने देश से वायदा किया है कि वे 2024 तक देश के रोड इन्फ्रा को अमरीका के बराबर कर देंगे। गडकरी के इस दावे में कुछ अतिश्योक्ति हो सकती है, लेकिन जिस तरह उन्होंने देश की सड़कों का कायाकल्प किया है उससे यह बात माननी पड़ेगी कि आज अगर देश के सभी नगर, महानगर हाइवे, एक्सप्रेस से जुड़ रहे हैं, सड़कों की शक्ल-ओ-सूरत बदली-बदली हुई नजर आती है, तो इसमें सबसे अधिक योगदान विभागीय मंत्री के रूप में नितिन गड़करी का ही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसे वे परियोजना गडकरी की प्राथमिकता वाली परियोजना है। देश की आर्थिक प्रगति में बुनियादी ढांचा और इसमें भी हार्डकोर इन्फ्रा के रूप में सड़कों का सबसे अधिक योगदान है। ऐसे में जैसे-जैसे देश में एक्सप्रेस वे, हाइवे और जिले से लेकर गांवों तक सड़कों का संजाल बिछता जायेगा, रेलवे, रोडवेज, एयरवेज, वाटरवेज के माध्यम से देश में कनेक्टिविटी और गति बढ़ेगी उसी तरह देश की प्रगति भी तेज होगी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे देश की आर्थिक और राजनीतिक राजधानी को आपस में जोड़ने में महती कड़ी साबित होगी। यातायात व्यवस्था दुरुस्त होने से, माल ढुलाई का समय घटने से, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र के बीच कनेक्टिविटी बढ़ने से इन राज्यों का विकास भी तेज होगा।

जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, लखनऊ.

श्रमिकों की सेवा सुरक्षा

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में खाली पदों पर भर्ती करने के बजाय प्रदेश सरकार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भर्तियां करती हैं। इससे जो युवा नौकरी में जाते हैं उनका दोहरा शोषण होता है। एक तो अधिकांश सरकारी सेवा प्रदाता कंपनियां युवाओं से घूस लेकर भर्तियां करती हैं, दूसरे उनको बहुत मामूली वेतन मिलता है और तीसरे उनकी नौकरी को भी हमेशा खतरा बना रहता है। यह स्थितियां इसलिए बनी हैं कि अगर सरकार सीधे संविदा पर भर्ती करे तो जो लोग एक बार भर्ती हो जायेंगे वे नौकरी में बने रहने के लिए यूनियन बनाकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, स्थायी करने की मांग करेंगे और फिर वेतन बढ़ाने और बात-बात पर हड़ताल भी करेंगे। कुछ लोगों की मनमानी के कारण आज पूरा युवा परिणाम भुगत रहा है। सरकार अपनी तरफ से संविदा नौकरियों पर भी भारी पैसा खर्च करती है, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी पूरा पैसा नहीं देती हैं। वह खुद भी मुनाफा काटती हैं, उसके कर्मचारी घूस लेते हैं और मामूली वेतन पर युवाओं को रखकर उनका शोषण करती हैं। युवाओं का शोषण रोकने और उनको अच्छा वेतन व सुविधाएं देने के लिए यह जरूरी है सरकार चाहे स्थायी नौकरी दे या संविदा पर रखे, लेकिन भर्तियां सीधे करें।

महेश कुमार श्रीवास्तव, बहराइच.

संक्षेप

स्मैक के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

बहराइच । पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम एवं मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम व मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महोदय नानपारा श्री पहुप सिंह के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक श्री रमेश सिंह रावत के कुशल नैतृत्व में उ0नि0 अजय कुमार चौकी प्रभारी शिवपुर मोहरनिया थाना रूपईडीहा मय पुलिस बल व रइ की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 22.02.2026 को समय 00.08 बजे इण्डो नेपाल बार्ड पिलर संख्या 651/11 के पास के तरफ से एक नफर अभियुक्त मीनू उर्फ अब्दुल रऊफ पुत्र अब्दुल गफूर निवासी कल्लन खाँ मोहल्ला थाना नानपारा जनपद बहराइच उम्र 32 वर्ष का 41 ग्राम नाजायज मादक पदार्थ स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया ' फर्द बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 झ्र 036/2026 धारा 8/21 ठउ्ढर अउळ पंजीकृत किया गया एवं आवश्यक विधिक कार्यवाही अभियुक्त मीनू उर्फ अब्दुल रऊफ पुत्र अब्दुल गफूर निवासी कल्लन खाँ मोहल्ला थाना नानपारा जनपद बहराइच उम्र 32 वर्ष को पेशी हेतु माननीय न्यायालय सदर बहराइच रवाना किया गया ।

सामाजिक सेवा से शुरू हुआ भागवत कथा का आयोजन

सोहावल-अयोध्या। निषाद पार्टी से टिकट लेकर बीकापुर विधानसभा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पार्टी के नेता और समाजसेवी कुड़ौली निवासी करुणाकर पाण्डेय उर्फ बब्बू के घर शुरू हो रही श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में सुबह बड़े काफिले के साथ कलश यात्रा निकली जो ज्वाला मां मंदिर तक पहुंची और सरयू तट ढेमवा घाट से जल भरकर वापस लौटी । इस यात्रा का समापन परिवार ने सामाजिक सेवा कर किया। इस अवसर पर लगभग 10000 लोगों में उपहार बाँटा गया। शामिल महिलाओं को साड़ी पुरुषों को कंबल मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिल स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित कर पुण्य कमाया। सुबह से शाम तक चले इस वितरण समारोह में विधानसभा से जुड़े अनेक गांव से लोग पहुंचे। सोमवार से शुरू हो रही इस भागवत कथा के कथावाचक कामाख्या धाम के महंथ इंद्रेश कौशिक जी महाराज होंगे। जिनके मुखारविन्दु से लोगों को कथा सुनने को मिलेगी। आगामी 2 मार्च को भंडारे का आयोजन किया गया है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने बूथों का किया निरीक्षण

अयोध्या। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत आलेख्य निर्वाचक नामावली का प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी, 2026 को किया गया है। इस क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-596/सी०ई०ओ०-4 दिनांक 19 फरवरी, 2026 द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन में रविवार को विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। विशेष अभियान दिवस पर जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा उपस्थित रहकर आलेख्य निर्वाचक नामावली, अनुपस्थित/शिफ्टेड/मृतक/डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची, तार्किक विसंगतियों की सूची तथा फार्म-6 (घोषण पत्र सहित), फार्म-6ए, फार्म-7 एवं फार्म-8 के साथ आवश्यक कार्यवाही की गई। समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों का भ्रमण कर बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई तथा कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह द्वारा 275-अयोध्या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने एम०एल०एम० इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या-43, 44, 45, 46, 47), साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या-136 से 141), बापू बालिका इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या-120 से 125) तथा श्याम सुंदर सरस्वती इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या-126, 129, 142 से 147) का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित बीएलओ उपस्थित पाए गए।

34 कमरों का बन रहा आधुनिक पर्यटक आवास

24 करोड़ से बन रहे जी प्लस थ्री भवन निर्माण में श्रद्धालु को मिलेगी सुविधा

जिला संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन के तहत तेजी से संवर रही रामनगरी में आने वाले अब हर श्रद्धालु को 'अतिथि देवो भवः' की भावना के अनुरूप सत्कार मिलेगा। इसके लिए रामकथा पार्क में एक आधुनिक नवीन पर्यटक आवास गृह (गेस्ट हाउस) का निर्माण कार्य हो रहा है। यह परियोजना अयोध्या में बढ़ते पर्यटकों की संख्या को देखते हुए ठहरने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

रामकथा पार्क पहले से ही रामायण की कथाओं को जीवंत रूप में दशार्ने वाला महत्वपूर्ण स्थल है, अब एक नए जी+3 मंजिला भवन के रूप में और आकर्षक बनने जा रहा है। इस पर्यटक आवास गृह में कुल 34 कमरों की सुविधा उपलब्ध होगी, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आरामदायक ठहरने का विकल्प प्रदान करेगी। भवन की कुल अनुमानित लागत 2421.08 लाख रुपये है। यह निर्माण कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई -11 अयोध्या की देखरेख में हो रहा है, जबकि पीपीई प्रणाली के तहत एलएंडटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा कार्यान्वयन किया जा रहा है। एलएंडटी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी के हाथों में होने से निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता पर पूरा भरोसा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया हुआ है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में ठहरने की सुविधाओं का विस्तार अनिवार्य हो गया था। रामकथा पार्क में यह नया आवास गृह न केवल सामान्य पर्यटकों के लिए बल्कि मध्यम वर्ग के श्रद्धालुओं के लिए भी किफायती और सुविधाजनक विकल्प साबित होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चल रहे अन्य प्रोजेक्ट्स जैसे घाटों का सौंदर्यीकरण, सड़कों का चौड़ीकरण, टेंट सिटी और थीम पार्क आदि के साथ यह नया पर्यटक आवास गृह अयोध्या की छवि को और निखार देगा। इस नए पर्यटक आवास गृह को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसमें 34 कमरें, किचिन, रेस्टोरेंट, लिफ्ट, वातानुकूलित कमरे, रिसेप्शन लॉबी, आधुनिक स्नानघर, वाई-फाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। कमरों का डिजाइन ऐसा रखा गया है कि पर्यटक रामकथा पार्क की हरियाली और रामायण से जुड़े वातावरण का पूरा आनंद ले सकें। पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को दशार्ने वाली मूर्तियां, भित्ति चित्र और अन्य आकर्षण पहले से मौजूद हैं, और यह नया गेस्ट हाउस इन्हें और अधिक सुलभ बनाएगा। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है ताकि जल्द से जल्द इसे पूरा किया जा सके और पर्यटकों को इसका लाभ मिल सके।

तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं को नहीं होना होगा परेशान

अयोध्या। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं के लिए सुनवाई प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं समावेशी बना दिया गया है। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी. फुडे ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं को अनावश्यक रूप से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मतदाताओं के सत्यापन हेतु बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) स्वयं घर-घर जाकर नोटिस का वितरण करेंगे। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा संबंधित मतदाता से नोटिस की पावती एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर उन्हें बीएलओ ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। इसके उपरांत सुनवाई की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी ।

जनसंवाद का माध्यम बनी मन की बात

400 बूथों पर सामूहिक श्रवण

अयोध्या। प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बात के 131वें संस्करण के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा महानगर क्षेत्र के लगभग 400 बूथों पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक एकत्रित होकर प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बूथ संख्या 22, अम्बेडकर नगर (करियप्पा मंडल) में कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम सुना। क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य सरोज कुमारी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कौशलपुरी आवास पर तथा पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने विद्यालय कुंड वार्ड में आयोजित सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके अतिरिक्त महानगर के विभिन्न बूथों पर अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री की ह्यमन की बातह्न केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों से सीधा संवाद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समाज के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, नवाचारों और जनभागीदारी की ताकत को सामने लाकर राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं।

महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम से समाज के हर वर्ग को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं, जिससे आमजन में नई ऊर्जा का संचार होता है। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश सदैव जनहित, स्वावलंबन और सामाजिक सहभागिता पर केंद्रित रहता है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे कार्यक्रम में बताए गए विचारों को समाज के बीच ले जाकर जनजागरण का कार्य करें। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम देश को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आम नागरिकों के प्रयासों को सराहकर उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भावना प्रबल होती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

गोसाईगंज विस क्षेत्र में डॉ. सर्वेश वर्मा ने दिखायी सियासी ताकत

अयोध्या। गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती सप्ताह के अवसर पर एक विशाल युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जहाँ डॉ. सर्वेश वर्मा ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में युवाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिसके चलते रामपुर भगन अयोध्या मार्ग और गोसाईगंज बाजार में गाड़ियों के काफिले से लंबा जाम लग गया, और पूरे क्षेत्र में डॉ. सर्वेश वर्मा की चर्चा बनी रही। डॉ. सर्वेश वर्मा ने गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी निवासियों का आभार व्यक्त किया। यह भव्य युवा सम्मेलन गोसाईंगंज के राजापुर सरैया स्थित पार्वती गर्ल्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (महाविद्यालय) के खेल मैदान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ, डॉ. डी. एम. कटियार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ, शशांक वर्मा ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में विमल कटियार और डॉ. कुलदीप डोंगर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सर्वेश कुमार वर्मा ने आए हुए अतिथियों को माला, शॉल और छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर सर्वेश वर्मा को कुर्मी क्षत्रिय महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वेश वर्मा ने बताया कि यह आयोजन कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ (युवा प्रकोष्ठ) द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं को संगठित कर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक एकता और शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपनाने का संदेश देना था। सम्मेलन में समाज की 11 बेटियों को मंच पर सम्मानित भी किया गया। डॉ. सर्वेश वर्मा ने गोसाईंगंज विधानसभा के सभी क्षेत्रवासियों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक शामिल हुए, जो कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण था।

नानपारा में की पीस कमेटी की बैठक

नानपारा । आगामी त्यौहारों होली और रमजान को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं आपसी सौहार्द के साथ सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत आज अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डी पी तिवारी, उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी की अध्यक्षता में कोतवाली नानपारा परिसर में एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष सहित थाना क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान, धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि त्यौहार हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक है और इन्हें आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था के दायरे में रहकर मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ संदेश अथवा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसडीएम ने ग्राम प्रधानों एवं धर्मगुरुओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अप्रमाणित सूचनाओं पर ध्यान न दें। पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। थानाध्यक्ष राजनाथ सिंह ने भी सभी से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना तुरंत पुलिस को उपलब्ध कराएं। बैठक में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संकल्प दोहराया। तहसील प्रशासन आगामी त्यौहारों को लेकर पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण सुनिश्चित होना तय है। पीस मीटिंग के बाद कोतवाली नानपारा के अंतर्गत रूट मार्च किया गया वा एसडीएम नानपारा के द्वारा सभी से क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील भी की गई।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी कांग्रेस

अयोध्या। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जहां सभी पार्टियां अपनी अपनी तैयारी में जुट चुकी हैं वही कांग्रेस पार्टी भी कमर कस कर मैदान में ऊतर चुकी है। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जहां सभी पार्टियां अपनी-अपनी तैयारी में जुट चुकी है। वहीं कांग्रेस पार्टी भी कमर कस चुकी है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं जिला महासचिव फूलचंद यादव द्वारा रविवार को हैरिंग्टनगंज ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत स्थित अपने आवास पर चाय के बहाने कांग्रेस के कई जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों को बुलाया। जहां पर घुघरी चाय के साथ नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुई संगठन को मजबूत एवं विस्तार करने पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की। जिला महासचिव फूलचंद यादव ने कहा कि देश एवं प्रदेश में चल रही आताताई जुल्मी भ्रष्टाचारी सरकार को हटाने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है।

हर नागरिक को बिना भेदभाव के मिले लाभ : मनीष कुमार

मेगा वृहद विधिक जागरूकता और सेवा शिविर का उद्घाटन

जिला संवाददाता

बाराबंकी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जीआईसी आडिटोरियम मे जनपद न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे मेगा वृहद विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रशासनिक न्यायमूर्ति मनीष कुमार नें फीता काट एवं दीप प्रज्जविल कर किया। इसके उपरान्त शिविर मे विभिन्न विभागो द्वारा लगाये गये स्टालो का भ्रमण किया।

इसके पश्चात माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने समाज कल्याण विभाग के लाभार्थियों को अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के चेक, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, वृद्धावस्था, विधवा एवं निःशक्तता पेंशन के नए स्वीकृति पत्र, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत लाभार्थी कन्याओं के खातों में सीधे लाभ हस्तांतरण की घोषणा पत्र, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को पोषण किट एवं लाभ की राशि, आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को प्रोत्साहन राशि, रोजगार स्वरोजगार विभाग के लाभार्थियों को विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चयनित युवाओं को प्रशिक्षण प्रवेश पत्र वितरण किये। कार्यक्रम मे जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह के देख-रेख में लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, जादू जैसे सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिविर मे एक जिला एक उत्पाद, जिला कारागार मे निर्मित वस्तुओं का स्टाल विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। शिविर मे विभिन्न विभागों के चिन्हित लगभग 1200 लाभार्थियों को लाभ दिया गया। इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति श्री कुमार ने कहा यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि सरकार की हर कल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। यह एक छत कार्यक्रम इसी संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण अल्पना सक्सेना, प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायलय वन्दना सिंह, अपर जिला जज व नोडल अधिकरी मेगा कैम्प श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह, सी0जे0एम0 सुधा सिंह, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, सिविल जज सी0डि0 व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शिवानी रावत, परियोजना निदेशक नोडल अधिकारी मेगा कैम्प राकेश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

लेंट का समय पाठ पर मनन करने का सर्वोत्तम समय है: पास्टर विनय फिलिप दयाल

बाराबंकी। ईसाई समाज में लेंट (चालीसा काल) की शुरूआत हो चुकी है। जो ईस्टर से 40 दिन पहले आता है। यह आत्मशुद्धि, त्याग, उपवास और विशेष प्रार्थना का समय है। इन 40 दिनों में विशेष मीटिंग्स और आराधनाएं आयोजित की जाती हैं, जो यीशु मसीह के बलिदान और पुनरुत्थान को याद करने के लिए हैं। लेंट का समय इस पाठ पर मनन करने का सर्वोत्तम समय है। यीशु ने हमें दिखाया कि कोई भी दूसरे की सेवा करने से ऊपर नहीं है, और सच्चा नेतृत्व विनम्रता से आता है। उक्त उद्गार डॉ0 आरोमा व डॉ0 प्रीती सिंह के आवास पर प्रभु की याद में आयोजित बैठक मे मेथोडिस्ट चर्च के पास्टर विनय फिलिप दयाल ने कही। पास्टर श्री दयाल ने कहा कि ये प्रभु ने 40 दिन निराहार रह कर जीवन दिया था और अंत में उसने मनुष्यों के लिये उस सलीबी मौत का दुख उठाया और हमको पापो से बचा कर उद्धार दे दिया उसी कर्म में मसीही समाज में रोज किसी ना किसी घर में उसकी याद में पाठ होता है। बैठक मे पास्टर विनय फिलिप दयाल और डा0 मनोज दयाल को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक मे शैलेन्द्र राज सिंह, डा0 प्रीति सिंह, चर्च सेक्रेटरी एस0के0 खन्ना, डा0 टीपू, महेश, हेमा, रजक, राम चन्दर आदि मौजूद रहे।

एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त मतदेय स्थलों पर चौथा विशेष अभियान दिवस सम्पन्न

बाराबंकी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने विधानसभा बाराबंकी 268 के मतदान केंद्र राम सेवक इंटर कॉलेज, लखपेड़ाबाग भाग संख्या 435, 436, 437, 438, 439 का स्थलीय निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। तथा बूथ पर उपस्थित बीएलओ से प्राप्त आवेदनों की स्थिति, मतदाता सूची के अद्यतन कार्य तथा हेल्प डेस्क के माध्यम से दी जा रही सहायता की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिक से अधिक फार्म-6 भरवाने, प्राप्त प्रपत्रों का समयबद्ध परीक्षण करने तथा लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी संबंधी नोटिसों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयावधि में निस्तारण करने पर जोर दिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह ने बाराबंकी एवं जैदपुर विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर संबंधित बीएलओ को अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

मानवता हुई शर्मशार , नवजात को कूड़े के ढेर में फेंका, हुई मौत

बहराइच । जनपद के फखरपुर इलाके में मानवता को शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है । जहां पर अज्ञात व्यक्ति की ओर से बोरे में रख नवजात को कूड़े में फेंक दिया । सुबह टहलने निकले लोगों ने नवजात को पढ़ा देख पुलिस को सूचना दी । मौके पर पहुंची पुलिस उसे उठा कर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां पर परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । फखरपुर थाना क्षेत्र में स्थित गजाधरपुर इलाके में आज सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने गड्ढे में एक नवजात को पढ़ा देख इसकी सूचना फखरपुर पुलिस को दी । जानकारी पर डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंच नवजात को लेकर फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंची जहां पर तैनात चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया । ग्रामीणों ने बताया एक नवजात लड़की कचरे में मिली थी शायद देर रात उसे कोई यहां पर फेंक गया था । सुबह लोगों ने उसे देख पुलिस को सूचना दी थी । थाना प्रभारी ने बताया कि नवजात का शव मिला है मामले की जांच की जा रही है ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

बहराइच । समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं की ओर से किए गए प्रदर्शन के विरोध में आज जिले में भाजला कार्यकताओं ने सड़कों पर उतर जमकर प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंका । भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शनिवार दोपहर को बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय पे पास स्थित परशुराम चौक पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं की ओर से समिट के दौरान किए गए हंगामे के विरोध में प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंकते हुए नारेबाजी की । प्रदर्शन के शामिल लोगों ने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं की ओर से किया गए कृत्य से देश की छवि खराब हुई है । राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए । इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिन मित्तल , भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पांडे , अरुणेंद्र सिंह अंकित , संजय जायसवाल , एकता जायसवाल , संतोष त्रिपाठी , सौरभ मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजदू रहे ।

सुनी गयी पीएम के मान की बात

बहराइच । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की मन की बात की 131 वां एपिसोड सुना गया । एड मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश के सभी क्षेत्र के विकास पर चर्चा की और अपने देश के प्रगति कितनी तेजी से हो रहा है इस पर लोगों का ध्यान आकृष्ट कराया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा बृजेश पांडेय युवा मोर्चा अध्यक्ष व जिला प्रवासी नितिन मित्तल व जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह डॉक्टर डिंपल जैन युवा मोर्चा संयोजक अरुडेन्द्र सिंह अंकित आईटी प्रमुख प्रमोद पांडे रामकृपाल एकता जायसवाल डॉक्टर कृष्ण कुमार अमित वर्मा नवोदय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

संक्षेप

लूट का पुलिस ने किया खुलासा

अमेठी। शादी समारोह के दौरान हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने त्वरित खुलासा कर दिया है। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के कस्बा स्थित अमर मैरिज लॉन के पास बारात के दौरान दूल्हे के पिता रंगनाथ मिश्रा से रुपयों से भरा बैग छीनकर बदमाश फरार हो गए थे। बैग में एक लाख रुपये नकद बताए गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस की सक्रियता का नतीजा रहा कि आज इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके कब्जे से 1,00,000 नकद, दो मोबाइल फोन और एक बाइक बरामद की गई है। विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब के नशे में उन्होंने यह वारदात की है। हैरानी की बात यह है कि दो आरोपी इंटर के छात्र हैं।

दिल्ली मैराथन में डॉ. सुप्रीत का कीर्तिमान

सुल्तानपुर (वीओएल)। जनपद के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि प्रसिद्ध सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने नई दिल्ली मैराथन में रिकॉर्ड समय में दौड़ पूरी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल चिकित्सा जगत, बल्कि पूरे सुल्तानपुर जनपद का नाम रोशन हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित मैराथन में देश-विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बीच डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अद्भुत सहनशक्ति, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए निर्धारित दूरी को रिकॉर्ड समय में पूरा किया। उनकी यह सफलता यह संदेश देती है कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, संतुलित जीवनशैली तथा माता पल्लवी वर्मा और पिता, सुप्रसिद्ध फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. ए. वर्मा सहित परिवार और शुभचिंतकों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि व्यस्त चिकित्सकीय दायित्वों के बावजूद स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना और समय प्रबंधन उनकी तैयारी का मूल मंत्र रहा। इस उपलब्धि से जनपद में सामाजिक, चिकित्सा और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

पेंशनर्स कल्याण संस्था की बैठक 28 को

सुल्तानपुर (वीओएल)। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था की मासिक बैठक 28 फरवरी को दोपहर 12:00 बजे संत तुलसीदास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामलीला मैदान में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुवंश नारायण उपाध्याय करेंगे। जिलामंत्री झिनकू पांडेय ने बताया कि बैठक में सदस्यता अभियान, पेंशनरों की व्यक्तिगत समस्याओं तथा आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों को लाभ न दिए जाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा सरकार की पेंशन संबंधी नीतियों के विरोध में आगे की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

कदंब विहार कॉलोनी में हिंदू सम्मेलन आयोजित

अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहिए : विश्वचैतन्य महाराज

मथुरा। कदंब विहार कॉलोनी के दयानंद पार्क में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्री गुरुकार्ष्णि श्री विश्वचैतन्य जी महाराज श्री गुरुकार्ष्णि रमणरेती आश्रम ने कहा है कि यदि मानव जीवन मिला है तो सभी से प्रेम करो। किसी से कोई भेद मत करो। संकल्प लो कि जो हो गया सो हो गया। सभी से प्रेम करो, क्योंकि यह संसार रूपी बगीचा ईश्वर ने बनाया है। भेदभाव रखोगे तो दुःखी रहोगे। कण- कण में ईश्वर देखोगे तो सुखी रहोगे। असहाय की मदद करें।

उन्होंने परिवार एकता और समाज एकता पर प्रकाश डाला। हम वेद, पुराण और भागवत कथाओं में जो सुनते हैं उनका अपने जीवन में पालन करो। मनुष्य की सेवा हो या माता- पिता की सेवा हो या पशु- पक्षियों की सेवा हो वह सीधे नारायण की सेवा है। सभी में परमात्मा को देखो यदि सभी में परमात्मा दिखाई देगा तो किसी से बैर नहीं होगा। अपना धर्म कितना भी छोटा क्यों न हो उसे नहीं छोड़ना है और कोई धर्म कितना भी बड़ा क्यों न हो उसे भी नहीं अपनाना है। मुख्य वक्ता प्रदीप अग्रवाल विभाग सह संपर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा है आरएसएस पर कई बार प्रतिबंध लगाया गया है। हर बार संघ पहले से और मजबूत होकर उभरा हैं। उन्होंने संघ पंच परिवर्तन और संघ की सौ वर्ष की यात्रा पर और हिंदू सम्मेलन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदुओं से संगठित होने का आव्हान किया। मीरा चैधरी एवं डॉ० अलका लांबा ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और नारी तू नारायणी के भाव पर प्रकाश डाला। भारत माता की आरती और प्रसादी का वितरण कर सम्मेलन का समापन हुआ। इससे पूर्व अतिथियों ने भारत माता के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर हिन्दू सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में आरबीएस मॉडर्न स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। सम्मेलन में भारत माता की जय, वंदेमातरम्, जय श्रीराम, हर हर महादेव के गगनभेदी नारे गुंजायमान होते रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता राधेश्याम गुप्ता एवं संचालन विपिन शर्मा ने किया। इस अवसर पर समिति सचिव सतीश शर्मा, ब्रजमोहन अग्रवाल, कैलाश चंद अग्रवाल, मुकेश शर्मा, हरिओम गुप्ता, एडवोकेट विजेंद्र वैदिक, गिरधारी, नीलम खंडेलवाल, ललिता शर्मा, प्रभा अग्रवाल, बच्चू सिंह, रमेश गौतम, सुमित वर्मा, भगत सिंह पटेल, पीताम्बर महाराज, चंद्रभान, विक्रम सिंह आदि भारी संख्या में सनातनी हिंदू उपस्थित रहे।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल लालगंज में नये सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

लालगंज, रायबरेली। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल, लालगंज में सत्र हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा में कक्षा नर्सरी से कक्षा 9 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रवेश परीक्षा के दौरान विद्यालय परिसर में सुव्यवस्थित एवं उत्सव पूर्वक वातावरण देखने को मिला। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा परीक्षा की निगरानी अत्यंत अनुशासित ढंग से की गई, जिससे बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने परीक्षा कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अभिभावकों से संवाद कर उन्हें विद्यालय की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। आप देख सकते है कि प्रत्येक सत्र विद्यालय नई सुविधाओं को जोड़ कर बच्चों को ज्ञान प्रदान कर रहा है। अभिभावकों ने विद्यालय की व्यवस्था, अनुशासन एवं शिक्षण प्रणाली की सराहना की। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर कविता शर्मा ने परीक्षा परिणाम 24 फरवरी को घोषित किए जाने तथा चयनित विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका प्रकृति श्रीवास्तव व रानू सिंह ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं व कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल त्रिपुला में प्रवेश परीक्षा आयोजित

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंड्री स्कूल त्रिपुला में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों के साथ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की, तदोपरांत विद्यार्थियों ने परीक्षा से पहले विद्या की देवी माता सरस्वती के समक्ष नमन करते हुए आशीर्वाद लिया। परीक्षा के दौरान उप-प्रधानाचार्य फैजान खान ने अभिभावकों को विद्यालय की अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों और सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन कराते हुए विद्यालय परिसर का भ्रमण कराया। इस अवसर पर संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, शुभी सिंह, अजय सिंह, रामदेव, अजय राज, धर्मेन्द्र शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षक / शिक्षिकाओं व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

बाउंड्री वॉल निर्माण में रेत और पीले ईंट का प्रयोग

संग्रामपुर, अमेठी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज संग्रामपुर में करीब तीन महीने से निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल गुणवत्ता और मानक को लेकर सवालों के घेरे में हैं। इसके पहले भी बाउंड्रीवाल निर्माण में घटिया ईंट के प्रयोग का वीडियो भी वायरल हो चुका है। महीनों बाद एक बार फिर से शुरू हुआ विद्यालय परिसर का बाउंड्री वॉल निर्माण मानकों की अनदेखी और गुणवत्ता विहीन सामग्री के उपयोग का आरोप लग रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। लेकिन गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। सूत्रों और फोटो में बाउंड्री वॉल के निर्माण के लिए रखी सामाग्री में रेत के ऊपर मात्र दिखावे के लिए मोरंग की परत डाली गई है, जबकि अंदरूनी हिस्से में रेत भरा हुआ है। साथ ही पीली ईंटों का उपयोग किए जाने की भी शिकायत सामने आई है, जो मानक के अनुरूप नहीं मानी जाते। ग्रामीणों का आरोप है कि नींव भी पर्याप्त गहराई और मजबूती से नहीं भरी गई है, जिससे भविष्य में दीवार के गिरने का खतरा बना रह सकता है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी मौके पर कम ही दिखाई देते हैं। यही कारण है कि ठेकेदार द्वारा मानक विहीन तरीके से कार्य किए जाने की चर्चा क्षेत्र में जोरों पर है।

प्रेमिका से नाराज युवक की जहर खाने से मौत

तिलोई, अमेठी। जनपद के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी बेचू 30 वर्ष की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन किया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के मुताबिक युवक का महाराजगंज जिले की एक विवाहित महिला से प्रेम संबंध था। इस संबंध को लेकर पूर्व में विवाद भी हुआ था और मामला थाने तक पहुंचा था। बताया जाता है कि आपसी समझौते के तहत कुछ शर्तें तय हुई थीं। रविवार को युवक कथित तौर पर महिला के घर गया था, जहां उसने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खा लिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं की जा रही हैं।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

गौरीगंज, अमेठी। जनपद के मुंशीगंज कोतवाली की रिपोटिंग चौकी शाहगढ़ क्षेत्र अंतर्गत कन्हई का पुरवा मजरे पूरबगांव निवासी रामकुमार चौहान (36) पुत्र वीरेंद्र चौहान की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकती हुई पाई गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस जांच तथा वैधानिक कार्यवाही में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर में ग्रामीणो ने राजकुमार की लाश सीहोर के पेड़ से लटकती हुई देखी। जिसकी सूचना राजकुमार के परिजनों को दी गई। मृतक के मामा शालिग्राम पुत्र जोखू राम निवासी (श्रीरामपुर उमापुर गाना पट्टी) के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक युवक अहमदाबाद में रहकर नौकरी करता था। घर पर उसकी दादी रहती है। बीते 20 फरवरी को वह घर आया हुआ था। घर पर पत्नी व दो बच्चे हैं माता-पिता और भाई सभी अहमदाबाद में रहते हैं। शाहगढ़ चौकी के प्रभारी आशीष वर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। मृतक की लाश को फांसी के फंदे से उतारकर पंचायत नामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया गया है। फॉरेंसिक टीम साक्ष्य संकलन में जुटी हुई है। घटना के विभिन्न पहलुओं पर जांच करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आठ साल से अधर में चकबंदी किसानों का फूटा गुस्सा

शुकुल बाजार/अमेठी। कृषि सुधार और ग्रामीण विकास की मंशा से शुरू की गई चकबंदी प्रक्रिया मवैया रहमतगढ़ गांव में आठ वर्षों बाद भी अधूरी पड़ी है। हालात ऐसे हैं कि जिन सुविधाओं के लिए यह योजना शुरू हुई थी, वही आज किसानों को नहीं मिल पा रही हैं। चकरोड, नाली और सिंचाई व्यवस्था के अभाव में किसानों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्राम मवैया रहमतगढ़ के किसान नेता ज्ञान प्रकाश शुक्ला का कहना है कि चकबंदी के दौरान खेतों तक पहुंचने के लिए समुचित रास्ते का वादा किया गया था, लेकिन आज भी खेत तक जाना मुश्किल हो जाता है। ट्रैक्टर और हार्वेस्टर ले जाना जोखिम भरा है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है, ग्रामीणों ने बताया। रामफेर यादव का आरोप है कि सिंचाई के लिए नालियों तथा खेत के जाने के लिए चक रोड न मिलने के कारण हमारी खेती नहीं हो पा रही है जिससे फसल प्रभावित हो रही है। वहीं श्यामलाल मौर्य और रामलखन पाल सहित कई किसानों ने कहा कि आपत्तियों के निस्तारण में अनावश्यक देरी की जा रही है। उनका कहना है कि चकबंदी की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए थी, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा है। स्थिति केवल मवैया रहमतगढ़ तक सीमित नहीं है। इच्छा ताजपुर, बाहरपुर, सेवरा और उररमऊ ग्राम पंचायतों में भी चकबंदी प्रक्रिया की धीमी गति और अव्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में असंतोष है। कई किसानों ने आरोप लगाया कि कागजी कार्रवाई तेजी से होती है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुविधाएं नहीं दिखतीं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही चकरोड, नाली और सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे सामूहिक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मामले में चकबंदी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएंगे। हालांकि, आठ वर्षों से लंबित चकबंदी और बढ़ती नाराजगी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन किसानों की आवाज सुनेगा या चकबंदी की यह प्रक्रिया यूं ही कागजों तक सीमित रह जाएगी।

अदिति सिंह ने जनता दर्शन में समस्याओं का किया समाधान जनता में बढ़ा विश्वास

रायबरेली। सदर विधायक अदिति सिंह ने अपने निजी आवास, रायबरेली के लालूपुर चैहान स्थित निवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की विभिन्न समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जनता दर्शन मे स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए, जिन्होंने अपनी रोजमर्रा की समस्याओं जैसे जल निकासी, सड़क मरम्मत, बिजली आपूर्ति और अन्य स्थानीय मुद्दों को विधायक के समक्ष रखा। अदिति सिंह ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को फौरन कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिससे उपस्थित लोगों में विश्वास और संतुष्टि की भावना जागृत हुई।

सदर विधायक ने कहा कि यह आयोजन न केवल जनसमस्याओं के निराकरण का माध्यम बना, बल्कि विधायक और जनता के बीच मजबूत संबंधों को भी दशार्ता है। क्षेत्रवासियों ने इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होते रहेंगे।

जिला स्तरीय कबड्डी में जीएमएम विजेता

- तृतीय डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव स्मारक कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सुल्तानपुर (वीओएल)। जिले के सीताकुंड धाम में आयोजित तृतीय डॉ सत्य प्रकाश श्रीवास्तव स्मारक कबड्डी प्रतियोगिता में जिले भर से टीमों ने प्रतिभाग किया। गोमती मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधाकर सिंह के द्वारा किया गया। संरक्षक रुद्र प्रताप सिंह आयोजन अध्यक्ष डॉ. मनीष श्रीवास्तव संयोजक रजनीश श्रीवास्तव की देखरेख में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिन भर चली प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसमें पहला सेमीफाइनल भदैया और सीताकुंड के बीच खेला गया, जिसमें सीताकुंड ने 30-21 से जीत दर्ज की दूसरा सेमीफाइनल जीएमएम और श्रीचंद राष्ट्रीय इंटर कालेज के बीच खेला गया, जिसमें जीएमएम की टीम ने 34-22 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला जीएमएम और सीताकुंड के बीच खेला गया जिसमें जीएमएम की टीम ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 18-12 से जीत दर्ज कर खिलाब पर कब्जा जमाया। टीम की तरफ से निखिल प्रिंस वैभव अर्पित ने बढ़िया प्रदर्शन किया। बेस्ट रेडर प्रवीण और बेस्ट डिफेंडर वैभव रहे। संचालन मुनेंद्र मिश्र और अनस ने किया। निर्णायक हीरा लाल यादव, शिवांश सिंह और सूरज रहे। स्कोरिंग प्रीतेश वर्मा ने किया। समापन विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह पूर्व बार अध्यक्ष नागेंद्र सिंह डॉ उत्तम सिंह गणेश मिश्रा ने मौजूद रहकर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर पर सभासद रमेश सिंह, मनीष श्रीवास्तव, रजनीश श्रीवास्तव, सूरज सिंह, अर्जुन यादव, महेश यादव, राजेंद्र शर्मा, विकास शर्मा, मुन्ना सोनी आदि मौजूद रहे।

फीस को लेकर मचे बवाल में विद्यालय प्रबंधन ने छात्रा को परीक्षा में बैठने की दी अनुमति

जिला संवाददाता (vol)

सलोन, रायबरेली। निमिषा कान्वेंट स्कूल सलोन में एक छात्रा की फीस को लेकर मचे बवाल में विद्यालय प्रबंधन ने बड़ा दिल दिखाते हुए उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति दी है। बताया जाता है कि छात्रा के परिवारीजनों द्वारा फीस न जमा किए जाने से छात्रा की परीक्षा नहीं दे पा रही थी। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने बताया कि स्कूल में सैकड़ों बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाती हैं। ऐसे में एक वीडियो वायरल हो रही हैं जिसमें छात्रा अनुष्का ने वीडियो में बयान दे रही हैं कि फीस जमा न होने के चलते परीक्षा में बैठने नहीं दिया जा रहा हैं। जबकि निमिषा कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्या रीना मिश्रा ने बताया कि अनुष्का को परीक्षा से रोका नहीं गया हैं बल्कि अनुष्का की आर्थिक स्थिति खराब होने से विद्यालय परिवार इनकी वर्ष 2024 से मदद कर रहा हैं उन्होंने बताया कि कक्षा 9 की फीस पहले ही माफ कर दी गई थी और वर्ष 2025 में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 37 हजार छः सौ रुपये बकाया होने के बावजूद बोर्ड परीक्षा में बैठने से नही रोका गया। इसके बावजूद कक्षा 11 में पूरे वर्ष फीस नहीं देने के बावजूद स्कूल वाहन से आने जाने की सुविधा दी गयी हैं और परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की गई थी लेकिन कुछ अवांछित तत्वों के द्वारा स्कूल को बदनाम करने की साजिश की जा रही हैं। उन्होंने क्षेत्र वासियों कहा है कि ये विद्यालय हमारा नही हैं ये विद्यालय आप सबका हैं विद्यालय परिवार हमेशा लोगों की मदद करता आया हैं आगे भी करता रहेगा। वहीं प्रकरण की जानकारी होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने छात्रा को परीक्षा दिलाने के लिए निर्देशित किया है।

सुदनापुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 50 मरीजों की जांच

गोसाईगंज, सुलतानपुर (वीओएल)। आस्था हॉस्पिटल की ओर से रविवार सुदनापुर प्राथमिक विद्यालय में निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 50 मरीजों की बीपी, शुगर, ईसीजी, बुखार, सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं तथा जरूरतमंदों को निरूशुल्क दवाएं और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में उपस्थित डॉ. पंकज पांडे ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और संतुलित खान-पान अपनाकर कई गंभीर बीमारियों, विशेषकर हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव संभव है। उन्होंने लोगों से नियमित व्यायाम करने और समय-समय पर जांच कराने की अपील की। शिविर में आर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. उपेन्द्र तिवारी, उत्तम सिंह जनरल सर्जन डॉ. शैलेन्द्र जायसवाल, डॉ. विकलेश कुमार शर्मा, सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर भटपुरा प्रधान प्रतिनिधि मनोज वर्मा सहित आदि उपस्थित रहे।

- बीपी, शुगर व ईसीजी की हुई जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिया स्वास्थ्य परामर्श

व्यक्तित्व के विकास का सुगम माध्यम है रासेयो शिविरः डॉ एके सिंह

लंभुआ, सुलतानपुर (वीओएल)। लंभुआ क्षेत्र में स्थित संजय गांधी पीजी कॉलेज चैकिया में रविवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ किया गया। प्राथमिक पाठशाला तेरएं परिसर में शिविर का शुभारंभ करते समय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद समाजसेवी डॉ एके सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि ष्सेवा के माध्यम से ही हम समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। यह योजना छात्रों को सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन कौशल सीखने का अवसर प्रदान करती है। मौके पर महाविद्यालय प्रबंधक योगेश सिंह, प्राचार्य डॉ. मंजू मगन, कार्यक्रमाधिकारी डॉ. धर्म विजय सिंह, डॉ. शीला सिंह, अनंत पाल सिंह, डॉ. रमेश दूबे, प्रभाकांत, पंकज सिंह, कार्तिकेय मिश्रा, राजेश आदि मौजूद रहे।

कानून-व्यवस्था की परीक्षा बनता जा रहा जलनिकासी का विवाद

जिला संवाददाता (vol)

- ब्लॉक के दरबानीहार गांव में बीते दो-तीन महीनों से चल रहा जलनिकासी विवाद

डलमऊ, रायबरेली। ब्लॉक के दरबानीहार गांव में बीते दो-तीन महीनों से जलनिकासी को लेकर चला आ रहा विवाद अब कानून-व्यवस्था की परीक्षा बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्य सड़क किनारे स्थित एक मकान से निकलने वाला पानी चन्द महीनो पहले जबरन पाइप के जरिए खड़ंजे मार्ग की ओर मोड़ दिया गया, जिससे दलित और मुस्लिम बहुल बस्ती में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। फिसलन के कारण बच्चों और बुजुर्गों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, हालांकि किसी गंभीर जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है। शिकायतों के बाद ब्लॉक स्तर से बीडीओ डलमऊ, संबंधित ग्राम पंचायत के अधिकारी व प्रधान प्रतिनिधि ने स्थलीय निरीक्षण कर तीन सीमेंट पाइप उपलब्ध कराते हुए वैकल्पिक निकासी की व्यवस्था कराई। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी कारणों से मुख्य सड़क की ओर से पानी को अंदरूनी नाली में मोड़ना फिलहाल संभव नहीं है स्थायी समाधान लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित नाला निर्माण के बाद ही हो सकेगा। ग्रामीण महिलाओं सहित कई लोगों ने आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद संजय के परिवार द्वारा ग्रामीणो व अधिकारियों से अभद्र व्यवहार की घटनाएं लगातार जारी हैं। जिसमें संजय द्वारा जानबूझकर खुद पीछे रह कर अपनी बेटी व बेटे को आगे करके लगातार माहौल खराब करते हैं हालिया निरीक्षण के दौरान वीडीओ सरांय दिलावर व एपीओ डलमऊ से भीषण अभद्रता की चर्चा भी सामने आई है। तनाव की स्थिति में अधिकारियों को वहां से बच बचाकर लौटना पड़ा। इससे पहले भी बीडीओ डलमऊ व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सरांय दिलावर से भी अभद्रता की चचाएँ लगातार जारी रही है खैर मामले में डलमऊ पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कुछ दिन पूर्व धारा 107/116 के तहत कार्रवाई की पुष्टि की है। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि बीते शनिवार को अधिकारियों से अभद्रता के बाद डलमऊ पुलिस को फोन किया गया तो मौके पर पहुंचे डलमऊ पुलिस से कोई एक दरोगा जी संबंधित पक्ष के घर के अंदर करीब आधा घंटा चुपचाप बातचीत किए और चुपचाप निकल लिए। इसके बाद डलमऊ पुलिस की कार्यशैली पर तमाम सवाल उठ रहे हैं, वही ग्रामीणों का कहना है बीते दिनों जब थाने गए थे तो थानेदार साहब ने कहा था की कोई वैसी बात हो तो वीडियो बना लिया करिए पर अबकी बार दरोगा जी का ही वीडियो में आ गए वही ग्रामीणों का कहना है कि हम लोग बिल्कुल विवाद नहीं चाहते शांति से जीना चाहते हैं तमाम बार डलमऊ पुलिस से मदद मांगी गई कि गांव में शांति व्यवस्था बनी रहे पर पुलिस को फोन किया जाता और पुलिस आती है चुपचाप उनके घर में लम्बी बातचीत करती और बिना कुछ कहे चुप चाप निकल जाती है। ग्रामीणों का यहां तक कहना है कि भविष्य में किसी को कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार संबंधित परिवार होगा वही उच्चाधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुरूप जनहित में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। खैर संबंधित मामले में जब कोतवाल डलमऊ से सीयूजी व उनके पर्सनल नम्बर पर फोन किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

पेड़ में फंदे पर लटके मिले युवक युवती के शव, इलाके में सनसनी

रायबरेली। मिलएरिया थानाक्षेत्र प्रेमराजपुर चकपचखरा गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब के पास एक पेड़ से युवक और युवती के शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटके पाए गए। सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना रविवार, 22 फरवरी की सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। मामला मिल एरिया थाना क्षेत्र का है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के बाहर स्थित चिलवल के पेड़ पर दोनों के शव फंदे से लटकते दिखाई दिए। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान शिव बहादुर (26 वर्ष) पुत्र गंगा प्रसाद, निवासी ग्राम दोहरी के रूप में हुई है। वहीं युवती की पहचान महिमा (20 वर्ष) पुत्री रामसमुझ, निवासी खदरी थाना क्षेत्र के रूप में की गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध की चर्चा थी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। ग्राम प्रधान राजीव कुमार जायसवाल ने बताया कि वह सुबह ग्राम सभा की ओर जा रहे थे, तभी उन्हें ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। घटना की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में भी इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ पाएगी। फिलहाल पूरे मामले की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

संक्षेप

कार और बाइक की टक्कर में युवक घायल

डलमऊ रायबरेली। डलमऊ क्षेत्र के गंगा घाट मुराईबाग में रविवार को कार और बाइक की टक्कर में एक युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। अनुज कुमार 25 वर्ष पुत्र दिनेश, निवासी सूची थाना सलोन जनपद रायबरेली, अपने मामा की लड़की रूपा निवासी रहमाना रायबरेली की सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गंगा घाट डलमऊ मुराईबाग जा रहे थे। इसी दौरान पहले से मौजूद उदयराज 26 वर्ष पुत्र देशराज अपनी कार वाहन संख्या यूपी71एके4052 मोड़ रहे थे। तभी कार और अनुज की बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई टक्कर के बाद अनुज सड़क पर गिर पड़े। आरोप है कि जब उन्होंने कार चालक को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने वाहन नहीं रोका और कार आगे बढ़ा दी। इस दौरान अनुज ने स्टेयरिंग पकड़कर कार रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने कार का शीशा ऊपर चढ़ा दिया, जिससे उनके हाथ में चोट आई। कार के आगे बढ़ने से उनके घुटनों में भी चोट लग गई। घटना के बाद तत्काल घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी डलमऊ भेजा गया। पुलिस के अनुसार मौके पर कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

34 साइबर ठग गिरफ्तार, 45 फरार

मथुरा। मथुरा के मिनी जामताड़ा में साइबर ठगों को पकड़ने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। बीस से अधिक गाड़ियों से पुलिसकर्मी के साथ एसपी पहुंचे और दो टीम बनाकर दो गांवों में छापेमारी की। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई लोग इधर-उधर भागने लगे कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा दौड़ा कर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और जांघवली गांव में छापेमारी की। करीब 5 घंटे तक चली कार्यवाही में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। पांच गाड़ियां भी जप्त की गई। दरअसल मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब 8-10 ऐसे गांव है। जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जो कि देश विदेश में ठगी को अंजाम देता है। शेरगढ़ क्षेत्र के गांव विशंभरा और जांघवली में रविवार को सुबह 6 बजे एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत फोर्स के साथ पहुंचे। उस समय गांव वाले सो रहे थे। पुलिस को देखते ही अफरा तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने पूरे गांव को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस कर्मियों ने घरों की तलाशी ली। 45 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस को अंदेशा है कि पकड़े गए युवक साइबर ठगी से जुड़े हैं। इनसे पूछताछ के बाद बड़े क्राइम नेटवर्क का भाड़ा फोड़ हो सकता है।

नहीं मिल रहीं लोगों को मूलभूत सुविधाएं

शुकुल बाजार, अमेठी। शुकुल बाजार क्षेत्र सहित महोना जैनमगंज और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के आसपास स्थित कई पेट्रोल पंपों पर आम जनता को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं या तो गायब हैं या केवल औपचारिकता तक सीमित दिखाई दे रही हैं। शासन और तेल कंपनियों द्वारा निर्धारित मानकों के बावजूद जमीनी हकीकत चिंताजनक है। क्षेत्र के अनेक पेट्रोल पंपों पर टायर में हवा भरने की मशीनें या तो बंद पड़ी मिलीं या फिर खराब स्थिति में हैं। कई स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था तो है, लेकिन पानी की शुद्धता पर सवाल उठ रहे हैं। स्वच्छता की कमी भी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। सबसे अधिक समस्या शौचालयों को लेकर सामने आई है। कई पंपों पर शौचालय बने होने के बावजूद उन्हें बंद रखा जाता है, या उनकी साफ-सफाई इतनी खराब है कि आमजन उपयोग नहीं कर पाते। कई ग्राहकों को यह जानकारी तक नहीं होती कि शौचालय की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ग्राहकों का यह भी आरोप है कि शिकायत पुस्तिका मांगने पर टालमटोल किया जाता है। रेट सूची भी कई स्थानों पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जैसे व्यस्त मार्ग के आसपास स्थित पंपों पर यात्रियों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था अपेक्षित है, लेकिन वहां भी लापरवाही देखने को मिल रही है। नियमों के अनुसार पेट्रोल पंपों पर शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, मुफ्त हवा, सही माप की गारंटी और शिकायत दर्ज करने की सुविधा अनिवार्य है।

मथुरा रिफाइनरी के फ्लावर शो का सांसद ने किया उद्घाटन

फूलों से बनीं विभिन्न कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं

मथुरा। मथुरा रिफाइनरी अपनी हरित व स्वच्छ छवि के लिए एक विषेष पहचान रखती है, और इस पहचान को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील भी रहती है। इसी श्रृंखला में मथुरा रिफाइनरी द्वारा 21-22 फरवरी 2026 को रिफाइनरी नगर स्थित नगर चौपाल में 40वां वार्षिक फ्लावर शो आयोजित किया गया।

दो दिवसीय फ्लावर शो की शोभा बढ़ाते हुए मथुरा की माननीय सांसद श्रीमती हेमा मालिनी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मथुरा रिफाइनरी के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि रिफाइनरी तकनीक, पर्यावरण और समाज के बीच सही सामंजस्य के साथ कार्य कर रही है और मथुरा क्षेत्र की शान है। उन्होंने फ्लॉवर शो का आनंद लिया और सभी को प्रकृति प्रेम के लिए प्रोत्साहित किया।

उद्घाटन के दौरान मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल और रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ भारी संख्या में टाउनशिप निवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्लोक कुमार, आईपीएस, एस एस पी, मथुरा ने भी शिरकत की और रिफाइनरी के प्रयासों की प्रशंसा की।

मथुरा रिफाइनरी में सन 1986 से लगातार फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है और इसके 40वें संस्करण के दौरान फ्लावरिंग प्लांट्स, डेकोरेटिव प्लांट्स और कट फ्लावर का उपयोग किया। फूलों से बनीं विभिन्न कलाकृतियां लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही। फ्लावर शो के दौरान टाउनशिप के सैकड़ों निवासियों ने विभिन्न कैटेगरी में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। दो दिवसीय आयोजन में टाउनशिप व आस पास के निवासियों ने फ्लावर शो का आनंद लिया और प्रकृति को सराहा और फ्लावर शो में बनी विभिन्न आकृतियों के सामने सेल्फी खींच कर अपने लिए सुंदर व मनमोहक यादें सजाईं।

जिलाधिकारी ने किया विशेष अभियान दिवस का निरीक्षण

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के दृष्टिगत मथुरा-वृन्दावन नगर निगम के वृन्दावन जोनल कार्यालय में आयोजित विशेष अभियान दिवस / मेगा कैंप का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाइजर से फॉर्म 6, 7 एवं 8 की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने दावे एवं आपत्तियां से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं

सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा नोटिस पर की जा रही सुनवाई की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक छूटना नहीं चाहिए और कोई भी अपात्र जुड़ना नहीं चाहिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। उक्त कार्य में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने बी0एल0ओ0 से मतदाताओं की मैपिंग की जानकारी भी प्राप्त की। जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति में मेगा कैंप/विशेष अभियान दिवस आयोजित हुआ। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी जनपदवासियों से अपील की है कि दिनांक 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम अंकित नहीं है अथवा ऐसे सदस्य जिनकी आयु 01-01-2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो, वे अपना फार्म-6 घोषणा-पत्र सहित भरकर अपने बूथ लेवल अधिकारी को उपलब्ध करा दें अथवा म्ब्प्छम्ज मोबाइल एप्लीकेशन या अवजमत.मबप.हवअ.पद पोर्टल पर ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आलेख्य मतदाता सूची में अंकित अपनी प्रविष्टि में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए फार्म-8 भरा जा सकता है। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु टोल फ्री नम्बर 0565-1950 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया मन की बात का सामूहिक श्रवण

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक अभियान के तहत रविवार को प्राथमिक विद्यालय नगरी (बूथ संख्या 328) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 131वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के पदाधिकारियों ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने प्रधानमंत्री के देशहित, समाज सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं जनभागीदारी से जुड़े प्रेरणादायक विचारों को गंभीरता से सुना। भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने कहा कि ह्यमन की बातह्न में प्रेरणादायक विचारों का स्मरण हुआ है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के संबोधन में राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जो कार्यकताओं में ऊर्जा और सेवा भाव को सशक्त करता है, उनके विचारों को हम सभी जन-जन तक पहुंचायेंगे। इस अवसर पर विनोद प्रमुख, सुनील तरकर मंडल अध्यक्ष उस्फार गांव आदि सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

जनपद न्यायालय परिसर में भव्य मेगा विधिक साक्षरता व सेवा शिविर आयोजित

फिरोजाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जनपद न्यायालय फिरोजाबाद परिसर में मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश फिरोजाबाद डॉ.बाबू सरंग द्वारा फीता काटकर किया गया। तत्पश्चात जनपद न्यायाधीश द्वारा माँ सरस्वती एवं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अरविंद कुमार अपर जिला व सत्र न्यायाधीश-प्रथम सुनील कुमार सीडीओ शत्रोहन वैश्य एडीएम मोहन लाल गुप्ता नोडल अधिकारी उप निदेशक कृषि श्री एस.पी सिंह नोडल अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडेय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव योगेश शिवा द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम में सहभागिता की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण

के प्रति जागरूकता हेतु पौधारोपण भी किया गया। उक्त मेगा शिविर का मुख्य उद्देश्य जनसामान्य को विभिन्न सरकारी योजनाओं निःशुल्क विधिक सहायता अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहाँ आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान अनेक पात्र लाभार्थियों को मंच के माध्यम से विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ वितरित किया गया, जो इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य रहा। साथ ही विधिक जागरूकता के प्रचार-प्रसार हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से जनसामान्य को सरल एवं प्रभावी तरीके से विधिक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव योगेश शिवा एवं शिवकांत पालिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी, अधिवक्तागण पैरा विधिक स्वयंसेवक छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ धाम जायेगा गुलाल

- रंगभरी एकादशी को होगा बाबा विश्वनाथ को अर्पित
- बाबा विश्वनाथ के धाम में होंगे ब्रज की होली के दर्शन

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि से विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रंगभरी एकादशी शुकवार (27 फरवरी 2026) होली महोत्सव के लिए काशी विश्वनाथ धाम वाराणसी गुलाल यात्रा जायेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुये श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम दोनों ही स्थानों पर परंपरागत रूप से रंगभरी एकादशी को होली का मुख्य महोत्सव मनाया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की परंपरागत रंगारंग लठामार होली, पुष्प होली एवं गुलाल होली करोड़ों-करोड़ कृष्ण-भक्तों के आकर्षक का केन्द्र है, वहीं नील गुलाल, पुष्प और भस्म की होली काशी विश्वनाथ धाम में शिव भक्तों को आनन्दित करती है। गत वर्ष बाबा विश्वनाथ धाम में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से बाबा विश्वनाथ की होली के लिए भव्य आयोजन के मध्य भेजा गया प्रसाद, गुलाल, पुष्प प्रमुखता से बाबा विश्वनाथ की होली में सम्मलित हुआ था। इस वर्ष भी दिनांक 27 फरवरी 2026 रंगभरी एकादशी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि एवं कृष्ण भक्तों की ओर से वृहद मात्रा में प्रसाद, गुजिया, गुलाल, नील गुलाल, फल-पुष्प काशी विश्वनाथ धाम भेजे जायेंगे। इस वर्ष होली के गायन, वादन और होली नृत्य के लिए ब्रजवासी कलाकार भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ जायेंगे। काशी (शिव) और मथुरा (कृष्ण) की होली में आध्यात्मिक एकात्मकता है, जो रंग भरी एकादशी पर काशी विश्वनाथ धाम में ब्रज की होली के रूप में प्रकट होगी। यहाँ शिव-शक्ति और राधाकृष्ण के होली के रूप में पुष्प-रंग-गुलाल उत्सव से बाबा विश्वनाथ के धाम में अनूठे आनन्द की वर्षा होगी।

यह प्रथम वार होगा कि ब्रज के ग्वाल-गोपी काशी विश्वनाथ धाम के प्रांगण में ब्रज की पुष्प होली, गुलाल होली से बाबा के धाम को आनन्दित करेंगे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास एवं काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के प्रयासों से इस प्रकार के नवीन आयोजन करोड़ों-करोड सनातन धर्मावलम्बियों को आनन्दित करते हैं। सवा मन गुजिया प्रसाद, गुलाल, नील गुलाल, फल, पुष्प श्रीकृष्ण जन्मभूमि से दिव्य शोभायात्रा के माध्यम से काशी विश्वनाथ धाम को भेजी जायेगी। दिनांक 26-02-2026 की प्रातः 10 बजे ठाकुर श्रीकेशवदेवजी विराजमान श्रीकृष्ण जन्मभूमि से गुलाल यात्रा हरिनाम संकीर्तन एवं मंगल ध्वनि के मध्य प्रांगण में भ्रमण कर सुसज्जित वाहन से काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी स्वाना होगी। 27-02-2026 रंगभरी एकादशी के दिन श्रीकृष्ण जन्मभूमि से यात्रा में सम्मलित पूजाचार्य, भक्तजन एवं रसिक कलाकार काशी विश्वनाथ धाम में बाबा को प्रसाद एवं गुलाल अर्पित करने के उपरान्त, ब्रज के फाग का धमाल बाबा विश्वनाथ के धाम में मचाकर भक्तों को अलौकिक आनन्द की अनुभूति करायेंगे। बाबा विश्वनाथ की नील गुलाल, भस्म होली एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के रंगारंग पुष्प-गुलाल होली का एक साथ दर्शन निश्चित ही श्रद्धालुओं को अभिभूत और रोमाचित करेगा। सस्थान का प्रयास है कि भारतवर्ष के प्रमुख मंदिरों एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मध्य धार्मिक आयोजनों में सहभागिता रहे एवं इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इस प्रकार के आयोजनों में सनातनी गौरव में एकता के दर्शन होंगे। सस्थान ने काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण को मथुरा-काशी के मध्य रचनात्मक आध्यात्मिक नवाचार के लिए आभार प्रकट करते हुए, सभी भक्तों से इस गौरवमय आध्यात्मिक सेवा में सहभागिता का अनुरोध किया है।

रंगभरनी एकादशी पर रहेगी दुरुस्त व्यवस्था

मथुरा। वृंदावन तीर्थनगरी में होली पर्व मनाने के लिए आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं 27 मार्च को रंगभरनी एकादशी पर वृंदावन की पंचकोसीय परिक्रमा करने के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की जा रही हैं। रविवार को लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार द्वारा अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। साथ ही व्यवस्था चाक चैबंद बनाने के किए अधीनस्थों को निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि परिक्रमा मार्ग में परिक्रमार्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सफाई एवं अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

रंगभरनी एकादशी को लेकर डीएम-एसएसपी ने की समीक्षा

मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन वृन्दावन के सभागार में आगामी रंगभरनी एकादशी पर्व 27 फरवरी की तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

डीएम ने बैठक में सख्त निर्देश दिए कि प्रतिबंधित रंग का प्रयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिबंधित/नकली/ केमिकल युक्त रंगों को बेचने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एहसे रंगों को तत्काल सीज किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि संपूर्ण वृन्दावन परिक्रमा मार्ग पर नियमित दूरी में पुलिस, अग्निशमन, सफाई, विद्युत तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कर्मचारी एवं अधिकारी परिक्रमार्थियों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों से विनम्र रहे। अपनी भाषा को मृदुल रखे तथा सेवा के भाव ड्यूटी का निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि रंगभरनी एकादशी पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा वृन्दावन की परिक्रमा की जाती है तथा रंग खेला जाता है। हमारी यह जिम्मेदारी है कि किसी को कोई असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को नियमित दूरी में स्वास्थ्य कैंप, एम्बुलेंस तथा बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को समस्त खंभों एवं ट्रांसफॉर्मर्स की प्लास्टिक रैपिंग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निगम को साफ-सफाई, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट आदि हेतु निर्देशित किया। उन्होंने यमुना जी के घाटों पर बैरिकेडिंग एवं पुलिस की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। यमुना जी एवं घाटों के आस-पास नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने निर्देश दिए कि पुलिस सहायता केंद्रों पर 24 घंटे ड्यूटी सुनिश्चित करे। रंगभरनी एकादशी पर्व पर किसी भी बच्चे, महिला, बुजुर्ग आदि के साथ दुर्व्यवहार/ छेड़खानी करने वाले पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करे। शरारती तत्वों पर पैनी नजर बनाए रखे। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करे। संपूर्ण वृन्दावन परिक्रमा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि एक क्यूआर कोड बनाया जाए, जिसमें वृंदावन के अस्पतालों, पार्किंगों, पुलिस सहायता केंद्रों, स्वास्थ्य कैंपों आदि की डिटेल हो। उक्त क्यू0आर0 कोड को वृंदावन परिक्रमा मार्ग में जगह जगह पर चस्पा कराया जाए तथा उसके बैनर पार्किंग में भी लगाए जाए, जिससे कोई भी श्रद्धालु आसानी से उक्त सुविधाओं का लाभ ले सकता है। जिलाधिकारी ने मजबूत बैरियर एवं बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त होटल संचालकों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देशित करने के निर्देश दिए। क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए के संबंध में सभी होटल संचालक अपने-अपने होटलों में सूची चस्पा करे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पर्व पर सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग को नो व्हीकल जोन/वाहन प्रतिबंधित जोन बनाया जाए। पीए सिस्टम से नियमित अनाउंसमेंट करते रहे। प्रभावी खोया पाया केंद्र बनाया जाए। परिक्रमा मार्ग को अभियान चलाकर अतिक्रमण मुक्त किया जाए। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपीश्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी यातायात मनोज कुमार, डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता पुनरीक्षण विशेष अभियान दिवस पर जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

फिरोजाबाद। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत रविवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी-जिला निर्वाचन अधिकारी रमेश रंजन ने निर्वाचन प्रक्रिया की सुचिता और प्रगति को परखने हेतु औचक निरीक्षण किया, इस क्रम में डीएम ने 98 शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नारायण इंटर कॉलेज में स्थापित बूथ संख्या 346 से 354 का गहन निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां तैनात बूथ लेवल अधिकारियों से प्राप्त हो रहे आवेदनों की वस्तुस्थिति को जाना डीएम ने मौके पर फॉर्म-6,7,8 और फॉर्म- 6 ए प्रवासी मतदाता के निस्तारण और उपलब्धता का विस्तार से अवलोकन किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपस्थित आम नागरिको और मतदाताओं से संवाद किया, उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए अपील की कि वह दावा एवं आपत्ति अवधि का लाभ उठाएं और अधिक से अधिक पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराये, जिलाधिकारी ने समस्त बीएलओ को निर्देशित किया है की पुनरीक्षण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः इसे पूरी सटीकता समयबद्धता और त्रुटिहीन तरीके से संपन्न करें, किसी भी स्तर पर शीथिलता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्वाई की जाएगी, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद गजेंद्र पाल सिंह भी उपस्थित रहे।

राज्य विकास समन्वय व निगरानी समिति दिशा के गठन का शासनादेश जारी

टूंडला। उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास अनुभाग के विशेष सचिव रजनीश चन्द्र ने 20 फरवरी 2026 को अधिसूचना जारी कर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य विकास समन्वय एवं निगरानी समिति राज्य स्तरीय दिशा का महामहिम राज्यपाल द्वारा गठन किया है। इस समिति में मुख्यमंत्री द्वारा पांच विधायकों एवं तीन विधान परिषद सदस्यों को नामांकित किया गया है, जिसमें आगरा के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल को भी मनोनीत किया गया है। टूंडला के ग्राम बछगांव निवासी क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज सदस्य श्रीकृष्ण गौतम को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा गैर सरकारी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। राज्य दिशा समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री तथा सह अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग हैं। इसमें 12 लोकसभा एवं राज्यसभा सदस्यों को भी ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मनोनीत किया गया है। सांसदों में प्रमुख रूप से केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, डॉ.रामगोपाल यादव स्वामी साक्षी महाराज एवं अखिलेश यादव जैसे प्रमुख सांसद शामिल हैं। समिति में भारत सरकार की योजनाओं से संबंधित राज्य सरकार के संगत विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रमुख सचिव भी सदस्य के रूप में नामांकित किए गए हैं। यह समिति भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित सभी विकास योजना का पर्यवेक्षण निगरानी एवं अनुश्रवण करेगी। समिति की बैठक कम से कम हर 6 महीने में एक बार होगी। श्रीकृष्ण गौतम ने अपने मनोनयन पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं भाजपा नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

परिवार परामर्श केंद्र ने काउंसलिंग कर 5 परिवारों की खुशियां लौटायी गयी

फिरोजाबाद। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश अभियान के तहत 5 परिवारों की काउंसिलिंग कर आपसी सहमति से सुलहनामा कराते हुए परिवारों की खुशियाँ लौटाई गयीं। रविवार को एसीसपी सौरभ दीक्षित के निर्देशन में परिवार परामर्श केन्द्र दीदी प्रोजक्ट द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 सशक्त नारी समृद्ध प्रदेश अभियान के तहत कुल 5 घरेलू मामलों में काउंसिलिंग कर आपसी सुलहनामा कराते हुए समझौता कराया गया। उक्त परिवारों के आपसी चल रहे घरेलू विवादों में दोनों पक्षों को आपसी सहमति से सुलहनामा कराते हुए सकुशल घर रवाना किया गया। इस दौरान सभी पक्षों के द्वारा फिरोजाबाद पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा कर धन्यवाद व्यक्त किया गया।

भाजपाइयों ने सुना पीएम मोदी के मन की बात का 131 वां संस्करण

टूंडला। विधानसभा टूंडला के बूथ संख्या 200 पर भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मुनीष चौहान के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 131 वाँ संस्करण सुना। जिले के सभी वर्तमान व निवर्तमान जनप्रतिनिध पूर्व जिलाध्यक्ष जिला व मोर्चों के जिला पदाधिकारी सभी प्रकोष्ठों के जिला संयोजक व सह संयोजक सभी मंडलों के अध्यक्ष प्रभारी मंडलों के पदाधिकारी, मंडलों के मोर्चों के अध्यक्ष व पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक व शक्ति केंद्र प्रभारी, सभी 1248 बूथ अध्यक्ष व बूथ की कार्यकारिणी ने अपने बूथ पर रहकर मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह के साथ मण्डल प्रभारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह मनप्रीत सिंह कीर वंश प्रताप सिंह शोभा सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

वृहद विधिक सहायता व सेवा शिविर आयोजित

मथुरा। उच्च न्यायालय इलाहाबाद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेशानुसार रविवार को पान्चजन्य प्रेक्षागृह, डैम्पीयर नगर, मथुरा में मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विकास कुमार, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा द्वारा की गई। इस अवसर पर चंद्र प्रकाश सिंह जिलाधिकारी श्लोक कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा, राजेश चैधरी पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण मथुरा, अपर जिला जज रामप्रकाश पाण्डेय, बृजेश कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद, विजेन्द्र कुमार, सूर्यभान कुमार वर्मा अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे, श्रीमती अनीता सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा, डा0 पंकज कुमार वर्मा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मथुरा सहित अनेक न्यायिक, प्रशासनिक, पुलिस अधिकारीगण व चिकित्सकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। तदोपरान्त विभिन्न स्कूल की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती वन्दना व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

संक्षेप

भारत के सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में बढ़ते कदम

नयी दिल्ली। अशोक चांडक, प्रेसिडेंट, आईईएसए और सेमी इंडिया ने बताया फॉक्सकॉन-एचसीएल डीडीआईसी प्रोजेक्ट की शुरूआत भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत बढ़ती रफ़्तार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एचसीएल, जो आईईएसए की एक अहम सदस्य है, फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी करके वैश्विक स्तर और भारत की डिजाइन व इंजीनियरिंग शक्ति को एक साथ लाई है। डिस्प्ले ड्राइवर आईसी इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और नेक्स्ट-जेन डिस्प्ले ईकोसिस्टम के लिए बहुत जरूरी होते हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसे-जैसे आईएसएम-समर्थित पहलें घोषणा से अमल की ओर बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे भारत के सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम पर भरोसा बढ़ता जा रहा है। यह सहयोग भारत की डिजाइन-आधारित मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई-चेन के लचीलेपन की ओर बदलाव को मजबूत करता है, तथा दुनिया में इस संदेश को पुख्ता करता है कि भारत सेमीकंडक्टर इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक भरोसेमंद हब के रूप में उभर रहा है।

एफएमसीजी कंपनियों को बिक्री मात्रा बढ़ने की उम्मीद

नयी दिल्ली। देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) का मानना है कि अगले वित्त वर्ष में उनकी वृद्धि मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा पर आधारित होगी। कंपनियों का कहना है कि महंगाई घटने और कच्चे माल की कीमतें स्थिर रहने से उनके मुनाफे पर दबाव कम होने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इन कंपनियों ने मध्यम से उच्च स्तर की मात्रा वृद्धि दर्ज की। हाल की बैठकों में उद्योग के दिग्गजों ने कहा कि कई महीनों की अस्थिरता के बाद कारोबार का माहौल अब बेहतर हो रहा है। आवश्यक कच्चे माल जैसे खाद्य तेल, गेहूं, नारियल और रसायनों की कीमतें कम हुई हैं। साथ ही जीएसटी दरों में सुधार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि और अच्छी फसल के कारण मांग में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है। कई कंपनियों ने पहले ही चालू वित्त वर्ष में मामूली मूल्य वृद्धि की है और अब उनका मानना है कि वृद्धि कीमतों के बजाय बिक्री की मात्रा से होगी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में महंगाई काफी बढ़ी थी। अब महंगाई धीरे-धीरे कम हो रही है। नारियल तेल, साबुन और वनस्पति तेल की कीमतें घट रही हैं। इसलिए अगले वित्त वर्ष वृद्धि मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा पर आधारित होगी, कीमतों पर नहीं। पहले की गई कुछ मूल्य वृद्धि का असर अभी भी रहेगा।

एनसीएलएटी ने दिया महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही वापस लेने का निर्देश

नयी दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को वापस लेने का निर्देश दिया है। यह निर्देश कंपनी और उसके वित्तीय ज णदाता के बीच समझौता होने के बाद आया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की दो सदस्यीय पीठ ने महागुन (इंडिया) और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप के बीच 12 फरवरी, 2026 को हुए समझौते को रिकॉर्ड पर लिया। वित्तीय ऋणदाता आईडीबीआई ट्रस्टीशिप ने ही एनसीएलएटी के समक्ष रियल्टी फर्म के खिलाफ जारी दिवाला कार्यवाही को वापस लेने के लिए आवेदन दिया था। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा, यह सूचित किया गया है कि इस न्याय निर्णय प्राधिकरण के समक्ष मामला लंबित रहने के दौरान, दोनों पक्षों ने 12 फरवरी, 2026 को एक समझौता किया है। वित्तीय ऋणदाता ने अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी है। इसे स्वीकार करते हुए, अपीलीय न्यायाधिकरण ने वित्तीय ऋणदाता द्वारा दायर दिवाला याचिका को वापस लिए जाने के कारण खारिज कर दिया। 17 फरवरी, 2026 को पारित दो पृष्ठ के आदेश में एनसीएलएटी ने कहा, उपर्युक्त तथ्यों के मद्देनजर इस मामले से जुड़े सभी लंबित आवेदन भी निस्तारित माने जाते हैं। आईडीबीआई ट्रस्टीशिप ने अपने आवेदन में यह छूट भी मांगी है कि यदि कॉरपोरेट देनदार समझौते की शर्तों का पालन करने में विफल रहता है, तो वह अपनी दिवाला याचिका को फिर से बहाल कर सके। महागुन मैनोरियल परियोजना के लिए जारी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के भुगतान में 256.48 करोड़ की चूक के दावे पर एनसीएलएटी ने महागुन के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया था।

शेयर बाजार में रहेगा उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली। घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों, मासिक वायदा व विकल्प (एफएंडओ) निपटान और अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्कों में की गई बढ़ोतरी से जुड़े वैश्विक घटनाक्रमों के कारण अगले सप्ताह शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक मौद्रिक संकेतों से भी बाजार की दिशा तय होगी। आगामी सप्ताह में बाजार के अस्थिर रहने की संभावना है, विशेष रूप से 24 फरवरी को होने वाले मासिक एफएंडओ निपटान के कारण। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों, विदेशी मुद्रा भंडार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के उत्पादन के आंकड़ों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के निहितार्थों का भी आकलन करेंगे, जो व्यापार की स्थिति, शुल्क संरचना और वैश्विक जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। यह घटनाक्रम शुल्कों पर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले के बाद सामने आया है। विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप ने शुक्रवार को अदालत के फैसले के बाद भारत सहित कई देशों पर 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था और एक दिन बाद इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। इससे व्यापारिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रतिकूल प्रभाव की चिंताएं बढ़ गई हैं। निवेशक अमेरिका-ईरान संबंधों, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक मौद्रिक संकेतों पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के जीडीपी आंकड़ों का कंपनियों की आय और बाजार की स्थिति पर पड़ने वाले असर को भी गौर से देखा जाएगा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 187.95 अंक या 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई के निफ्टी में 100.15 अंक या 0.39 प्रतिशत की तेजी रही। पिछले सप्ताह बाजार की धारणा सतर्कता और उत्साह के बीच झूलती रही। बैंकिंग, वित्तीय, बिजली और चुनिंदा एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी से वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि एआई से जुड़े बदलावों और मार्जिन दबाव की चिंताओं के कारण आईटी शेयरों में सुस्ती रही। हालांकि, बड़े शेयरों में मजबूती और पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी को लेकर बने उत्साह ने बाजार को सकारात्मक दायरे में बनाए रखा।

आरबीआई ने संभावित सीमापार हमलों, भूकंप जोखिम वाले स्थानों से दूर बनाया डेटा सेंटर

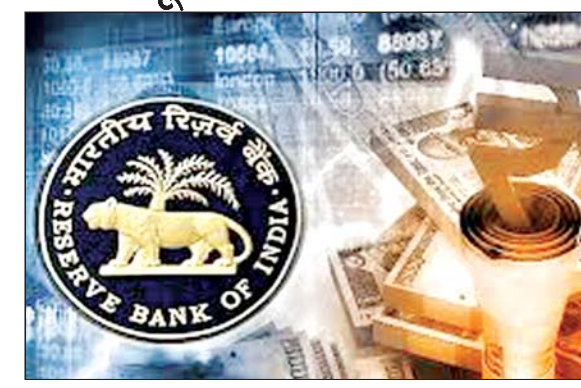

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की महत्वपूर्ण वित्तीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मुख्य प्रणालियों की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से ओडिशा में एक उच्च सुरक्षा वाला डेटा सेंटर बनाया है।

यह केंद्र संभावित सीमापार खतरों और भूकंप जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रणनीतिक रूप से स्थित है। विश्लेषकों और अधिकारियों के अनुसार, भुवनेश्वर में बना यह नया केंद्र केंद्रीय बैंक की मुख्य कंप्यूटर प्रणाली और तकनीकी सुविधाओं के लिए बनाया गया है, जो मुद्रा प्रबंधन, भुगतान-निपटान और नियामकीय डेटा को संभालेंगे। एक विश्लेषक ने बताया, जब आरबीआई ने 2023 में खुर्दा के इन्फो वैली में 18.55 एकड़ के अपने परिसर का निर्माण शुरू किया, तब बहुत कम लोगों ने इसकी जगह पर सवाल उठाया। संचालन और व्यवस्थापना के अलावा, इस स्थान को चुनते समय रणनीतिक सुरक्षा और सुरक्षित स्थिति जैसे महत्वपूर्ण कारणों को भी ध्यान में रखा गया होगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा में स्थित यह केंद्र भारत की पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं से काफी दूर है, जिससे सीमापार मिसाइल या ड्रोन हमलों का खतरा कम होता है। साथ ही, यह देश के उच्च भूकंप जोखिम वाले क्षेत्रों में नहीं आता, जिससे बड़े भूकंप की संभावना से सुरक्षा मिलती है। ये दोनों बातें महत्वपूर्ण वित्तीय प्रणाली को सुरक्षित रखने वाले बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और निरंतरता को मजबूत करती हैं। यह आरबीआई का दूसरा डेटा सेंटर है, इसका पहला डेटा सेंटर नवी मुंबई में है।

मेटा-व्हाट्सऐप से जुड़े गोपनीयता नीति मामले की सुनवाई आज

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय मेटा और व्हाट्सऐप की उन याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिनमें गोपनीयता नीति को लेकर उन पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाए जाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश को चुनौती दी गई है।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ द्वारा इस मामले की सुनवाई किए जाने की संभावना है। पीठ ने तीन फरवरी को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सऐप को लेकर कड़ी टिप्पणियां करते हुए कहा था कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां डाटा साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं।

न्यायालय गोपनीयता नीति को लेकर सीसीआई के उस आदेश के खिलाफ मेटा और व्हाट्सऐप की अपील पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

इजराइल को पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद

मुंबई। कोविड-19 और युद्ध के कारण पैदा हुए संकट से उबरने की कोशिश कर रहे इजराइल को उम्मीद है कि वह 2027 तक भारतीय पर्यटकों की संख्या के मामले में 2019 के स्तर लगभग 69,000 पर वापस पहुंच जाएगा। इजराइल में साल 2019 में भारत से 65,100 पर्यटक आए थे।

पर्यटन मामलों की वाणिज्यदूत गालित हॉफमैन ने बताया, हमने पहले कोविड-19 और फिर युद्ध जैसे संकट का सामना किया, जिससे हमारा पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ। साल 2019 में भारत से 65,100 पर्यटक इजराइल आए थे। यदि स्थितियां अनुकूल रहती हैं और हमें 2019 की तरह ही प्रचार प्रसार का मौका मिलता है, तो हमें उस स्तर यानी लगभग 69,000 के आंकड़े तक पहुंचने में डेढ़ से दो साल और लगेंगे। उम्मीद है कि 2027 तक हम यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे। दुनिया भर के यात्रा उद्योग को प्रभावित करने वाले कोविड-19 संकट के बाद सात अक्टूबर, 2023 को हमास के साथ शुरू हुए युद्ध ने इजराइल के पर्यटन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया, क्योंकि कई देशों ने इस पश्चिम एशियाई देश के लिए अपनी उड़ानें रोक दी थीं। इजराइल पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत से केवल 9,600 पर्यटक इजराइल पहुंचे, जिनमें से ज्यादातर लोग तीर्थयात्रा के लिए गए थे। वहीं, 2025 में भारतीय पर्यटकों की यह संख्या 12,500 रही।

भारतीय डाक के पास 38 करोड़ बचत खातों में 22 लाख करोड़ : केंद्रीय मंत्री

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को बताया कि भारतीय डाक के पास लगभग 38 करोड़ बचत खाते हैं, जिनमें 22 लाख करोड़ रुपये की धनराशि जमा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारतीय डाक में सुकन्या समृद्धि योजना के 3.8 करोड़ खाते हैं, जिनमें 2.27 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। सुकन्या समृद्धि योजना एक सरकारी बचत योजना है, जो लड़कियों के माता-पिता के लिए बनाई गई है। इसके जरिए वे अपनी बेटी की पढ़ाई और भविष्य के लिए पैसे बचा सकते हैं। ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन में सिंधिया ने बताया कि भारतीय डाक का मेल नेटवर्क तेजी से आधुनिक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए डाक को आसानी से और जल्दी छांटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, साथ ही रेडियो आवृत्ति पहचान (आरएफआईडी), बारकोड और क्यूआर कोड जैसी प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि डाक सेवाओं की गति और गुणवत्ता बेहतर हो सके। डाकघर बचत बैंक खातों की संख्या लगभग 38 करोड़ है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में, यह महत्वपूर्ण है। देश भर में ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा 22 लाख करोड़ रुपये का प्रबंधन किया जा रहा है।

रूस से कच्चे तेल का आयात घटा , सऊदी से आपूर्ति बढ़ी

नयी दिल्ली। भारत की कच्चे तेल की आयात रणनीति अब एक नए बदलाव के दौर में प्रवेश कर रही है। आयातित खेप के आंकड़े और विश्लेषक बताते हैं कि सऊदी अरब के नेतृत्व में पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ता अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर रहे हैं। वहीं, रूसी तेल की आवक अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते इसमें कमी आ रही है।

रूस से होने वाली आपूर्ति में कमी आने के कारण एक से 18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चा तेल आयात गिरकर औसतन 48.5 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रह गया। यह जनवरी के 5.25 लाख बीपीडी के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। पिछले महीने प्रमुख रूसी निर्यातकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों और यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज के प्रभावी होने के बाद वहां से आने वाले तेल के प्रवाह में यह गिरावट देखी गई है। जहाजों की आवाजाही के निगरानी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को होने वाली रूसी आपूर्ति दिसंबर, 2025 के 12.8 लाख बीपीडी से घटकर जनवरी में 12.2 लाख बीपीडी रह गई और फरवरी की शुरुआत में यह लगभग 10 प्रतिशत और घटकर 10.9 लाख बीपीडी पर आ गई। वैश्विक जिंस आंकड़े विश्लेषक कंपनी केपलर के मुख्य शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, फरवरी में भारत का रूसी कच्चा तेल आयात लगभग 10-12 लाख बीपीडी रहने का अनुमान है, जिसके मार्च में घटकर करीब 8-10 लाख बीपीडी तक आने की संभावना है। वर्ष 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद भारी छूट पर मिलने के कारण भारत ने रूसी तेल की खरीद बड़े पैमाने पर शुरू की थी, लेकिन अब यह आवक बढ़ने के बजाय स्थिर होती दिख रही है। हालांकि, हम इसे एक अल्पकालिक स्थिरता के रूप में देख रहे हैं, न कि 2025 के मध्य में देखे गए उच्चतम स्तर पर वापसी के रूप में। हमारा अनुमान है कि व्यावसायिक और नीतिगत बाधाओं के कारण, 2024-2025 की तुलना में 2026 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम होकर एक निचले स्तर पर स्थिर हो जाएगी। वर्तमान आकलन के अनुसार, अमेरिका और भारत के बीच एक व्यावहारिक समझ बनी है जो भारत को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए रूसी आयात की अनुमति देती है, लेकिन इसे और अधिक बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती। जैसे-जैसे रूसी तेल की मात्रा कम हो रही है, पश्चिम एशिया खाड़ी देश इस कमी को पूरा कर रहे हैं। रितोलिया ने बताया कि सऊदी अरब से होने वाली आपूर्ति फरवरी में 10 लाख से 11 लाख बीपीडी तक पहुंचने की उम्मीद है।

मन का विश्वास है मातृभाषा

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल के मुख्य महाप्रबंधक दीपक कुमार दे ने की। बैठक में स्थानीय प्रधान कार्यालय के सभी विभागों के हिन्दी में कामकाज की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक दीपक कुमार दे ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस है। मातृभाषा व्यक्ति के मन का विश्वास होती है।

कोई भी बच्चा सबसे पहले अपनी मातृभाषा में बोलता है। अन्य भाषाएं वह बाद में सीखता है। मातृभाषा हमारे जीवन की प्रथम पहचान होती है। हम संसार को सबसे पहले अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही समझते हैं। यही भाषा हमारे विचारों को आकार देती है और हमारी संस्कृति से हमें जोड़े रखती है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी में कामकाज करना हमारा संवैधानिक दायित्व है, किंतु व्यवसायिक दृष्टि से देखें तो यह ग्राहकों के साथ विश्वास का सेतु भी है। जब ग्राहक अपनी भाषा में सेवा प्राप्त करता है, तो उसका विश्वास और संतोष दोनों बढ़ते हैं। इस बैठक में अनिल कुमार, महाप्रबंधक, नेटवर्क-1, राजीव कुमार, महाप्रबंधक, नेटवर्क-2 और कौशलेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक, नेटवर्क-3 भी उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष

पाक की

खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसी के जवाब में पाकिस्तान ने खुफिया जानकारी के आधार पर इन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, अफगानिस्तान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पक्तिका और नंगरहार प्रांतों पर हुए पाकिस्तानी हमलों का माकूल जवाब देंगे। हम चुप नहीं रहेंगे, ऐसा जवाब देंगे कि याद रखा जाएगा। मंत्रालय ने कहा, ₹हमारी सीमाएं और हमारे लोगों की सुरक्षा हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। सही समय आने पर इन हमलों का जवाब दिया जाएगा। अफगानिस्तान ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन बताया है। उसका कहना है कि इन हमलों में आम नागरिकों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया। काबुल ने यह भी कहा कि यह पाकिस्तान की अपनी खुफिया और सुरक्षा की नाकामी का सबूत है। अफगानिस्तान ने साफ किया है कि वह सीमा पार से हो रहे उल्लंघनों पर चुप नहीं बैठेगा और अपनी अखंडता की रक्षा करेगा।

यूपी अब

मुझे ही इनके लोकार्पण का सौभाग्य मिला है। मोदी ने कहा कि कुछ देर पहले मेट्रो में सफर किया, छात्रों और अन्य यात्रियों से बातचीत हुई, सबका यही कहना था कि इतने शानदार काम की कल्पना भी नहीं की थी। सब पुराने दिनों को याद कर रहे थे और बहन-बेटियों ने बताया कि कुछ साल पहले तक शाम होते ही पूरे मार्ग पर सन्नाटा छा जाता था और यहां डर एवं भय का माहौल होता था। मोदी ने व्यवस्था में आए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि एक तरफ कानून-व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण एवं सुरक्षित यात्रा का माहौल मिला है। नमो भारत रैपिड रेल भारत के सामर्थ्य का प्रतीक बनी है। कानून-व्यवस्था में सुधार और यात्रा के सुरक्षित होने से अब इस क्षेत्र का कायापलट हो गया है। मोदी ने अधिकतर कार्यों में बेटियों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी के शासन के दौरान देश भर में केवल पांच शहरों में मेट्रो चालू थी, जबकि भाजपा सरकार में मेट्रो सेवाओं का विस्तार 25 से अधिक शहरों तक हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब कांग्रेस सरकार चाहकर भी विकसित देशों के साथ समझौते को अंतिम रूप नहीं दे पाती थी। मोदी ने मेरठ, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के लोगों को देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल सेवा और मेरठ मेट्रो के लिए बधाई देते हुए मेरठ से अपने रिश्तों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरठ की इस धरती से मेरा एक विशेष नाता रहा है। 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव हुए तो मेरठ से ही मेरी चुनावी सभाओं की शुरुआत हुई। इन दलों ने तो अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अगर किसी एक बात को सर्वोपरि रखा तो वह है देश का विकास। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि केंद्र में जब कांग्रेस की सरकार थी और समाजवादी पार्टी उसका सहयोग कर रही थी तब मूलभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाएं घोटाले में ही गुम हो जाया करती थी और मेट्रो रेल तथा उससे जुड़ी अधिकतर प्रौद्योगिकी को विदेश से आयात करना पड़ता था। उन्होंने यह भी कहा कि मगर भाजपा ने घोटाले को खत्म किया और देश को आत्मनिर्भरता के रास्ते पर आगे बढ़ाया। पीएम मोदी ने कहा कि नमो भारत ट्रेन और मेट्रो रेल की विस्तारित सेवा से मेरठ के हजारों लोगों को फायदा होगा जो पढ़ाई या नौकरी के लिए रोजाना दिल्ली आते जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके लिए दिल्ली में किराए के घर में रहने की मजबूरी भी खत्म हो गई है। हाल के वर्षों में भाजपा की सरकार ने जो वैश्विक समझौते किये हैं, उनसे लघु और कुटीर उद्योगों से जुड़े लोगों को भी बहुत फायदा होने वाला है।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का भी जिक्र किया और कहा कि उनकी सरकार का सौभाग्य है कि उसने सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया है। भाजपा की डबल इंजन सरकार चौधरी चरण सिंह के दृष्टिकोण पर चलते हुए किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले पश्चिम उत्तर प्रदेश सांप्रदायिक दंगों, अपराधियों के गिरोहों, खराब सड़कों और पिछड़े पान की वजह से चर्चा में रहता था मगर अब उत्तर प्रदेश को विकास के लिए जाना जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इस देश का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में किए गए प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि इस पार्टी ने एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की यह हरकत इस बात को जाहिर करती है कि वह वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गयी है। मोदी ने कहा कि जहां एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, वहीं देश में कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए, दुनिया के करीब 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारत आए। पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस और इसके तंत्र ने क्या किया? कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए। मैं कांग्रेस वालों से पूछना चाहता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, तो कपड़े उतारने की जरूरत क्या थी? कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। यह लोग मेरी कब्र खोदना चाहते हैं। मेरी मां को गाली देने से भी इनको कोई परहेज नहीं है। उनका भाजपा से विरोध है, उनका राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से विरोध है। ठीक है, आपकी राजनीति में यही करना जरूरी है तो चलो समझ सकते हैं। हम इसको भी सहन कर लेंगे लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित वैश्विक सम्मेलन भाजपा का कार्यक्रम नहीं था। यह देश का कार्यक्रम था।

नये और

से दिल्ली व मेरठ जुड़े हैं। मेरठ से दिल्ली पहुंचने में मात्र 45-50 मिनट लगते हैं। आज प्रधानमंत्री जी ने नमो भारत रैपिड रेल व मेरठ मेट्रो का नया उपहार दिया है, जो इस दूरी को और घटा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नमो भारत, वंदे भारत, अमृत भारत के माध्यम से अत्याधुनिक-सुरक्षित तेज सार्वजनिक परिवहन सेवाएं आज भारत की पहचान बन रही हैं।

योगी सिंगापुर

रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। राज्य में डिजिटल सिंगल विंडो प्रणाली और क्षेत्र विशेष नीतियों सहित निवेशकों के लिए एक व्यापक और पारदर्शी सुविधा ढांचा उपलब्ध है, जो निवेश प्रस्तावों के त्वरित और सुगम क्रियान्वयन को सुनिश्चित करता है। सिंगापुर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सिंगापुर से भारत को 14.94 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। इस पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री की यह यात्रा उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक प्रतिस्पर्धी, भरोसेमंद और दीर्घकालिक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री अपनी यात्रा के दौरान सिंगापुर के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे। इनमें सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन, मानव संसाधन मंत्री तथा ऊर्जा एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी के प्रभारी मंत्री टैन सी लेंग शामिल हैं। इन बैठकों में भारत और सिंगापुर के बीच राष्ट्रीय स्तर पर तय सहयोग ढांचे को उत्तर प्रदेश में व्यावहारिक निवेश और परियोजना आधारित साझेदारी में बदलने पर विचार-विमर्श होगा। इस यात्रा के दौरान प्रमुख संप्रभु और संस्थागत निवेशकों के साथ संवाद भी प्रस्तावित है। इनमें तामसेक और जीआईसी जैसे प्रतिष्ठित निवेशक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, एविएशन सेवाएं, वित्तीय सेवाएं और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों के साथ भी विस्तृत बैठकें होंगी। सिंगापुर आधारित कंपनियां भारत में विशेष रूप से एआई सक्षम डिजिटल कैंपस के क्षेत्र में बहुवर्षीय विस्तार के दौर से गुजर रही हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जेवर के समीप उपलब्ध भूमि पार्सलों को हाइपरस्केल और एआई आधारित डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए संभावित निवेश स्थलों के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास के साथ उत्तर प्रदेश सिंगापुर के एविएशन इकोसिस्टम के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाश रहा है। इस क्रम में सिंगापुर में एविएशन और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं का स्थल निरीक्षण भी यात्रा कार्यक्रम का हिस्सा है। मुख्यमंत्री की यात्रा में सिंगापुर के तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा इकोसिस्टम के साथ संवाद शामिल है, जिसमें आईटीई सिंगापुर भी सम्मिलित है। कौशल विकास भारत और सिंगापुर सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। सतत विकास और हरित सप्लाई चेन के क्षेत्र में सिंगापुर की विशेषज्ञता उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं और एकीकृत औद्योगिक कॉरिडोर के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

संस्कृत आज

तकनीक, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से प्राचीन ग्रंथों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने गार्गी बालिका संस्कृत छात्रवृत्ति तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रवृत्ति के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा स्वाध्याय केंद्र और ई-संस्कृत संभाषण शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका संस्कृत वार्ता का भी विमोचन हुआ। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में संस्कृत को द्वितीय राजभाषा का दर्जा देकर इसे प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर सशक्त बनाया गया है। प्रत्येक जनपद में संस्कृत ग्राम विकसित किए जा रहे हैं, जहां दैनिक संवाद में संस्कृत के प्रयोग को प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

दिल्ली पुलिस

समय से भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रही है। इसके अलावा, बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

गिरफ्तार संदिग्धों के पास से कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि इन उपकरणों का उपयोग आतंकी संगठनों के समर्थन में संदेश फैलाने और संदिग्ध हैंडलर्स के संपर्क में रहने के लिए किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस इन मोबाइल फोन और सिम कार्ड की गहन जांच कर रही है ताकि इनके नेटवर्क, संपर्कों और साजिश के पूरे ताने-बाने का पता लगाया जा सके। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इन संदिग्धों द्वारा एक बड़ी आतंकवादी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई जा रही थी। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि इन लोगों को आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी समूहों से निर्देश और सहायता मिल रही थी। इनका उद्देश्य भारत में शांति भंग करना और बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाना था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 'तमिलनाडु से मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबात, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल नाम के 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

किसी भी टीम को हल्के से न लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : सैमी

मुंबई। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से। उन्होंने कहा, हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था।

अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती। सैमी ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है। जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।

भारतीय टीम निरंतरता बनाकर विश्व क्रिकेट पर दबदबा कायम करना चाहती है : मंधाना

एडिलेड। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है। पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरुआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है। हम अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम या अतीत में जो कुछ भी हुआ उसके बारे में नहीं सोचते हैं। हमने इसे हराया, हमने उसे हराया। मुझे लगता है कि अब यह सब उतना महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन की पारी खेली। उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स (59) के साथ 121 रन की साझेदारी की जिससे भारत छह विकेट पर 176 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम नौ विकेट पर 159 रन ही बना पाई। मंधाना ने कहा, मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।

कुछ ऑस्ट्रेलियाई बहुत खुश होंगे जब मैं कहूंगी कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर है। वास्तव में मुझे यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर लगता है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधाना ने कहा यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे वनडे मैच खेले। लेकिन अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। निश्चित रूप से डब्ल्यूपीएल से हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने में बहुत मदद मिली है।

सुपर-8 में साउथ अफ्रीका से हारा भारत

ईशान जीरो, तिलक एक रन, अभिषेक 15 ही रन बना सके, साउथ अफ्रीका ने 188 का टारगेट दिया

एजेंसी

अहमदाबाद। डिफेंडिंग चैंपियन भारत को टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका के 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी है। टीम टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 12 मैच जीतने के बाद हारी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए। कॉर्बिन बॉश को 2 और ऐडन मार्करम को एक विकेट मिला। शिवम दुबे ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके।

अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में भारत को 188 रन का टारगेट दिया है। अफ्रीकी टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में इंडिया ने 5.3 ओवर के बाद 3 विकेट पर 29 रन बना लिए हैं। सूर्यकुमार यादव और वॉशिंगटन सुंदर क्रीज पर हैं। अभिषेक शर्मा 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने कॉर्बिन बॉश के हाथों कैच कराया। ईशान किशन 0 और तिलक वर्मा एक रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। अफ्रीकी टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। क्या आप खुद को क्रिकेट के सुपर फैन मानते हैं? पूरे ळ20 वर्ल्ड कप टूनामेंट के दौरान दैनिक भास्कर के खास गेम ह्यरवढएफ ओवरह्ळ में रोज क्रिकेट से जुड़े 6 सवाल आपका क्रिकेट ज्ञान परखेंगे। जितनी जल्दी सही जवाब देंगे उतने ज्यादा रन बनेंगे। जितने ज्यादा रन बनेंगे, लीडरबोर्ड में उतना ही ऊपर आएंगे। तो रोज खेलिए और टूनार्मेंट का टॉप स्कोरर बनिए। 5वें ओवर में भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर अभिषेक शर्मा 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने कॉर्बिन बॉश के हाथों कैच कराया। अभिषेक शर्मा ने इस वर्ल्ड कप में तीन पारियों के बाद कोई रन बनाए हैं। वे लीग स्टेज के तीनों मैचों में खाता नहीं खोल सके थे। एक मैच वे बीमारी के कारण नहीं खेल सके। दूसरे ओवर में भारत ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां पर तिलक वर्मा एक रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। अगली ही बॉल पर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने चौके से अपना खाता खोला। 188 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम ने जीरो पर पहला विकेट गंवा दिया है। यहां पर ईशान किशन बगैर कोई रन बनाए आउट हो गए। उन्हें ऐडन मार्करम ने रियान रिकेल्टन के हाथों कैच कराया। साउथ अफ्रीका ने भारत को 188 रन का टारगेट दिया है। 20वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने 20 रन खर्च कर दिए। ट्रिस्टन स्टब्स ने पंड्या की आखिरी बॉल पर लगातार दो छक्के लगाए। उनकी तीसरी बॉल पर चौका भी आया। 19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह को तीसरा विकेट मिला। उन्होंने कॉर्बिन बॉश (2 रन) को अपनी ही बॉल पर कैच किया। बुमराह ने डी कॉक और रियान रिकेल्टन को भी पवेलियन भेजा। 17वें ओवर की दूसरी बॉल पर अर्शदीप सिंह ने मार्को यानसन (2 रन) को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। अर्शदीप सिंह को दूसरा विकेट मिला है। उन्होंने ऐडन मार्करम को कैच आउट कराया था। 16वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने डेविड मिलर को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। मिलर 63 रन बनाकर आउट हुए। चक्रवर्ती को पहला विकेट मिला है। पारी के 14वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स के खिलाफ 6 ही रन दिए। ओवर में 6 सिंगल बने। 13वें ओवर में शिवम दुबे ने डेवाल्ड ब्रेविस को अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया। इसी के साथ उन्होंने फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की। ब्रेविस ने मिलर के साथ चौथे विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी की। 10वें ओवर में हार्दिक पंड्या की बॉल पर पहली बाउंड्री आई।

❍ साउथ अफ्रीका ने 76 रन से हराया

उनकी आखिरी बॉल पर डेविड मिलर ने छक्का लगाया। पंड्या के इस ओवर से 11 रन आए। 9वें ओवर में डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने चौथे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। ब्रेविस ने वरुण चक्रवर्ती की 5वीं बॉल पर छक्का लगाकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया। 8वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने महज 4 रन दिए। उनके ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। सभी रन सिंगल के जरिए आए। इस ओवर के बाद साउथ अफ्रीका का 56/3 हो गया। 7वें ओवर में साउथ अफ्रीका ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। डेविड मिलर ने वॉशिंगटन सुंदर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया और टीम को 50 पार पहुंचा दिया। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही साउथ अफ्रीका की शुरूआत खराब रही हे। टीम ने शुरूआती 6 ओवर के खेल में क्विंटन डी कॉक, ऐडन मार्करम और रियान रिकेल्टन के विकेट गंवा दिए हैं। जसप्रीत बुमराह ने 2 और अर्शदीप सिंह ने एक विकेट लिया। चौथे ओवर में साउथ अफ्रीका ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर रियान रिकेल्टन 7 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। उन्होंने क्विंटन डी कॉक (6 रन) को बोल्ड किया। तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर अर्शदीप सिंह ने ऐडन मार्करम (4 रन) को कैच आउट कराया। उन्होंने मार्करम को टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 7वीं बार पवेलियन भेजा है। दूसरे ओवर की 5वीं बॉल पर साउथ अफ्रीका ने पहला विकेट गंवा दिया है। यहां क्विंटन डी कॉक 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया।

साहिल ने पुरुषों की 21 किमी स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। पंजाब के खिलाड़ी साहिल ने इंडियन ओपन रेस वॉक प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को यहां पुरुष हाफ मैराथन में अपने से अधिक चर्चित प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मनोरम सुखना झील कोर्स पर रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय साहिल ने तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन की कड़ी चुनौती को पीछे छोड़ते हुए 21 किलोमीटर की दूरी को एक घंटा 25 मिनट 48 सेकंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया। सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हरदीप ने ।:26:03.00 का समय लेकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट (उत्तराखंड)1:26:07.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। बीस किमी पैदल चाल के ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पंजाब के अक्षदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:27:37.00 का समय लिया। दिल्ली के एक अन्य प्रमुख एथलीट विकास सिंह 1:30:41.00 के समय के साथ 10वें स्थान पर रहे, जबकि उत्तराखंड के सूरज पंवार दौड़ पूरी नहीं कर सके। महिलाओं की 21 किमी स्पर्धा का खिताब हरियाणा की अनुभवी खिलाड़ी रवीना ने जीता। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने उत्तर प्रदेश की 24 वर्षीय मुनीता प्रजापति और उत्तराखंड की 23 वर्षीय मानसी नेगी को पछाड़ते हुए 1:39:15.00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। मुनीता ने 1:39:26.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि कांस्य पदक मानसी नेगी को 1:42:58.00 के समय के साथ मिला। हाल ही में सीनियर वर्ग में कदम रखने वाली हरियाणा की उभरती किशोर एथलीट और विश्व अंडर-20 पदक विजेता आरती 1:43:15.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। अंडर-20 पुरुष और महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। उत्तराखंड के तुषार पंवार ने पुरुष अंडर-20 पांच किमी स्पर्धा में 19:59.00 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और पिछले वर्ष बनाए अपने ही 20:07.00 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया।

संक्षेप

मार्च में दोहा में होगी आईसीसी बोर्ड की बैठक

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड और समितियों की बैठक 25 से 27 मार्च तक दोहा में आयोजित की जाएगी जिससे क्रिकेट में कतर की बढ़ती भागीदारी का पता चलता है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, यह बैठकें आईसीसी बोर्ड के निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, समिति के सदस्यों और सीनियर पदाधिकारियों को एक मंच पर लाएंगी, जो वैश्विक खेल के वर्तमान और भविष्य से संबंधित प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। आईसीसी ने बताया कि 2020 से कतर में क्रिकेट में समग्र भागीदारी में 447 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईसीसी ने कहा, इसका मुख्य कारण कतर ओलंपिक समिति के स्कूल ओलंपिक कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल करना रहा है।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेल आज से गुलमर्ग में

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर का प्रसिद्ध शीतकालीन पर्यटन स्थल गुलमर्ग सोमवार से शुरू होने वाले छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के एक प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट में होने वाले इन चार दिवसीय खेलों के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इन खेलों का उद्घाटन करेंगे। जम्मू कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुज़हत गुल ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

साकेलारिडिस ने हार के कगार से की वापसी, दिल्ली ओपन जीता

नयी दिल्ली। युवा खिलाड़ी स्टेफानोस साकेलारिडिस ने दिल्ली ओपन में रविवार को यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन के ओलिवर क्रॉफर्ड को कड़े मुकाबले में हराकर एटीपी चैलेंजर सर्किट पर अपना पहला एकल खिताब जीत लिया। साकेलारिडिस ने तीन घंटे नौ मिनट तक चले फाइनल में 7-5, 5-6, 7-6 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पहले सेट में कुल पांच बार सर्विस ब्रेक देखने को मिले, जिसमें 21 साल के साकेलारिडिस ने बढ़त बनाते हुए सेट अपने नाम किया। यूनान के इस खिलाड़ी ने दूसरे सेट में भी लय बरकरार रखते हुए शुरुआती गेम में ब्रेक लेकर 2-0 की बढ़त हासिल की। क्रॉफर्ड ने अनुभव का परिचय देते हुए दूसरे सेट में जोरदार वापसी कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। साकेलारिडिस ने निर्णायक सेट के पहले गेम में ब्रेक हासिल किया, लेकिन बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद क्रॉफर्ड ने सात में से पांच गेम जीतकर 5-2 की बढ़त बना ली।

जब मैच हाथ से निकलता दिख रहा था तब साकेलारिडिस ने शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन गेम जीतकर स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। मुकाबला आखिरकार रोमांचक टाई-ब्रेक तक पहुंचा जहां साकेलारिडिस ने दूसरे मैच प्वाइंट पर 8-6 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ साकेलारिडिस को 75 एटीपी रैंकिंग अंक और 17,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली, जबकि उपविजेता क्रॉफर्ड को 44 अंक और 9,600 डॉलर प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सूर्यवंशी को किया सम्मानित

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। सूर्यवंशी की रिकॉर्ड सेंचुरी की मदद से भारत ने छह फरवरी को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था। समस्तीपुर जिले के रहने वाले 14 साल के इस खिलाड़ी ने 80 गेंद पर 218 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 175 रन बनाए और उन्हें मैच और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास परिसर में संकल्प सभागार में चेक और शॉल देकर सम्मानित किया गया। नीतीश ने कहा, अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं।

भारत ए ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

एजेंसी

बैंकॉक। तेजल हसबनिस के नाबाद अर्धशतक और लेग स्पिनर प्रेमा रावत की फिरकी के जादू से भारत ए ने रविवार को यहां कम स्कोर वाले एकतरफा फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रन से हराकर एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट जीत लिया। भारतीय टीम 44 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन तेजल ने 34 गेंद में नाबाद 51 रन की प्रभावी पारी खेलकर भारत को 20 ओवर में सात विकेट पर 134 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने कप्तान राधा यादव (30 गेंद में 36 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी भी की। भारतीय टीम ने इसके बाद प्रेमा (12 रन पर तीन विकेट) की फिरकी के जादू से बांग्लादेश को 19.1 ओवर में 88 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश ने तीसरे ओवर में 12 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी। बांग्लादेश ने पहला विकेट इशमा तंजीम के रूप में गंवाया जो तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर का शिकार बनीं। प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को अतिरिक्त उछाल लेती शानदार लेग स्पिन पर आउट किया। भारत ए ने 2023 में पहले टूर्नामेंट के फाइनल में भी बांग्लादेश ए को हराकर खिताब जीता था।

करकेरा और निर्मबेन ने नयी दिल्ली मैराथन जीती

नयी दिल्ली। कार्तिक करकेरा ने रविवार को यहां 11वीं नयी दिल्ली मैराथन जीती और दो अन्य धावकों के साथ इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का मानक भी हासिल किया। मुंबई के रहने वाले करकेरा ने 42.2 किलोमीटर की दूरी दो घंटे, 13 मिनट, 10 सेकंड (02:13:10) में पूरी करके जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाइंग मार्क को आसानी से पार कर लिया। पेशे से चिकित्सक 28 वर्षीय करकेरा ने गोपी थोनकल (02:13:12) और मान सिंह (02:13:15) को मामूली अंतर से पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

एफआईएच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

एजेंसी

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को शानदार जुझारूपन दिखाने के बावजूद रविवार को यहां खेले गए एफआईएच प्रो-लीग मुकाबले में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रहीं।

ऑस्ट्रेलिया ने दो गोल से पिछड़ने के बाद आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की और फिर शूटआउट में भारत पर 5-4 से भारी पड़ा। भारत की ओर से अमित रोहिदास (15वां मिनट) और जुगराज सिंह (43वां मिनट) ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोएल रिंटाला (47 वां, 56 वां मिनट) ने दो गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। यह परिणाम ऐसे समय आया है जब भारत इस साल एफआईएच प्रो लीग में लगातार पांच मुकाबले हार चुका था। इसमें राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण के चार मैच भी शामिल हैं। टीम को होबार्ट चरण के अपने पहले मुकाबले में शनिवार को स्पेन के खिलाफ 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखते हुए भारतीय खिलाड़ियों के क्षेत्र में दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने संयम बनाए रखा और वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया।

इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर जेड स्नोडेन ने कुछ अच्छे बचाव किये। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए रोहिदास ने ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर टीम को ।-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में 10 बार भारतीय सर्कल में प्रवेश किया और दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जबकि भारत ने नौ बार उसके सर्कल में प्रवेश कर माकूल जवाब दिया। भारतीय टीम ने मध्यांतर तक अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखी। ब्रेक के बाद भी ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने मेजबान टीम को स्पष्ट अवसर बनाने से रोके रखा।

टी-20 : इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रन से हराया

एजेंसी

पाल्लेकल। फिल सॉल्ट (40 गेंदों पर 62 रन) की दमदार बल्लेबाजी के बाद जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स की तेज और स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने श्रीलंका के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर इंग्लैंड को रविवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में 51 रन की शानदार जीत दिलाई। बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालगे (26 रन पर तीन विकेट) की अगुआई में श्रीलंका की अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 146 रन तक सीमित कर दिया था, जिससे लग रहा था कि मुकाबला मेजबान टीम की पकड़ में है। आर्चर और ऑफ स्पिनर ऑलराउंडर जैक्स ने हालांकि मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। दोनों ने पावरप्ले में कहर बरपाते हुए छठे ओवर तक श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर 34 रन कर दिया। श्रीलंकाई टीम इससे उबर नहीं पाई और कप्तान दासून शनाका की 30 रन की पारी के बावजूद 16.4 ओवर में 95 रन पर आउट हो गई। जैक्स ने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि आर्चर ने तीन ओवर में 20 रन देकर दो विकेट हासिल किए। उन्हें लियाम डॉसन (चार ओवर में 27 रन पर दो विकेट) और आदिल रशीद (3.4 ओवर में 13 रन पर दो विकेट) का भी शानदार साथ मिला। मैच में सॉल्ट की छह चौके और दो छक्के जड़ति पारी निर्णायक साबित हुई। जैक्स ने बल्ले से भी 14 गेंद में 21 रन का योगदान दिया और इस हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये। इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाज पूरी तरह विफल रहे। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी तो श्रीलंका की शुरुआत उससे भी बदतर रही। आर्चर ने खतरनाक पाथुम निसांका (आठ गेंदों पर नौ रन) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। जेमी ओवरटन को ठीक उसी गेंद से पहले डीप मिडविकेट पर तैनात किया गया था और निसांका तेज और फुल लेंथ गेंद की योजना में फंस गए।

❍ सॉल्ट के अर्धशतक के बाद आर्चर, जैक्स की शानदार गेंदबाजी

पहली पारी में वेलालगे की भूमिका को दोहराते हुए जैक्स ने लगातार दो गेंदों पर कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके को आउट कर श्रीलंका पर दबाव बना दिया। आर्चर ने कमिल मिशारा को गली में ओवरटन के हाथों कैच कराया जिससे टीम ने 22 रन तक चार विकेट गंवा दिये। जैक्स ने वेलालगे को मिड-ऑन पर कप्तान हैरी ब्रूक के हाथों कैच आउट कराया। लियाम डॉसन की गेंद पर कामिंदु मेंडिस का कैच आउट होना श्रीलंका के लिए बड़ा झटका साबित हुआ और पल्लेकल में मौजूद खचाखच भरी भीड़ सन्न रह गई। शनाका ने 24 गेंद की पारी में एक चौका और दो छक्का जड़ संघर्ष जारी रखा लेकिन रशीद की गेंद पर उनके आउट होते ही श्रीलंका की उम्मीदों ने दम तोड़ दिया।

नयी पीढ़ी के अनुरूप ढाल रहे प्राचीन ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों से विश्व के नेता प्रभावित हुए : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह शिखर सम्मेलन एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में, लोगों से ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के प्रति सतर्क रहने का भी आग्रह किया और सभी से अपील की कि वे बैंकों द्वारा केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) के अनुरोधों का पालन करें क्योंकि यह किसी व्यक्ति के बैंक खाते की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल में दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान देश ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिसमें कई देशों के नेता, उद्योगपति, नवोन्मेषी और स्टार्टअप क्षेत्र से जुड़े लोग एक साथ आए। उन्होंने कहा, आने वाले समय में एआई की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह समिट निर्णायक मोड़ साबित हुआ है। मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि उन्होंने विश्व के नेताओं को कई चीजें प्रदर्शित कीं, खासकर दो चीजें जिनसे वे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि पहला उत्पाद अमूल के बूथ पर था। इसमें बताया गया कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जानवरों का इलाज करने में मदद पहुंचा रही है और कैसे 24 घंटे एआई सहायता की मदद से किसान अपनी डेयरी और जानवर का हिसाब रखते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा भारतीय संस्कृति से संबंधित उत्पाद था। उन्होंने कहा, दुनिया भर के नेता ये देखकर हैरत में पड़ गए कि कैसे एआई की मदद से हम अपने प्राचीन ग्रंथों को, प्राचीन ज्ञान को, पांडुलिपियों को संरक्षित कर रहे हैं और आज की पीढ़ी के अनुरूप उन्हें ढाल रहे हैं। मोदी ने कहा, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में विश्व के नेता एआई की इन अभूतपूर्व उपलब्धियों से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिली हैं।

इस दौरान भारत ने तीन मेड इन इंडिया एआई मॉडल भी पेश किए। यह अपने आप में अब तक का सबसे बड़ा एआई समिट रहा है। इस शिखर सम्मेलन को लेकर युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। मैं सभी देशवासियों को इस शिखर सम्मेलन की सफलता की बधाई देता हूं। डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कई वरिष्ठ नागरिक और निर्दोष लोग ऐसे वित्तीय अपराधों का शिकार बन चुके हैं, इसलिए सतर्क और सावधान रहना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, कभी-कभी जब आपको आपके बैंक से केवाईसी अपडेट या पुनः केवाईसी करवाने के संदेश आते हैं तो मन में सवाल उठता है मैं तो पहले ही केवाईसी करा चुका हूं, तो फिर यह क्यों? मेरा आपसे आग्रह है, झुंझलाइए नहीं, ये आपके पैसे की सुरक्षा के लिए ही है। मोदी ने कहा कि भारतीय मूल के कई खिलाड़ी अपने-अपने देशों का नाम रोशन कर रहे हैं और यह बात टी20 विश्व कप में साफ तौर पर दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, कनाडा की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक है।

एआई सम्मेलन में किया गया प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर सीधा हमला

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं का आचरण असहमति जताने का वैध तरीका नहीं था, बल्कि यह सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला था, जिसने देश की कूटनीतिक छवि को भी नुकसान पहुंचाया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने शनिवार को यह टिप्पणी तब की, जब भारत मंडपम में कमीज उतारकर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को उनकी अदालत में पेश किया गया। अदालत ने प्रदर्शनकारियों से पूछताछ के लिए पुलिस को उन्हें पांच दिन की हिरासत में रखने की अनुमति दी। मजिस्ट्रेट ने हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगने संबंधी दिल्ली पुलिस की याचिका को स्वीकार किए जाने के कारणों के बारे में बताते हुए कहा कि आरोपी बिहार, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के दूरदराज के इलाकों से हैं, जिससे उनके फरार होने की अत्यधिक आशंका है। अदालत ने कहा कि प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों से बाहरी साजिश के संबंधों का संकेत मिलने से यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश की प्रति भी देखी है। मजिस्ट्रेट रवि द्वारा पारित आदेश के एक अंश में कहा गया है कि विरोध प्रदर्शन ने न केवल आयोजन की शुचिता को खतरे में डाला, बल्कि देश की राजनयिक छवि को भी नुकसान पहुंचाया। अदालत के आदेश में कहा गया, आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान भारत मंडपम के उच्च सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की सुनियोजित साजिश रची।

संक्षेप

नेपाल में नगरपालिका में कर्फ्यू अनिश्चितकाल तक

काठमांडू। नेपाल में मधेस प्रांत की गौर नगरपालिका में दो समुदायों के बीच हुई झड़पों के बाद लगाए गए कर्फ्यू की अवधि रविवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दी गई।

जिला प्रशासन कार्यालय ने एक नोटिस जारी कर कहा कि पूर्वी मुदबलवा गेट, पश्चिमी लालबकैया बांध, बाम नहर के उत्तर और गौर सीमा शुल्क कार्यालय के दक्षिण में निषेधाज्ञा रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से अगले नोटिस तक प्रभावी रहेगी। दक्षिणी नेपाल में मधेस प्रांत के रौतहट जिले में दो गुट के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव बढ़ने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया था।

बृहस्पतिवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुईं, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए।

हिंसा की घटना बृहस्पतिवार शाम को गौर नगरपालिका के सपगढ़ा इलाके में उस समय हुई, जब एक समुदाय के सदस्यों ने मस्जिद के सामने संगीत बजाते हुए निकल रही बारात को कथित तौर पर रोक दिया। इसके बाद तनाव बढ़ गया और बाद में हिंसक झड़प शुरू हो गयी।

प्रौद्योगिकी तब सबसे बेहतर काम करती है जब वह कर्मचारियों को प्रतिस्थापित न करे

एजेंसी

नयी दिल्ली। खुदरा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रौद्योगिकी तब सबसे बेहतर काम करती है जब यह केवल उन्नत प्रणालियों पर निर्भर रहने के बजाय अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को स्टोर परिसर को ग्राहक के लिए बेहतर अनुभव वाला बनाने में मददगार होती है। हालिया शोध में यह जानकारी सामने आई है। गोवा प्रबंधन संस्थान (जीआईएम), भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), रांची और अमेरिका के कंसास सिटी स्थित मिसौरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के निष्कर्ष इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल पॉलिसी में प्रकाशित हुए हैं।

अध्ययन में पाया गया कि कंपनियों के संचालन के सामाजिक और तकनीकी संदर्भ को ध्यान में रखते हुए उनके रणनीतिक विकल्प उनकी मानव संसाधन योजना को आकार देते हैं, जो प्रौद्योगिकी संबंधी विकल्पों का आधार बनता है।

राजग में सीट बंटवारे समझौते पर सहमति बनी : हिमंत

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के बीच सीट साझा करने पर सहमति बन चुकी है। असम में राजग के घटक दलों में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम गण परिषद (एजीपी), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के मौजूदा विधानसभा में सदस्य हैं। राभा हासोंग जौथा संग्राम समिति (आरएचजेएसएस) और जनशक्ति पार्टी (जेपी) भी राजग का हिस्सा हैं, लेकिन राज्य विधानसभा में उनका कोई सदस्य नहीं है। हिमंत ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारे गठबंधन में सहमति बन चुकी है। हम जानते हैं कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगाअ इस बारे में समझौता हो चुका है। गठबंधन बनाने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा, सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद प्रदेश नेतृत्व संभावित उम्मीदवारों की सूची के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगा। हिमंत ने सात जनवरी को कहा था कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ सीट साझा करने के समझौते को 15 फरवरी तक अंतिम रूप दे सकती है। उन्होंने हालांकि, पिछले साल पांच दिसंबर को कहा था कि समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया 15 जनवरी तक पूरी होने की उम्मीद है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए मार्च-अप्रैल में चुनाव होने की संभावना है।

वित्त वर्ष में 500 आरोपपत्र दाखिल करने का लक्ष्य: ईडी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चालू वित्त वर्ष में धनशोधन के मामलों में 500 आरोपपत्र दाखिल करने का लक्ष्य रखा है और जांच अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि मामला दर्ज होने के बाद, जटिल मामलों को छोड़कर, जांच एक से दो साल के भीतर पूरी की जाए। जांच एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। इन उपायों पर पिछले साल 19-21 दिसंबर को असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित संघीय जांच एजेंसी के क्षेत्रीय अधिकारियों के 34वें त्रैमासिक सम्मेलन (क्यूसीजो) के दौरान चर्चा की गई और इन्हें अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता ईडी निदेशक राहुल नवीन ने की थी। ईडी ने एक बयान में कहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इस क्षेत्र के रणनीतिक और परिचालन महत्व को दर्शाता है।

- जांच एक-दो साल में पूरी करने पर जोर

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा भाजपा में शामिल

एजेंसी

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो गए। इसके कुछ ही घंटों बाद, भाजपा ने बोरा को प्रदेश कार्यकारी समिति में शामिल किया। भाजपा की असम इकाई के मुख्यालय वाजपेयी भवन में आयोजित एक समारोह के दौरान बोरा भाजपा के सदस्य बन गए। उनके साथ ही पूर्व कांग्रेस नेता संजू बोरा, राजेश कुमार जोशी, कंगन दास, गगन चंद्र बोरा और विपक्षी दल के कई अन्य कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हो गए। बोरा ने 16 फरवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था, जिसे पार्टी आलाकमान ने स्वीकार नहीं किया था और वरिष्ठ नेता उनके आवास पर पहुंचे थे। राहुल गांधी ने भी उनसे बात की थी। बोरा ने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए समय मांगा था लेकिन अगले दिन मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा उनके आवास पर गए और घोषणा की कि वह 22 फरवरी को भाजपा में शामिल हो जाएंगे। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए मार्च-अप्रैल में चुनाव होना है। बोरा ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, मैंने कांग्रेस से यह सोचकर इस्तीफा नहीं दिया था कि मैं भाजपा में शामिल हो जाऊंगा। मैंने यह सोचकर इस्तीफा दिया था कि कांग्रेस में हुई गलतियों के बारे में आत्मनिरीक्षण किया जाएगा और मुझे यह उम्मीद थी कि उन्हें सुधारने का वादा किया जाएगा।

नेपाल में भूकंप के हल्के झटके महसूस किये

काठमांडू। नेपाल के कोशी प्रांत में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, 4.1 तीव्रता का यह भूकंप सुबह सात बजकर 31 मिनट पर आया और इसका केंद्र संखुवासभा जिले के रिताक क्षेत्र में स्थित था। संखुवासभा जिला राजधानी काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। भूकंप के झटके पड़ोसी तपलेजुंग और भोजपुर जिलों में भी महसूस किये गये। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। लमजुंग जिले के बंसर क्षेत्र के निकट 11 जनवरी को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

रूस ने यूक्रेन पर किये मिसाइल हमले

एजेंसी

कीव। रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिसमें कीव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने रविवार को बताया कि ध्वस्त इमारतों के मलबे से एक बच्चे समेत आठ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हमले के कारण कीव के उपनगरों के पांच जिलों ओबुखिव, ब्रोवरी, बोरिस्पिल, बुचा और फास्तिव में नुकसान हुआ और वहां आग लग गई। फास्तिव जिले के पुत्रिवका गांव में आपातकालीन राहतकर्मी मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए अभियान चला रहे थे। आपातकालीन सेवा ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना को भी निशाना बनाया, जिससे भीषण आग लग गई। बाद में आग पर काबू पा लिया गया। लगभग चार वर्ष पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से और पिछले वर्ष अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में नयी पहल के बावजूद यूक्रेनी नागरिक लगातार हवाई हमलों का सामना कर रहे हैं। रूस ने देश के ऊर्जा ग्रिड को निशाना बनाते हुए हमले तेज कर दिए हैं, जिससे भीषण ठंड के बीच यूक्रेन के नागरिकों को बिजली आपूर्ति से वंचित होना पड़ रहा है।

- एक व्यक्ति की मौत

इंटरटेनमेंट...

ओ रोमियो ने 9 दिनों में कमाये 53 करोड़

मुंबई। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म ओ रोमियो ने 9 दिनों में 53 करोड़ रुपए का कुल कलेक्शन कर लिया है। वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट आई थी, हालांकि शनिवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला है। शनिवार को ओ रोमियो ने 3.35 करोड़ का कलेक्शन किया है। शुक्रवार को फिल्म ओ रोमियो ने महज 2.15 करोड़ कमाए थे।

जिसके बाद कलेक्शन में 55.81 प्रतिशत का उछाल आया है औ? फिल्म ने शनिवार को अच्छी रिकवरी की है। रविवार को कलेक्शन में इजाफा होने के अनुमान हैं। फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को रिलीज हुई थी। इसकी रिलीज के एक हफ्ते बाद मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर फिल्म दो दीवाने सहर में 20 फरवरी को रिलीज हुई।

फिल्म ने ओपनिंग डे में 1.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 1.60 करोड़ कमाए हैं। इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 2.85 करोड़ रुपए हुआ है। इस फिल्म को ओ रोमियो से क्लैश का नुकसान हुआ है। इस फिल्म को 40 करोड़ रुपए के बजट में तैयार किया गया है, हालांकि वीकेंड पर हुई फिल्म की कमाई देखकर इसका बजट निकल पाना भी मुश्किल लग रहा है।

वेब सीरीज : दिव्या दत्ता की 'चिरैया' का टीजर आउट

मुंबई। दिव्या दत्ता की नई वेब सीरीज ह्यचिरैया' का टीजर आ गया है। यह टीजर भारतीय घरों में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाता है। इस टीजर की शुरूआत एक शादी के खुशी भरे मंजर से होती है।

एक नई दुल्हन, पूजा, बेहतर जिंदगी की उम्मीद के साथ नया जीवन शुरू करती दिखती है, लेकिन अचानक एक डरावना मोड़ सामने आता है, जिसमें दुल्हन को छत पर उदास और सदमे में दिखाया जाता है। उसके चेहरे पर आंसू हैं और शरीर पर चोट के निशान दिखते हैं। सीरीज की कहानी शादी के जश्न के पीछे एक कड़वी सच्चाई के बारे में है। यह सीरीज सवाल उठाती है कि क्या शादी के बाद अगर पति अपनी पत्नी पर किसी भी तरह का दबाव डाले, तो क्या यह सही है? शादी कोई लाइसेंस नहीं है और हर बार चुप रहना का मतलब हां नहीं होता।

- घरों में महिलाओं पर होने वाले अन्याय पर बेस्ड है स्टोरी

फिल्म 'जय हनुमान' की हुई शुरुआत

मुंबई। फिल्म जय हनुमान की आधिकारिक शुरूआत भव्य मुहूर्त पूजा के साथ हुई। यह कार्यक्रम रविवार को कर्नाटक के कोप्पल जिले के अंजनाद्री बेट्टा में किया गया, जिसे भगवान हनुमान का जन्मस्थान माना जाता है। फिल्म को टी-सीरीज के भूषण कुमार प्रेजेंट कर रहे हैं, इस फिल्म को प्रशांत वर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें ऋषभ शेट्टी लीड रोल में हैं। बता दें कि यह फिल्म 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म हनुमान का सीक्वल है। फिल्म का प्रोडक्शन मिथ्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है। पूरे भारत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने वाले इस कोलैबोरेशन के तहत मुहूर्त पूजा अंजनाद्री बेट्टा में आयोजित की गई।

अमिताभ बच्चन को पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

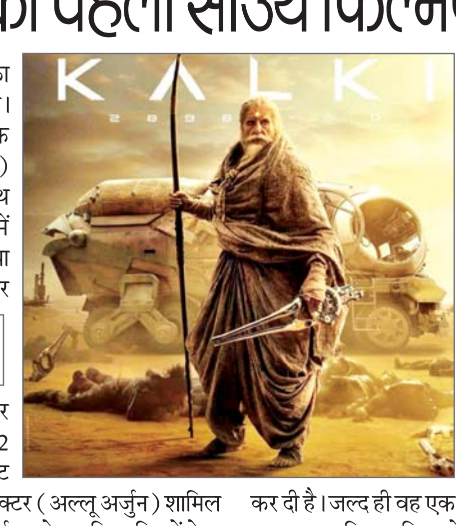

मुंबई। 70वें साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का आयोजन शनिवार को केरल के कोच्चि में हुआ। इस दौरान अमिताभ बच्चन को फिल्म कल्कि 2898 एडी के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (तेलुगु) का अवॉर्ड दिया गया। यह उनका पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड है। प्रभास स्टारर फिल्म में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का रोल निभाया था। इस सेरेमनी में तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। फिल्म पुष्पा 2 ने तेलुगु कैटेगरी में पांच अवॉर्ड जीते, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर (सुकुमार) और बेस्ट एक्टर (अल्लू अर्जुन) शामिल रहे। तमिल कैटेगरी में फिल्म अमरन ने सात अवॉर्ड अपने नाम किए, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट एक्टर (सिवकार्तिकेयन) और बेस्ट एक्ट्रेस (साई पल्लवी) शामिल हैं। मलयालम सिनेमा से सुपरस्टार ममूटी को ब्रमायुगम के लिए बेस्ट एक्टर चुना गया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिवंगत एक्टर-फिल्ममेकर श्रीनिवासन को मरणोपरांत दिया गया। फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून 2024 को रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए दुनियाभर में ?1,000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ (तेलुगु) 2026 में फिल्म ने दो अवॉर्ड्स जीते, बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल) का अवॉर्ड अमिताभ बच्चन ने जीता। बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन का अवॉर्ड नितिन जियानी चौधरी को मिला। हालांकि, अमिताभ बच्चन इस सेरेमनी में शामिल नहीं हुए।

अमिताभ बच्चन ने फरवरी 2026 में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के दूसरे पार्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। जल्द ही वह एक और फिल्म में नजर आएंगे। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का इतिहास फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ टाइम्स ग्रुप की फिल्मफेयर मैगजीन द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की शुरूआत 1954 में हुई थी, शुरूआत में केवल हिंदी फिल्मों के लिए यह सेरेमनी होती थी।

- कल्कि के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर चुने गए प्रभाष स्टारर इस फिल्म में अश्वस्थामा बने

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाउस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com